Helpline No.:-(+91)-7597122440

जगदगुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

मदाऊ, भांकरोटा–मुहाना लिंक रोड, जयपुर (राज.) - 302026

वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ▪ ई-मेल - jrrsu@yahoo.com ▪ टेलीफोन 0141-2690551-75

यू. ओ. नोट

विषय : सत्र 2023-24 बी.ए. तथा एम. ए. का पाठ्यक्रम अपलोड कराने बाबत्।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत प्रभारी, आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय द्वारा प्राप्त सत्र 2023-24 का बी.ए. तथा एम. ए. का मूल पाठ्यक्रम संलग्न कर विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड कराये जाने हेतु प्रस्तुत है। कृपया अग्रिम कार्यवाही अविलम्ब सम्पन्न करावें।

संलग्न : उपर्युक्त (मूल पाठ्यक्रम 137 + 02 = 139 पृष्ठ)

कुलसचिव

वेबसाईट प्रभारी,
जरारासंविवि, जयपुर

क्रमांक : प ( )जरारासंविवि/शैक्ष.–विद्यापरिषद/516
दिनांक : 30/4/24

D:\Sun\OFFICE Letter 2019_2 doc.docx

कुलसचिव
जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
जयपुर 302026

विषय–बीए व एमए की परीक्षा के संबंध में।

महोदय,

उक्त विषयान्तर्गत लेख है कि बीए एवं एमए का संपूर्ण पाठ्यक्रम पूर्व में ही कुलसचिव कार्यालय में उपलब्ध करवा दिया है जो राजस्थान विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार है। विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत नियमित छात्रों के लिए बीए पाठ्यक्रम में संस्कृत विषय अनिवार्य है एवं बीए प्रथम सेमेस्टर परीक्षा का पूर्णांक 650 है, स्वयंपाठी का कोई प्रावधान नहीं है। उक्त में निम्नानुसार प्रश्न पत्र हैं–

क्र. सं.	प्रश्न पत्र का विवरण	विषय	सैद्धान्तिक	आंतरिक	पूर्णांक
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	संस्कृत	100	50	150
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	आधुनिक विषय वैकल्पिक	100	50	150
3.	तृतीय प्रश्न पत्र	आधुनिक विषय वैकल्पिक	100	50	150
4.	चतुर्थ प्रश्न पत्र–AEC (योग्यता वर्धित कार्यक्रम)	हिन्दी	50	–	50
5.	पंचम प्रश्न पत्र–AEC (योग्यता वर्धित कार्यक्रम)	अंग्रेजी	50	–	50
6.	षष्ठ प्रश्न पत्र–VAC (मूल्य वर्धित कार्यक्रम)	चयनित एक विषय	–	50	50
7.	सप्तम प्रश्न पत्र–SEC (कौशल वृद्धि प्राप्तांक)	चयनित एक विषय	–	50	50
				कुल पूर्णांक	650

विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत नियमित छात्रों के लिए एमए प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम में लिये गये विषय के चार प्रश्न पत्र होंगे, स्वयंपाठी का कोई प्रावधान नहीं है। उक्त में प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा।

AR (Academic)
27/4/24.

27/04/24
(डॉ. महेश शर्मा)

राजस्थान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप सेमेस्टर प्रणाली आधारित स्नातक पाठ्क्रमों की रूपरेखा

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्नातक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रमों एवं क्रेडिट रूपरेखा के अनुरूप सत्र 2023–24 से राजस्थान विश्वविद्यालय के कला/वाणिज्य/विज्ञान/ललित कला/ सामाजिक विज्ञान संकाय से संबंधित समस्त स्नातक पाठ्क्रमों में सेमेस्टर प्रणाली प्रारम्भ की गयी है।

2. सेमेस्टर प्रणाली में स्नातक पाठ्यक्रम तीन/चार वर्षों का होगा।

3. प्रत्येक वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे। नियमित छात्रों की विषम सेमेस्टर (अर्थात प्रथम, तृतीय, पंचम तथा सप्तम) की परीक्षा दिसम्बर माह में तथा सम सेमेस्टर (द्वितीय, चतुर्थ, षष्ठम तथा अष्ठम) की परीक्षा मई माह में आयोजित होगी। स्वयंपाठी छात्रों की एक वर्ष की दोनों (सम और विषम) सेमेस्टर परीक्षा मई माह में होगी।

4. (i) स्नातक पाठ्यक्रम B.A./B.Com/B.Sc. में प्रत्येक विद्यार्थी को तीन मुख्य विषयों (Major Subject) का चयन करना होगा। प्रत्येक मुख्य विषय के एक प्रश्न पत्र की परीक्षा आयोजित की जायेगी। मुख्य विषय के अनुसार केवल सैद्धान्तिक परीक्षा या सैद्धान्तिक + प्रायोगिक दोनों परीक्षा होगी।
(ii) स्नातक पाठ्यक्रम B.A. (Discipline)/B.Com. (Discipline)/ B.Sc. (Discipline) में मुख्य Discipline के विषय के दो प्रश्न पत्र होंगे तथा तीसरा प्रश्न पत्र मुख्य Discipline से भिन्न/अन्य विषय के प्रश्न पत्र का चयन करना होगा। Discipline = Hindi Language /Sociology / Pol. Sc./ Geography / Physics / Botany / Chemistry /ABST/Bub. Adm. etc.
उदाहरणस्वरूप–यदि विद्यार्थी B.A. (Discipline) में अर्थशास्त्र विषय का अध्ययन करता है तो स्नातक कार्यक्रम B.A. (Economics) कहलायेगा। इस कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विषय के दो प्रश्न पत्र होंगे तथा तीसरा प्रश्न पत्र अर्थशास्त्र विषय से भिन्न/अन्य विषय के प्रश्न पत्र होगा।
(iii) BCA/BBA/BVA/BPA/B. Des /B.Voc. स्नातक पाठ्क्रमों में तीनों प्रश्न पत्र पाठ्यक्रम के अनुसार होंगे।

5. मुख्य विषयों के अतिरिक्त विद्यार्थी को प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में योग्यता वृद्धि पाठ्क्रम (AEC) के अन्तर्गत हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा की परीक्षा देनी होगी। इसी प्रकार प्रथम वर्ष के लिए विश्वविद्यालय द्वारा जारी मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (VAC) तथा कौशल वर्धित पाठ्यक्रम (SEC) की सूची में से पाठ्क्रमानुसार प्रत्येक सेमेस्टर में एक–एक विषय का अध्ययन करना होगा।
जिसे निम्न सारणी द्वारा समझा जा सकता है :–

	मुख्य विषय 1	मुख्य विषय 2	मुख्य विषय 3	योग्यता वर्धित कार्यक्रम	मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (चयनित एक विषय)	कौशल वृद्धि प्राप्तांक (चयनित एक विषय)	कुल
क्रेडिट	6 या 4(सैद्धा)+2(प्रा)	6 या 4(सैद्धा)+2(प्रा)	6 या 4(सैद्धा)+2(प्रा)	हिन्दी (2) अंग्रेजी (2)	2	2	28
अंक	150 या 100(सैद्धा)+50(प्रा)	150 या 100(सैद्धा)+50(प्रा)	150 या 100(सैद्धा)+50(प्रा)	हिन्दी (50) अंग्रेजी (50)	50	50	650

1

जगदगुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

जयपुर – 302026

वेबसाइट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई-मेल - jrrsu@yahoo.com टेलीफैक्स 0141-2680851-55

क्रमांक प( ) जरारासंविवि / शैक्ष0 परि. / 2024 /

दिनांक:

सेवा में

श्रीमान् निदेशक शैक्षणिक

जरारासंविवि, जयपुर

विषय :– बी0 ए0 एवं एम0 ए0 के पाठ्यक्रम को परीक्षा विभाग में प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

सादर निवेदन है कि बी0 ए0 एवं एम0 ए0 के पाठ्यक्रम 2023–24 को विश्वविद्यालय के परीक्षादि कार्यों हेतु लागू करने के लिए तैयार कर आपके समक्ष आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर /द्वितीय सेमेस्टर –संस्कृत

बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर /द्वितीय सेमेस्टर – दर्शन शास्त्र

बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर /द्वितीय सेमेस्टर – अंग्रेजी

बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर /द्वितीय सेमेस्टर – राजनीति विज्ञान

बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर /द्वितीय सेमेस्टर – हिन्दी/हिन्दी साहित्य

बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर /द्वितीय सेमेस्टर – इतिहास

बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर /द्वितीय सेमेस्टर – कम्प्यूटर विज्ञान

बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर /द्वितीय सेमेस्टर – शिक्षा

एम0 ए0 प्रथम वर्ष – हिन्दी/हिन्दी साहित्य

एम0 ए0 प्रथम वर्ष – इतिहास

एम0 ए0 प्रथम वर्ष – राजनीति विज्ञान

एम0 ए0 प्रथम वर्ष – अंग्रेजी

एम0 ए0 प्रथम वर्ष – संस्कृत

एम0 ए0 प्रथम वर्ष – शिक्षा

एम0 ए0 प्रथम वर्ष – दर्शन शास्त्र

कम्प्यूटर विज्ञान (PGDCA)

Recd today 22/4/24

15-4-2024

माननीय कुलपति महोदय

प्रेषित – कुलसचिव

कम्प्यूटर

Academic 22/4/24

15/04/24

(डॉ0 महेश शर्मा)

प्रभारी एवं अध्यक्ष

आधुनिक ज्ञान विज्ञान

जरारासंविवि, जयपुर

(1)

जगदगुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

जयपुर – 302026

वेबसाइट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई-मेल - jrrsu@yahoo.com टेलीफैक्स: 0141-2850811-19

क्रमांक प( ) जरारासविवि / शैक्ष0 परि / 2024 /

दिनांक:

सेवा में
श्रीमान् निदेशक शैक्षणिक
जरारासविवि, जयपुर

विषय :– बी0 ए0 एवं एम0 ए0 के पाठ्यक्रम को परीक्षा विभाग में प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

सादर निवेदन है कि बी0 ए0 एवं एम0 ए0 के पाठ्यक्रम 2023–24 को विश्वविद्यालय के परीक्षादि कार्यों हेतु लागू करने के लिए तैयार कर आपके समक्ष आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर / द्वितीय सेमेस्टर –संस्कृत
बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर / द्वितीय सेमेस्टर – दर्शन शास्त्र
बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर / द्वितीय सेमेस्टर – अंग्रेजी
बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर / द्वितीय सेमेस्टर – राजनीति विज्ञान
बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर / द्वितीय सेमेस्टर – हिन्दी / हिन्दी साहित्य
बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर / द्वितीय सेमेस्टर – इतिहास
बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर / द्वितीय सेमेस्टर – कम्प्यूटर विज्ञान
बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर / द्वितीय सेमेस्टर – शिक्षा

एम0 ए0 प्रथम वर्ष – हिन्दी / हिन्दी साहित्य
एम0 ए0 प्रथम वर्ष – इतिहास
एम0 ए0 प्रथम वर्ष – राजनीति विज्ञान
एम0 ए0 प्रथम वर्ष – अंग्रेजी
एम0 ए0 प्रथम वर्ष – संस्कृत
एम0 ए0 प्रथम वर्ष – शिक्षा
एम0 ए0 प्रथम वर्ष – दर्शन शास्त्र
कम्प्यूटर विज्ञान (PGDCA)

Rcvd today 22/4/24

15-4-2024

माननीय कुलपति महोदय
प्रेषित – कुलसचिव
कार्यवाही हेतु

18/4/2024

Academic 22/4/24

15/04/24

(डॉ0 महेश शर्मा)
प्रभारी एवं अध्यक्ष
आधुनिक ज्ञान विज्ञान
जरारासविवि, जयपुर

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय

NEP 2020 के अनुसार त्रिवर्षीय स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम
(3 Year UG Course Structure as per NEP 2020)

B.A. प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर(प्रश्नपत्र संस्कृत)

सत्र 2023–24

आधुनिक ज्ञान विज्ञान विभाग

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
ग्राम– मदाऊ, पोस्ट– भांकरोटा, जयपुर–302026

बी.ए [संस्कृत] वर्ष 2023-24
प्रथम सेमेस्टर
दृश्य एवं श्रव्य काव्य

समय: 3 घण्टे

1 क्रेडिट - 25 अंक
अंक - 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक
6 क्रेडिट - 150 अंक

पाठ्यक्रमविवरण

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

प्रश्न पत्र का नाम	प्रश्न संख्या 1 में लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	अंकों का योग
स्वप्नवासवदत्तम	03 लघु.	06	2 अ 2 ब	24	14 [7+7] + 10 = 24
नीतिशतकम	03 लघु.	06	3 अ 3 ब	24	14 [7+7] + 10 = 24
रघुवंशम् प्रथमसर्ग	02 लघु.	04	4 अ 4 ब	26	16 [8+8] + 10 = 26
अनुवाद - कारक सम्बंधी तथा हिन्दी से संस्कृत 12 में से 06 वाक्य	02 लघु.	04	5 अ 5 ब	18	8 [4×2] + 10 (2×5) = 18
कुल	1	20	04	100	120

निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

Unit - 1 - स्वप्नवासवदत्तम

भाग - अ में 3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। - 06 अंक

भाग - ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किसी 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 14 [7+7] अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर देय है - 10 अंक

Unit ⇒ II नीतिशतकम

भाग - अ ⇒ में 3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

भाग - ब ⇒ 1. 4 श्लोक पूछकर से किन्हीं 2 की सप्रसंग व्याख्या 14 [7+7] अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय - 10 अंक

Unit-III **रघुवंशम् [प्रथम सर्ग]**

भाग-अ. में लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। 04 अंक

भाग-ब. 1 ⇒ 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी 16 अंक

2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 10 अंक

डॉ. आरुषि

विभाग ⇒ दर्शन [आधुनिक विषय]

विषय ⇒ संस्कृत [B.A 1st year]

दिनांक 16/04/2024

बी.ए. (संस्कृत) वर्ष 2023–24
प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर

सामान्य निर्देश –

- प्रत्येक सेमेस्टर में एक प्रश्नपत्र होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णांक सैद्धान्तिक के साथ मध्यावधि मूल्यांकन सहित 150 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 48 तथा पूर्णांक 120 होंगे और समय 3 घंटे का होगा। इसके साथ प्रत्येक प्रश्नपत्र में 30 अंक मध्यावधि मूल्यांकन हेतु निर्धारित है। उत्तीर्णांक 40% होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने के पश्चात् ही मुख्य परीक्षा में परीक्षार्थी को बैठने की अनुमति होगी।
- परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
- संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
- निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, शब्दार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
- प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

(5)

बी.ए. (संस्कृत) वर्ष 2023–24
प्रथम सेमेस्टर
दृश्य एवं श्रव्य काव्य

समय : 3 घण्टे अंक 120

सामान्य निर्देश –

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 48 तथा पूर्णांक 120 होंगे और समय 3 घंटे का होगा।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
6. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं है।

पाठ्यक्रम

Unit- I - स्वप्नवासवदत्तम् (भास)	30 अंक
Unit- II - नीतिशतकम् (भर्तृहरि)	30 अंक
Unit- III - रघुवंशम् प्रथम सर्ग	30 अंक
Unit- IV - अनुवाद– संस्कृत से हिन्दी–कारक सम्बन्धी पाँच वाक्य तथा हिन्दी से संस्कृत दस में से पाँच वाक्य	30 अंक

क– विभाजन

	पुस्तक का नाम	प्रश्न संख्या 1 में लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	अंको का योग
	स्वप्नवासवदत्तम्	03 लघु.	06	2 अ 2 ब	24	14(7+7)+10=24
	नीतिशतकम्	03 लघु.	06	3 अ 3 ब	24	14(7+7)+10=24
	रघुवंशम् (प्रथमसर्ग)	02 लघु.	04	4 अ 4 ब	26	16(8+8)+10=26
	अनुवाद–कारक सम्बन्धी तथा हिन्दी से संस्कृत 12 में से 08 वाक्य	02 लघु.	04	5 अ 5 ब	18	8(4x2)+ 18(6x3)=18
	कुल	1	20	04	100	120

निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

Unit- I स्वप्नवासवदत्तम्

भाग अ में 3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किसी 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 14 (7+7) अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर देय है। 10 अंक

Unit- II नीतिशतकम्

भाग अ में 3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 14 (7+7) अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 10 अंक

Unit- III रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)

भाग अ में लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 04 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी 16 अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 10 अंक

Unit- IV अनुवाद एवं कारक

भाग अ में 2 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 04 अंक

भाग ब

1. संस्कृत से हिन्दी– कारक संबंधी 04 वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है। 08 अंक
2. हिन्दी से संस्कृत– 12 वाक्य देकर 06 वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है। 10 अंक

प्रत्येक वाक्य के लिये 3 अंक निर्धारित है।

सहायक पुस्तकें–

1. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ. कृष्णदेव प्रसाद–जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, झालानियों का रास्ता , जयपुर।
2. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ.रूपनारायण त्रिपाठी –रचना प्रकाशन, जयपुर।
   स्वप्नवासवदत्तम्–संस्कृत हिन्दी व्याख्या –डॉ.जगन्नाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, झालानियों का रास्ता , जयपुर।
3. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ.सुभाष वेदालंकार, –अलंकार प्रकाशन, जयपुर।
4. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ.श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, चौडा रास्ता जयपुर।
5. नीतिशतकम्–डॉ. गोपाल शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
6. नीतिशतकम्–डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, राज प्रकाशन मंदिर, जयपुर।
7. नीतिशतकम्– डॉ.सुभाष वेदालंकार, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
8. रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)
9. संस्कृत व्याकरण– श्री निवास शास्त्री।
10. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल
11. प्रौढरचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी ।

बी.ए [संस्कृत] वर्ष 2023-24

द्वितीय सेमेस्टर

भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, व्याकरण

समय - 3 घण्टे

1 क्रेडिट - 25 अंक
अंक - 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

पाठ्यक्रमविवरण 6 क्रेडिट - 150 अंक

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

क्र. सं.	प्रश्नपत्र का नाम	प्रश्न सं. 1 में लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	
1.	भारतीय संस्कृति के तत्व	लघूत्तरात्मक-3	06	02 अ 02 ब	24	10 14 [7+7]
2.	किरातार्जुनीयम् [प्रथम सर्ग]	लघूत्तरात्मक-3	06	02 अ 02 ब	24	14 [7+7] + 10
3.	लघुसिद्धान्त कौमुदी - संज्ञा संधि प्रकरण	लघूत्तरात्मक-2	04	03 03 ब 03 स	26	04+10+10+2
4.	संस्कृत काव्य का इतिहास	लघूत्तरात्मक-2	04	04 अ 04 ब 04 स	26	8+8+10
	कुल	10	20	10	70	100+20=120

निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

1 - भारतीय संस्कृति के तत्व

भाग → अ में 2-2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। 06 अंक

भाग → ब

1 - दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट है। 10 - अंक

2 - चार विषयों पर टिप्पणी पूछकर किन्हीं दो का उत्तर अभीष्ट है। 14 [7+7] अंक

⇒ किरातार्जुनीयम् [प्रथमसर्ग]

भाग-अ में 2-2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे. 08 अंक

भाग-ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 14 [7+7] अंक

2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 10 अंक

⇒ व्याकरण - लघुसिद्धान्त कौमुदी

भाग-अ - में 2-2 अंक के दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। 04 अंक

भाग-ब - विसर्ग संधि से 04 अंक

⇒ संज्ञा प्रकरण

अ. 4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या- 04 अंक अपेक्षित है। प्रत्येक व्याख्या के लिये 2 अंक निर्धारित हैं।

⇒ ब. अच् संधि -

4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करनी है। 04 अंक प्रत्येक व्याख्या के लिये चार में से दो सिद्धि निश्चित हैं। 06 अंक

स ⇒ हल् संधि

1- 4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करनी है। 04 अंक
2- प्रत्येक व्याख्या के 4 में से दो सिद्धि निश्चित हैं। 06 अंक

द -

द ⇒ विसर्ग संधि

1 - सूत्र पूछकर किसी 1 सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करनी है। 02 अंक

डॉ. आशुषि
विभाग ⇒ दर्शन विभाग
विषय ⇒ संस्कृत

दिनांक - 16/04/2024

(19)

बी.ए. (संस्कृत) वर्ष 2023–24
द्वितीय सेमेस्टर
भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, व्याकरण

समय : 3 घण्टे

अंक–120

सामान्य निर्देश –

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 48 तथा पूर्णांक 120 होंगे और समय 3 घंटे का होगा।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
1. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जावेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहीं संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

पाठ्यक्रम

Unit- I - भारतीय संस्कृति के तत्त्व – 30 अंक

क– भारतीय संस्कृति–विषय, पृष्ठभूमि, विशेषताएँ।
ख– भारतीय संस्कृति के विकास की रूपरेखा–पूर्ववैदिक काल, वैदिकोत्तरकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल।
ग– प्रागैतिहासकाल– राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति।
घ– वर्ण, आश्रम, एवं संस्कार।
ङ– शिक्षा (वैदिककाल से लेकर 7वीं शताब्दी तक)
च– लेखन–कला की उत्पत्ति।
छ– भारतीय दर्शन की प्रमुख विचारधाराएँ।
ज– भारतीय संस्कृति का मानव–कल्याण में योगदान।

Unit- II - किरातार्जुनीयम्(प्रथम सर्ग)—भारविकृत 30 अंक

Unit- III - व्याकरण–लघुसिद्धान्तकौमुदी–संज्ञा, एवं संधि प्रकरण 30 अंक

क–संज्ञा प्रकरण–
ख–अच् संधि–
ग– हल् संधि–
घ– विसर्ग संधि–

Unit- IV - संस्कृत काव्य का इतिहास 30 अंक

अश्वघोष, कालिदास, भारवी, माघ, श्रीहर्ष, जयदेव, भर्तृहरि और उनके कार्य, महाकाव्यों की उत्पत्ति और विकास। रामायण और महाभारत। उपर्युक्त के विशेष संदर्भ में गीतिकाव्य, कवियों और उनकी कृतियों का उल्लेख किया। (चार में दो प्रश्न है।)

अंक– विभाजन

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	प्रश्न संख्या 1 में लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	अंको का योग
1.	भारतीय संस्कृति के तत्त्व	लघूत्तरात्मक 3	06	02 अ 02 ब	24	10 14(7+7)
2.	किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)	लघूत्तरात्मक 3	06	02 अ 02 ब	24	14(7+7)+10
3.	लघुसिद्धान्तकौमुदी–संज्ञा, एवं संधि प्रकरण	लघूत्तरात्मक 2	04	03 03 ब 03 स 03 द	26	04+10+10+2
4.	संस्कृत काव्य का इतिहास	लघूत्तरात्मक 2	04	04 अ 04 ब 04 स	26	8+8+10
	कुल	10	20	10	70	100+20=120

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

निबन्धात्मक/ व्याख्यात्मक प्रश्न

I - भारतीय संस्कृति के तत्व 06 अंक
भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।
भाग ब

1. दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट है। 10 अंक
2. चार विषयों पर टिप्पणी पूछ कर किन्हीं दो का उत्तर अभीष्ट है। 14 (7+7) अंक

I - किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक

भाग ब

4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 14 (7+7) अंक

दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 10 अंक

II - व्याकरण–लघुसिद्धान्त कौमुदी

भाग अ में 2–2 अंक के दो लघूत्तरात्मक प्रश्न से पूछे जावेंगे । 04 अंक

भाग ब विसर्ग संधि से 04 अंक

ii. संज्ञा प्रकरण

4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।

प्रत्येक व्याख्या के लिये 2 अंक निश्चित है। 04 अंक

ii. अच् संधि–

4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। 04 अंक

प्रत्येक व्याख्या के लिये चार में से दो सिद्धि निश्चित है। 06 अंक

iii. हल् संधि–

4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। 04 अंक

प्रत्येक व्याख्या के लिये चार में से दो सिद्धि निश्चित है। 06 अंक

iv. विसर्ग संधि–

2 सूत्र पूछकर किसी 1 सूत्र की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। 02 अंक

V - सहायक पुस्तकें– भारतीय संस्कृति

भारतीय सांस्कृतिक निधि– डॉ. रामजी उपाध्याय, महामनापुरी , वाराणसी।

भारतीय संस्कृति–श्री रागदेव साहू, श्याम प्रकाशन चौड़ा रास्ता, जयपुर।

भारतीय संस्कृति– वाई.एस.रमेश–रचना प्रकाशन,जयपुर।

भारतीय संस्कृति– डॉ. रामजी उपाध्याय, महामनापुरी , वाराणसी।

भारतीय दर्शन– डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

किरातार्जुनीयम्

किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)–आचार्य नवल किशोर कांकर, विद्या वैभव भवन, जयपुर।

किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)–डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन , जयपुर।

किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)– डॉ.सुभाष वेदालंकार, –अलंकार प्रकाशन, जयपुर।

अनुवाद के लिए

1. संस्कृत रचनानुवाद मंजरी–पं. नंदकुमार शास्त्री, अजमेरा बुक कम्पनी,त्रिपोलिया बाजार, जयपुर।
2. रचनानुवाद कौमुदी–डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वाराणसी।
3. रचनानुवादप्रभा–डॉ.श्रीनिवास शास्त्री, कुरुक्षेत्र।

व्याकरण के लिये

लघुसिद्धान्त कौमुदी– डॉ.बसंत जैतली एवं डॉ. राजेश कुमार,जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्री महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान ,दिल्ली।
लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली।
लघुसिद्धान्त कौमुदी– भीमसेन शास्त्री।
संस्कृत व्याकरण– श्री निवास शास्त्री।
बृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल

संस्कृत काव्य का इतिहास –

. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – पी.वी. काणे, मोतीलाल बनारसी, दिल्ली
. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
. संस्कृत साहित्य का इतिहास – कपिल देव द्विवेदी
. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – ए.बी. कीथ
. अलंकारशास्त्रेतिहासः – डॉ. जगदीश चन्द मिश्र

V - संस्कृत काव्य का इतिहास –

. किन्हीं दो कवियों के व्यक्तित्व कृतित्व सम्बन्धी प्रश्न पूछकर किसी एक कवि से सम्बन्धित उत्तर अभीष्ट है। 08 अंक

किन्हीं दो कवियों के काव्य के वैशिष्ट्य सम्बन्धी प्रश्न पूछकर एक कवि के सम्बन्ध में उत्तर अभीष्ट है। 08 अंक

. रामायण एवं महाभारत सम्बन्धी निबन्धात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछा जायेगा।

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय

NEP 2020 के अनुसार त्रिवर्षीय स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम
(3 Year PG Course Structure as per NEP 2020)

B.A. प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर (प्रश्नपत्र–दर्शनशास्त्र)

सत्र 2023–24

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
ग्राम– मदाऊ, पोस्ट– भांकरोटा, जयपुर–302026

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर (दर्शन)

प्रश्नपत्र निर्माण	01 क्रेडिट 06 क्रेडिट प्रश्नपत्र आन्तरिक मूल्यांकन	25 अंक 150 अंक 120 अंक 30 अंक

प्रश्नपत्र अंक विभाजन

- यह प्रश्न पत्र अ,ब,स तीन खण्डों में विभक्त है।
- भाग 'अ' में 10 अतिलघूत्तरात्मक अनिवार्य प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।
- भाग 'ब' में 04 लघूत्तरात्मक अनिवार्य प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।
- भाग 'स' में 04 निबन्धात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के रूप में होंगे, प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इस प्रकार तीनों भागों को मिलाकर कुल 18 प्रश्न होंगे।

- अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों का उद्देश्य तथ्यात्मक ज्ञान की जाँच करना होगा। उत्तर सीमा (15-20) शब्दों की होगी।
- लघूत्तरात्मक प्रश्नों का उद्देश्य सम्प्रत्यय, परिभाषा, नियम, सिद्धान्तों के अनुप्रयोग आदि की जाँच करना होगा। ऐसे प्रश्नों की उत्तर सीमा 03 पृष्ठ तक होगी।
- निबन्धात्मक प्रश्नों का उद्देश्य परिप्रेक्ष्य-ज्ञान, आलोचनात्क दृष्टिकोण, सिद्धान्तों के अनुप्रयोग आदि की जाँच करना होगा, जो सैद्धान्तिक पक्ष से सम्बन्धित होंगे।
- केवल विषय वस्तु के आधार पर ही प्रश्न-पत्र न हो, अपितु शैक्षणिक उद्देश्यों को ध्यान में रखकर ज्ञान अनुप्रयोग से जोड़कर बनाया जायेगा।

खण्ड-अ अति लघूत्तरात्मक प्रश्न	**प्रश्न** 10	**अंक** 20 (10X02)
खण्ड-अ लघूत्तरात्मक प्रश्न	04	40 (4X10)
खण्ड-अ निबन्धात्मक प्रश्न	04	60 (4X15)
कुल	**18**	**120**

B. A.
Semester-1
CCI: Paper I: History of Philosophy: Indian and Western-I
Credits: 06

Theory Paper: 120 Marks
Mid-Semester Assessment: 30 Marks

Objectives:

The objective behind this course is to introduce to the students, the vastness, richness and plurality of Indian philosophy and the origin and development of ideas in the West.

Outcomes:

- Students should get an acquaintance with the history of Indian philosophy.
- Students should be able to understand the basic currents and concepts of classical Indian philosophical systems.
- Students should be able to grasp the fundamental jargon and terminology of Indian philosophy.
- Students should be able to discern amongst the various streams of Indian philosophy.
- Students should be able to understand the impact of Indian philosophy on Indian culture
- Students should get an acquaintance with the history of Western philosophy.
- Students should get a picture about the genesis and evolution of Western philosophy.
- Students should be able to discern between the fundamentals and traditions of Indian and Western philosophical systems

Unit 1:

1. An introduction to the meaning, nature and branches of philosophy.
2. Nature of Indian Philosophy, Taxonomy/classification of schools
3. Vedic Corpus- elementary introduction to the meaning of the terms: Samhita, Brahmana, Aranyaka, Upanisad, Vedanga
4. Carvaka/Lokayata: its epistemology, metaphysics and ethics.

Unit II:

5. Jainism: Concepts of sat, dravya, jiva, anekantavada, syadvada and bondage and liberation
6. Buddhism: the four noble truths, theory of dependent origination, doctrine of flux, theory of no-soul, nirvana.

Unit III:

7. Introduction to Early Greek Philosophy: Sophists and Socrates
8. Plato: Theory of Knowledge, Theory of Ideas

9. Aristotle: Critique of Plato's Theory of Forms, Causation, Matter and Form

Unit IV:

10. Major features of Medieval Philosophy: Scholasticism, Dark Age of Philosophy

11. Rationalism: Descartes (method, cogito, substance and God), Spinoza (substance, attributes and modes), Leibniz (substance and monadology). Mind-body problem.

Suggested Readings:

Chatterjee & Dutta: Introduction to Indian Philosophy (Hindi translation available)
M. Hiriyanna: Outlines of Indian Philosophy (Hindi translation available)
C.D. Sharma: A Critical Survey of Indian Philosophy (Hindi translation available)
S.N. Dasgupta: A History of Indian Philosophy, Vols. I-V (Hindi translation available)
S. Radhakrishnan: Indian Philosophy, Vols. I & II (Hindi translation available, Rajkamal, Delhi).
R. D. Ranade: A Constructive Survey of Upanisadic Philosophy (Hindi Hindi Granth Academy, Jaipur translation available),
संगम लाल पाण्डेय : भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण, सेन्ट्रल पब्लिशिंग हॉउस, इलाहाबाद
Frank Thilly: A History of Philosophy, Central Publishing House, Allahabad (Hindi translation available)
W. T. Stace: A Critical History of Greek Philosophy
Bertrand Russell: A History of Western Philosophy, Routledge Classics
A. C. Grayling: A History of Philosophy, Penguin Books
संगमलाल पाण्डेय : आधुनिक दर्शन की भूमिका
जगदीश सहाय श्रीवास्तव :पाश्चात्य दर्शन की दार्शनिक प्रवृतियां

Unit III:

5. Empiricism: Locke (refutation of innate ideas, theory of ideas: types of ideas, nature and limits of knowledge), Berkeley (refutation of abstract ideas and matter, idealism), Hume (ideas and impressions, refutation of causality and self, scepticism)

Unit IV:

6. Kant: idea of criticism, possibility of synthetic apriori judgments, agnosticism

Suggested Readings:

Chatterjee & Dutta: Introduction to Indian Philosophy (Hindi translation available)
M. Hiriyanna: Outlines of Indian Philosophy (Hindi translation available)
C.D. Sharma: A Critical Survey of Indian Philosophy (Hindi translation available)
S.N. Dasgupta: A History of Indian Philosophy, Vols. I & II V (Hindi translation available)
S. Radhakrishnan: Indian Philosophy, Vols. I & II (Hindi translation available, Rajkamal, Delhi).
R. D. Ranade: A Constructive Survey of Upanisadic Philosophy (Hindi translation available) Hindi Granth Academy, Jaipur,
संगम लाल पाण्डेय: भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण, सेन्ट्रल पब्लिशिंग हॉउस, इलाहाबाद
Frank Thilly: A History of Philosophy, Central Publishing House, Allahabad (Hindi translation available)
W. T. Stace: A Critical History of Greek Philosophy
Bertrand Russell: A History of Western Philosophy, Routledge Classics
A. C. Grayling: A History of Philosophy, Penguin Books
दयाकृष्ण (सं): पाश्चात्य दर्शन का इतिहास
संगमलाल पाण्डेय :आधुनिक दर्शन की भूमिका
जगदीश सहाय श्रीवास्तव : पाश्चात्य दर्शन की दार्शनिक प्रवृत्तियां

(15)

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय

NEP 2020 के अनुसार त्रिवर्षीय स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम
(3 Year UG Course Structure as per NEP 2020)

B.A. प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर (प्रश्नपत्र–अंग्रेजी साहित्य)

सत्र 2023–24

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
ग्राम– मदाऊ, पोस्ट– भांकरोटा, जयपुर–302026

B.A. First Semester (ENGLISH)

Question Paper Preparation	01 Credit 06 credit question paper Internal assessment	25 marks 150 points 120 points 30 points

Question paper mark division

- This question paper is divided into three sections A, B and C.
- Part 'A' will have 10 very short answer type compulsory questions, in which each question will be of 02 marks.
- Part 'B' will have 04 short answer type compulsory questions, in which each question will be of 10 marks.
- Part 'C' will have 04 essay questions as internal options, each question will be of 15 marks.

In this way, there will be a total of 18 questions including all three parts.

- The objective of very short answer type questions will be to test factual knowledge. Answer limit will be (15-20) words.
- The objective of short answer questions will be to test concepts, definitions, rules, applications of principles etc. The answer limit for such questions will be up to 03 pages.
- The objective of essay questions will be to test perspective-knowledge, critical approach, application of principles etc., which will be related to the theoretical aspect.
- The question paper should not be based only on the subject matter, but will be prepared keeping in mind the educational objectives and linking it with knowledge application.

	Question	Points
Section-A Very short answer question	10	20 (10X02)
Section-B Short answer questions	04	40 (4X10)
Section-C Essay question	04	60 (4X15)
Total	**18**	**120**

B.A. Literature (English Literature Syllabus

B.A. English Literature Part I 2023-24

Semester Scheme

B.A. English Literature Part I

SEMESTER I

Paper 1-Applied Language Skills and Literary Analysis

The Syllabus aims at achieving the following objectives:

- Introduce various literary devices, different genres and forms of literature
- Critically analyze prose pieces and write
- Appreciate poetry
- Practice Journalistic report writing and know how it is different from other forms of prose writing
- Write advertisement copy, to be able to write catchy, precise advertisement copies
- Develop writing skills by practicing theme writing

Maximum Marks: 150 Min. Marks: 40

Duration: 3 hrs Internal Marks: 30

Candidates will be required to answer five questions in all with at least one from each Unit.

UNIT I

Analysis of a literary text (prose and poetry) in terms of imagery, diction, structure, tone, point of view, referential and connotative meaning 40 marks

UNIT II

Journalistic Report Writing, Writing an Editorial 20 marks

UNIT III

Theme writing, One out of Three Topics. 30 marks

UNIT IV

Summary Writing 30 marks

Tutorials : Quiz, Seminar, Group Discussion, Presentation, Project

Recommended Reading:

Vandana R. Singh: The Written Ward (OUP.)

KM. Shrivastava: News Reporting and Editing, Sterling Publication

Parthasarathy, Raagaswami: Bazic Journalism, Macmillan India. John

Seely: Oxford Guide to Writing and Speaking

A.K. Sinha: A Students Companion to English Poetry

Paper II: English Literature: Elizabethan Age and Metaphysicals

The Syllabus aims at achieving the following objectives:

- To build an understanding of the age of Renaissance and Reformation in Europe. Its impact on England in the field of literature, culture, politics and economy
- To create an understanding of the times of Queen Elizabeth I, the rise of New Learning and the factors that contributed to the popularity of drama
- To trace the arrival of blank verse and the sonnet form to England and their extensive use at the hands of well-known sonneteers
- To explore the popularity of the lyric and its use at the hands of great poets like Edmund Spenser
- To understand metaphysical poetry and its characteristics
- To comprehend the importance and cultural setting of a wedding song with reference to Epithalamion
- To look at the impact of Reformation by analyzing the religious poetry of the age

Maximum Marks: 150 Min. Marks: 40

Duration: 3 hrs Internal Marks: 30

Part A-References to Contest

Candidate will be required to explain four (4) passages of Reference to Content with 5 marks each with a total of 20 Marks.

Knowledge of Literary Terms and Poetry Appreciation and usages of drama is required.

Part B-The student will be required to attempt 2 questions out of 4. Each question will carry 10 marks each to a total of 20 marks.

Part C-The other 4 questions will be Essay-type questions of 20 marks each, one from each unit with internal choice.

UNIT I

The following poems from The Metaphysical Poets, ed. Helen Gardner.

John Donne: (1) Sweet Love (ii) This is my plays last scene

(iii) Death be not proud, though some have called thee

George Herbert: (i) The Agonie (ii) Prayer (iii) Virtue (iv) The Collar

Henry Vaughan: (i) The Retreat (ii) The Morning Watch

Andrew Marvell: (i) To his Coy Mistress

UNIT II

Marlow : The Jew of Malta

UNIT III

Shakespeare : Merchant of Venice

UNIT IV

Spenser : Epithalamion

Tutorials : Quiz, Seminar, Group Discussion, Presentation, Project

Recommended Readings:

A.C. Bradley: Shakespearean Tragedy

E.E. Stoll: Art and Artifice in Shakespeare

M.C. Bradbook: Themes and Conventions of Elizabethan Tragedy Growth and Structure of Elizabethan Comedy

Northrop Frye: Fools of Time

G. Gordon: Shakespearean Comedy and Other Studies, The Wheel of Fire

Helen Gardner: Metaphysical Poetry MH Abrams: The Glossary of Literary terms

B.A. English Literature

Semester II

Paper I- Seventeenth and Eighteenth Century Literature

The Syllabus alms at achieving the following objectives:

- To be able to correlate the background and political events of the Restoration period with the texts
- Understand the historical context of plays and their appreciation in terms of language, devices used and form To be able to track the development of the novel up to its present form
- Appreciate the novel as a form and comprehend the delineation of characters presented
- To comprehend Milton's contribution to English Literature
- To be acquainted with pastoral elegy as a form of poetry and its features
- To be acquainted with the critical writings of the era and answer questions based on them and evaluate Johnson's contribution
- Comprehend the Mock-heroic form and its use by John Dryden
- Interpret and explain poetic forms like Ode, its types and its use by John Dryden

Maximum Marks: 150 Min. Marks: 40

Duration: 3 hrs Internal Marks: 30

Part A-References to Context

Candidate will be required to explain four (4) passages of Reference to Context with 5 marks each with a total of 20 Marks.

Knowledge of Literary Terms and Poetry Appreciation and usages of drama is required.

Part B - The student will be required to attempt 2 questions out of 4. Each question will carry 10 marks each to a total of 20 marks.

Part C-The other 4 questions will be Essay-type questions of 20 marks each, one from each unit with internal choice.

UNIT I

Milton : Lycidas

Dryden (i) Mac Flecknoe (ii) To the Memory of Mr. Oldham

Pope : Epistle to Dr. Arbuthnot (from Fifteen Poets)

UNIT II

Goldsmith : She Stoops to Conquer

Jonathan Swift : Gulliver's Travels

UNIT III

Daniel Defoe : Captain Singleton

Samuel Johnson : Preface to Shakespeare (Enright & Chikera)

UNIT IV

Tutorials : Quiz, Seminar, Group Discussion, Presentation, Project

Recommended Readings:

Travelyn: A Social History of England

Richard W. Beris: English Drama Restoration and Eighteenth Century: 1660-1789 London: 1998) (

George Parfitt: English Poetry of the Seventeenth Century (London: 1985) Graham Parry: Seventeenth Century Poetry: The Social Context (Baltimore: 1987) Michael

Mekecon: The Origin of the English Novel, 1600-1740 (Dailimare, 1987)

Paper II: Pre-Romantic and Romantic Literature

The Syllabus aims at achieving the following objectives:

- Understand the context of the age, the ushering of the Romantic era and its implications
- Understand the historical context of the French Revolution and its impact
- Appreciate love of nature and imbibe that love within themselves become ecologically sensitive
- To understand medievalism and comprehend the romantics love for the supernatural
- To appreciate the development of essays and appreciate the autobiographical element in the essays of Lamb
- To be able to compare and contrast between the styles of Lamb and Hazlitt and understand fully the genre of essay writing
- To be able to trace the development of thought and distinguish between the older and the younger Romantics

Maximum Marks: 150 Min. Marks: 40

Duration: 3 hrs Internal Marks: 30

Part A-References to Context

Candidate will be required to explain four (4) passages of Reference to Context with 5 marks each with a total of 20 Marks.

Knowledge of Literary Terms and Poetry Appreciation and usages of drama is required.

Part B-The student will be required to attempt 2 questions out of 4. Each question will carry 10 marks each to a total of 20 marks.

Part C-The other 4 questions will be Essay-type questions of 20 marks each, one from each unit with internal choice.

UNIT I

Thomas Gray : Ode on a Distant Prospect of Eton College

Cowper : The Poplar Field

W. Blake : London, Introduction (Songs of Innocence) Introduction (Songs of Experience)

UNIT II

W. Wordsworth : Lines Written about Tintern Abbey

S.T. Coleridge : Christabel PL. 1

UNIT III

John Keats : Eve of St. Agnes

Shelley : Ode to the West Wind

UNIT IV

Charles Lamb :Following essays from Essays of Elia, ed. N.L. Hailward & S.C. Hill (Macmillan)

(i) In Praise of ChimneySweeper (ii) Mackeray End in Herfordshire

William Hazlitt : (i) On Going a Journey

Tutorials : Quiz, Seminar, Group Discussion, Presentation, Project

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय

(Three/Four Year UG Course Structure as per NEP-2020)

B.A. (राजनीति विज्ञान) प्रथम एवं द्वितीय सत्रार्द्ध

सत्र- 2023-24

आधुनिक विभाग

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

ग्राम- मदाऊ, पोस्ट- झांकरोटा, जयपुर -302026

(27)

SCHEME OF EXAMINATION FOR UNDERGRADUATE PROGRAMME AS PER UGC FRAMEWORK FOR THE SESSION 2023-24

Subject: Political Science

1. 1 Credit =25 marks for examination/evaluation. Continuous assessment in which sessional work and the terminal examination will contribute to the final grade. Each course in Semester Grade Point Average (SGPA) has two components- Continuous Assessment (20% weightage) and End of Semester Examination (EoSE) (80% weightage).
2. Sessional work will consist of class tests, mid-semester examination(s), homework assignments, etc., as determined by the faculty in charge of the courses of the study.
3. Each paper of EoSE shall carry 80% of the total marks of the course/subject. The EoSE will be of 3 hours duration.
4. 'Part A' of the paper shall have 10 multiple short answer questions of 2 marks each. This question shall be based on knowledge, understanding and applications of the topics/texts covered in the syllabus.
5. 'Part B' of the paper shall consist of 4 questions, each taken from different unit and the student shall attempt any 2 questions that carries 10 marks each.
6. 'Part C' of the paper shall consist of 8 descriptive questions with 2 questions having internal choices, taken from each unit. Question shall be drawn from each unit and also the corresponding internal choice from the same unit. Student shall attempt 1 question from each unit. Each question shall be of 20 marks.
7. 75% attendance is mandatory for appearing in EoSE.
8. To appear in the EoSE of a course/subject, the student must appear in the mid-semester examination and obtain at least C grade in the course/subject.
9. Credit points in a course/subject will be assigned only if, the student obtains at least C grade in midterm and EoSE examination of a course/subject.

बी॰ए॰ प्रथम सेमेस्टर (राजनीति विज्ञान)
सत्र – 2023-24
स्नातक पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा योजना
प्रश्न-पत्र – राजनीतिविज्ञान के मूल आधार

1 क्रेडिट - 25 अंक
6 क्रेडिट - 150 अंक
प्रश्न-पत्र - 120 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन - 30 अंक

समय: 3 घण्टे

प्रश्न-पत्र का अंक विभाजन

खण्ड -	प्रश्न संख्या	अंक
खण्ड (अ) अतिलघूत्तरात्मक	10	20
खण्ड (ब) लघूत्तरात्मक	02	40
खण्ड (स) निबन्धात्मक	04	80
कुल	16	120

यह प्रश्न पत्र तीन खण्डो (अ, ब, स) मे विभक्त है।

खण्ड-अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरात्मक है, जिसमे सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जायेगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

खण्ड ब के अन्तर्गत सभी ईकाई से लेते हुए कुल 4 प्रश्न पूछे जायेगे जिसमे से किन्ही 2 प्रश्नो का उत्तर देना होगा। जो 10 अंक का होगा।

खण्ड-स मे कुल आठ वर्णात्मक प्रश्न होगे। जिनमे प्रत्येक ईकाई

से लिए गए आंतरिक विकल्पो वाले 2 प्रश्न होगे। विद्यार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का होगा।

डॉ. कुमकुम शर्मा
विभाग – दर्शन
विषय – राजनीति विज्ञान

SEMESTER-WISE PAPER TITLES WITH DETAILS

UG9101 - Three/Four-Year Bachelor of Arts

Level	Semester	Type	Title	L	T	P	Total
5	I	MJR	POL-51T-101-Foundations of Political Science	6	Nil	Nil	6
5	II	MJR	POL-52T-102-Indian Political Thought	6	Nil	Nil	6

Syllabus: B.A.-Semester-I

(2023-2024)

POL-51T-101-Foundations of Political Science:

Code of Course	Title of the Course	Level of the Course	Credit of the Course
Type of the Course		Delivery Type of the Course	
		Lecture, 90 hours	

Objectives of the Course:

Objectives of the Course:

1. This course introduces various ways of theorising the political dimensions, concepts and ideologies.
2. The idea is to make understand the development of various notions, theories, ideas about the government, as well as Political System.
3. This course will familiarise students with the basic normative and empirical concepts of Political Science and encourage them to understand how they manifest in social practices.
4. The understanding and internalisation of these notions and ideas will help students to develop qualities of responsible and active citizens in a democracy.
5. Study and analyse political contexts from critical and constructive perspective.

Syllabus

POL-51T-101-Foundations of Political Science:

Max. Marks: 30+120

Min. Pass. Marks : 12+48

POL-51T-101-Foundations of Political Science: 3 Hours duration 30+120 Marks

Unit - I (25 Lectures)

Origin and Evolution of Political Science as a Discipline: Meaning, Nature and Scope; Traditional and Modern Approaches; Behaviouralism and Post Behaviouralism; Political Science and other Social Sciences, Power, Authority, Legitimacy

Unit - II (20 Lectures)

Constitutionalism; Democracy and Dictatorship; Unitary and Federal Government; Parliamentary

and Presidential Government; Political Parties and Pressure Groups

Unit - III (20 Lectures)

Theories of representations; Organs of government and their functions; Political system; Political Modernisation and Political Development; Political Culture and Socialisation

Unit - IV (25 Lectures)

Liberalism, Idealism, Marxism, Anarchism, Feminism

Suggested Books and References:

A Heywood (1992): *Political Ideologies*, Macmillan, Basingstoke

R Bhargava and Acharya(2010): *Political Theory: An Introduction*, Pearson Longman, Delhi

Andrew Vincent (2010): *Modern Political Ideologies*, Blackwell Publishing Ltd, USA

W. Pye, Lucian and Verba, Sidney(1965): *Political Culture and Political Development*, Princeton University Press Princeton, New Jersey

Giovanni Sartori (1976): *Parties and Party systems a framework for analysis*, Cambridge University Press, UK

Peter Ronald and Sridharan (2006): *India's Political Parties*, Sage Publications India Pvt. Ltd., New Delhi

Suggested E-resources:

Online Lecture Notes and Course Materials:

www.archive.gov.in

www.libgen.io.in

https://www.youtube.com/@kcsamota

E-PG Pathshala (https://epgp.inflibnet.ac.in/)

अनुशंसित पुस्तकें (हिन्दी में):

राजीव भार्गव और अशोक आचार्य(2008), राजनीतिक सिद्धांत: एक परिचय, पियरसन, नई दिल्ली।

संजीव कुमार (2019), राजनीतिक सिद्धांत की समझ, ओरियन्ट ब्लैकस्वान, दिल्ली।

के सी सामोता (2023), राजनीति विज्ञान के मूल आधार, नोशन प्रेस प्रा. लिमिटेड, चेन्नई।

रजनी कोठारी (2005), भारत में राजनीति: कल और आज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

आशुतोष वार्ष्णेय, जितेन्द्र कुमार (अनु.) (2018), अधूरी जीत: भारत का असम्भावित लोकतंत्र, ऑक्सफोर्ड प्रेस, नई दिल्ली।

के सी सामोता (2020), तुलनात्मक राजनीति के सिद्धांत, नोशन प्रेस प्रा. लिमिटेड, चेन्नई।

विलियम कॉन्टलर (2017), लोकतंत्र का पतन: विश्व का पुनर्निर्माण, सेज, नई दिल्ली।

ओ पी गाबा: राजनीति के मूल आधार तत्व, मयूर पब्लिकेशन, आगरा।

इकबाल नारायण: राजनीतिशास्त्र के सिद्धांत।

Course Learning Outcomes:

After completing the course, the learner will be able to:

1. Understand the various traditional and contemporary approaches of Political Science.
2. Understand multiple frames by which the idea of political society is analysed, debated and constructed.
3. Understand the significance of theorising and then applying theory into practice.
4. Gain critical thinking and develop the ability to make logical inferences about socio-economic and political issues, on the basis of understanding of various aspects, concepts, views, ideas and theories in the sphere of Political Science.

बी ए· द्वितीय सेमेस्टर (राजनीति विज्ञान)
सत्र – 2023-24
स्नातक पाठ्यक्रम के लिए परीक्षायोजना
प्रश्न पत्र – भारतीय राजनीतिक विचारक

1· क्रेडिट – 25 अंक
6· क्रेडिट – 150 अंक
प्रश्न पत्र – 120 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक

समय : 3 घण्टे

प्रश्न-पत्र का अंक विभाजन

खण्ड	प्रश्न संख्या	अंक
खण्ड-(अ) अतिलघूत्तरात्मक	10	10×2= 20
खण्ड-(ब) लघूत्तरात्मक	02	10×2=20
खण्ड-(स) निबन्धात्मक	04	20×4=80
कुल	16	120

यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड-अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1· अतिलघूत्तरात्मक हैं, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंकों का होगा।

खण्ड-ब के अन्तर्गत सभी इकाई से लेते हुए कुल 4 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमे से किन्ही २ प्रश्नो का उत्तर देना होगा। जो प्रत्येक 10 अंक के होगें।

खण्ड-स में कुल आठ (8) वर्णात्मक प्रश्न होगे जिनमें प्रत्येक इकाई से लिए गए आंतरिक विकल्पो वाले २ प्रश्न होगें। विद्यार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 प्रश्न का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न २० अंक का होगा।

डॉ कुमकुम शर्मा
विभाग – दर्शन
विषय – राजनीति विज्ञान

Syllabus: B.A.-Semester-II

(2023-2024)

POL-52T-102-Indian Political Thought:

Code of Course	Title of the Course	Level of the Course	Credit of the Course
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	Type of the Course	Delivery Type of the Course	
		Lecture, 90 hours	
Objectives of the Course:	Objectives of the Course: 1. The primary objective of the course is to make students familiar with the works and studies related to Indian Political Thinkers. 2. The basic focus of study is on individual thinkers whose ideas are however framed by specific themes and facilitated socio-political transformation. 3. The course as a whole is meant to provide a sense of the broad streams of Indian thought, while encouraging a specific knowledge of individual thinkers and texts. 4. The thinkers have been consciously selected to represent a wide spectrum of ideologies and vantage points within the modern Indian thought tradition. 5. The course content will help students in understanding how these thinkers built up their arguments and developed their views on respective themes.		

Syllabus

POL-52T-102-Indian Political Thought

Max. Marks: 30+120 **Min. Pass. Marks : 12+48**

POL-52T-102-Indian Political Thought 3 Hours duration **30+120 Marks**

Unit - I (25 Lectures)

Buddhism, Jainism, Manu, Kautilya, Sukracharyya

Unit - II (25 Lectures)

Raja Ram Mohan Roy, Swami Dayanand Saraswati, Mahatma Jyotiba Phule, Swami Vivekananda

Unit - III (20 Lectures)

Gopal Krishna Gokhale, Bal Gangadhar Tilak, Mahatma Gandhi, Jawaharlal Nehru

Unit - IV (20 Lectures)

Bhimrao Ambedkar, Manvendra Nath Roy, Jayaprakash Narayan, Deen Dayal Upadhyay

Suggested Books and References:

Kancha Ilaiah Shepherd (2019): *God as Political Philosopher*, Sage Publication, Delhi

Altekar (1958): *The Kingship in State and Government in Ancient India*, Motilal Banarsidas

B R Ambedkar (1957): *Buddha and His Dhamma*, Siddhartha College Publications, Mumbai
Gail Omvedt (2003): *Buddhism in India*, Sage Publication, New Delhi
Buddha Dhamma Foundations, https://dhammagyan.org
Walpola Rahula (2007): *What the Buddha Thought*, open road, Delhi
Jafer D Long (2009): *Jainism: An Introduction*, Bloomsbury Academic,
Wendy Doniger, Brian Smith (1991): *The Laws of Manu*, Penguin books
R. Shamasastry(1915): *Kautilya's Arthashastra*, from-www.archive.com
B D Basu (1914): *Sacred books of the Hindus, The Sukraniti*, Indian press, Allahabad
Aakash, Silika Mohapatra (2010): *Indian Political Thought, A Reader*, Rutledge, Delhi
V P Verma, (1952): *Hindu Political Thought and Its Metaphysical Foundations*, Motilal Banarsidass, Delhi
Christophe Jaferlor (2000): *Dr Ambedkar and Untouchability*, Hurst & Company, London
S. Collins, (2001): *Agganna Sutta: An Annotated Translation*, Sahitya Academy, New Delhi
S. Collins, (2001): *Agganna Sutta: The Discussion on What is Primary* (An Annotated Translation from Pali), Delhi
V. Mehta, (1992): *Foundation of Indian Political Thought*, Manohar, Delhi
R. Kangle, (1997): *Arthashastra of Kautilya-: A Study*, Motilal Banarsidass, Delhi
Appadorai, Arjun(1980): *Political thoughts in India: 400 B.C.*, Rupa Publications
L. Jayasurya, *'Budhism, Politics and Statecraft'*, International Journal of Buddhist Thought & Culture, 11, 2008

Suggested E-resources:
Online Lecture Notes and Course Materials:
www.archive.gov.in
www.libgen.io.in
https://www.youtube.com/@kcsamota
E-PG Pathshala (https://epgp.inflibnet.ac.in/)

अनुशंसित पुस्तकें (हिन्दी में):
कैलाश चन्द जैन(1930), जैन धर्म का इतिहास, डी के प्रिन्ट वर्ल्ड, नई दिल्ली।
बलदेव उपाध्याय (1930), बौद्ध दर्शन, शारदा मंदिर, बनारस।
राहुल सांकृत्यायन (1944), बौद्ध दर्शन, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद।
सूर्यनारायण चौधरी (अनु.1956), सौंदरानंद काव्य, संस्कृत भवन, कटिहार, बिहार ।
बी आर अम्बेडकर: बुद्ध और उनका धम्म, संपूर्ण वाङ्मय, अम्बेडकर फाउन्डेशन, दिल्ली।
एल जी मेश्राम(विमलकीर्ति)(2023), महात्मा जोतिबा फुले रचनावली–1, राधाकृष्णन प्रकाशन प्रा लिमिटेड, दिल्ली।
एम एल चतुर्वेदी, प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक, कॉलेज बुक हाउस, जयपुर।
वी पी वर्मा, (2020): आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल।
के सी सामोता (2023), भारतीय राजनीतिक चिंतन, नोशन प्रैस प्रा. लिमिटेड, चेन्नई।
एस एल अग्रवाल, अंबेडकर व गांधी के चिंतन का तुलनात्मक अध्ययन
बाबा साहेब अम्बेडकर, संपूर्ण वांग्मय, खण्ड–1 से 40, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, अम्बेडकर फाउन्डेशन।

Course Learning Outcomes:

After completing the course, the learner will be able to:

1. Critically understand and evaluate the Indian Political thought.
2. Identify and describe the key characteristics of Indian political thought and develop a strong understanding of selected historiographical debates.
3. Think, discuss and debate about issues, conditions & challenges in ancient, medieval, contemporary India, from multiple vantage points, including its significance in the making of modern India.
4. Develop tolerance and respect for diverse opinion and at the same time, to admire and appreciate the plurality within the Indian intellectual tradition.

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय

Ability Enhancement Course (AEC)

(Three/Four Year UG Course Structure as per NEP-2020)

B.A. (हिन्दी)

प्रथम एवं द्वितीय सत्रार्ह

सत्र- 2023-24

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

ग्राम- मदाऊ, पोस्ट- भांकरोटा, जयपुर -302026

बी.ए. - प्रथम सेमेस्टर
सामान्य हिन्दी (व्याकरण)

2 क्रेडिट - 50 अंक
प्रश्न पत्र - 40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 10 अंक

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड - अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 में इकाई 1 के भाग (क) एवं (ख) तथा इकाई 2 के भाग (क) एवं (ख) प्रत्येक से दो-दो प्रश्न कुल 08 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

खण्ड - ब के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 2, 3 में इकाई 3 के भाग (क) एवं भाग (ख) से एक-एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

खण्ड - स के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 4, 5, 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है जिसमें इकाई 4 के भाग (क) से दो प्रश्न (प्रत्येक 04 अंक) तथा भाग (ख) से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 8 अंक का होगा।

खण्ड - अ	प्रश्न 08	अंक 16
खण्ड - ब	02	08
खण्ड - स दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	03	16
कुल	13	40

अन्नपूर्णानन्द शर्मा
हिन्दी साहित्य
आधुनिक विभाग

बी.ए./ B A — प्रथम सेमेस्टर

सामान्य हिन्दी (व्याकरण)

2 क्रेडिट– 50 अंक
प्रश्न पत्र– 40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन– 10 अंक

उद्देश्य (Objectives)	1. विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल विकसित करना। 2. हिन्दी भाषा को अधिक सशक्त और व्यापक बनाना तथा विद्यार्थियों में भाषा प्रयोग की क्षमता को विकसित करना। 3. शोध के लिए नवीन शैक्षिक दृष्टि की पृष्ठभूमि तैयार करना। 4. सृजनात्मक लेखन तथा आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1. भाषायी ज्ञान से अभिव्यक्ति और सम्प्रेषण कौशल का परिष्कार हो सकेगा। 2. हिन्दी व्याकरण का ज्ञान सृजनात्मकता में उपयोगी सिद्ध हो सकेगा। 3. भाषायी क्षमता से वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी का मूल्यांकन कर सकेंगे। 4. हिन्दी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ, ब, स) में विभाजित है।

खण्ड– अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 में इकाई 1 के भाग (क) एवं (ख) तथा इकाई 2 के भाग (क) एवं (ख) प्रत्येक से दो–दो प्रश्न कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

खण्ड– ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2, 3 में इकाई 3 के भाग (क) एवं भाग (ख) से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

खण्ड– स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 4, 5, 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं जिसमें इकाई 4 के भाग (क) से दो प्रश्न (प्रत्येक 04 अंक) तथा भाग (ख) से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 8 अंक का होगा।

इकाई–1

(क) शब्द निर्माण– उपसर्ग एवं प्रत्यय, संधि एवं समास।

(ख) शब्द के प्रकार– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण।

इकाई–2

(क) शब्द एवं वाक्यगत अशुद्धि संशोधन।

(ख) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ अर्थ एवं वाक्य प्रयोग।

इकाई–3

(क) संक्षेपण।

(ख) पल्लवन।

इकाई–4

(क) पत्र लेखन शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, ज्ञापन, अनुस्मारक निविदा का प्रारूप।

(ख) निबंध लेखन (शब्द सीमा–400)

आंतरिक मूल्यांकन

राजस्थान के किसी ऐतिहासिक अथवा सांस्कृतिक स्थल की यात्रा पर विवरणात्मक लेख।

<u>अनुशंसित ग्रंथ–</u>

1. हिन्दी व्याकरण– कामताप्रसाद गुरु
2. हिन्दी की वर्तनी और शब्द विश्लेषण– किशोरी दास वाजपेयी
3. हिन्दी भाषा की संरचना– भोलानाथ तिवारी
4. अच्छी हिन्दी– रामचन्द्र वर्मा
5. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना– डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
6. हिन्दी का मानक स्वरूप – देवर्षि कलानाथ शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर
7. अनुप्रयोगिक हिन्दी– डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली

बी. ए. - तृतीय सेमेस्टर
सामान्य हिन्दी (साहित्य)

2 क्रेडिट - 50 अंक
प्रश्न पत्र - 40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 10 अंक

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड - अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 12 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न ½ अंक का होगा।

खण्ड - ब के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 2, 3, 4, 5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक अवतरण (एक पाठ से एक) कुल 04 अवतरण आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 3½ अंक का होगा।

खण्ड - स के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा।

खण्ड - अ अतिलघूत्तरी प्रश्न	प्रश्न 12	अंक 06 (12 × ½)
खण्ड - ब सप्रसंग व्याख्या	04	14 (04 × 3½)
खण्ड - स	04	20 (04 × 5)
कुल	20	40

अन्नपूर्णानन्द शर्मा
हिंदी
आधुनिक विभाग

बी.ए. [redacted]– द्वितीय सेमेस्टर

सामान्य हिन्दी (साहित्य)

2 क्रेडिट–50 अंक
प्रश्नपत्र–40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन–10 अंक

उद्देश्य (Objectives)	1. यह नवीन पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में जिज्ञासा, कौशल और शोध को ध्यान में रखकर बनाया गया है जो न केवल इनको बढ़ावा देगा अपितु नवीन सृजनात्मकता के विकास में सहायक होगा। 2. साहित्यकारों के विचारों से परिचित होना तथा उनके दृष्टिकोणों को भावी पीढ़ी हेतु प्रभावी बनाना। 3. हिन्दी भाषा को अधिक सक्षम और व्यापक बनाना तथा भाषायी कौशलों को विकसित करना। 4. शोध के लिए नवीन वैश्विक दृष्टि की पृष्ठभूमि तैयार करना। 5. सृजनात्मक लेखन के प्रति आकर्षण और पैठता की भावना को अधिक सहज बनाना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1. आधुनिक भारत के निर्माण में अनुशासन, सहयोग और समन्वय की भावना का विकास सम्भव हो सकेगा। 2. विद्यार्थियों में सामाजिकता और समरसता की भावना का विकास हो सकेगा। 3. लेखक/कवि की मूल भावना का विकास तथा समाजोपयोगी कार्यों में गति आ सकेगी। 4. संस्कृति, धर्म और आदर्श के नवीन प्रतिमान स्थापित हो सकेंगे। 5. यथार्थ अनुभूति का समावेश तथा कल्पना का विस्तार सम्भव हो पायेगा।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड– अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघुत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 12 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न ½ अंक का होगा।

खण्ड– ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2, 3, 4, 5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक अवतरण (एक प्रश्न से एक) कुल 04 अवतरण आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 03½ अंक का होगा।

खण्ड– ब अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा।

इकाई–1 गद्य भाग

कहानी : ईदगाह – प्रेमचन्द

कहानी : उजाले के मुसाहिब – विजयदान देथा

निबंध : नाखून क्यों बढ़ते हैं– हजारी प्रसाद द्विवेदी

लेख : आज भी खरे हैं तालाब– अनुपम मिश्र

इकाई– 2 गद्य भाग

व्यंग्य : इन्स्पेक्टर मातादीन चाँद पर – हरिशंकर परसाई

संस्मरण : शरत के साथ बिताया कुछ समय – अमृतलाल नागर

रेखाचित्र : गिल्लू – महादेवी वर्मा

डायरी : राष्ट्रपति राधाकृष्णन से भेंट, 8 जनवरी, कलकत्ता – रामधारी सिंह दिनकर

इकाई 3 पद्य भाग

कबीरदास – कबीर ग्रंथावली, संपादक श्याम सुन्दर दास

गुरुदेव को अंग प्रथम 5 साखियाँ

बिरह को अंग प्रथम 5 साखियाँ

सूरदास– सूरसागर सार, संपादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा (कुल 05 पद)

चरण कमल बन्दौं हरिराई

जसोदा हरि पालनै झुलावै
खेलन में को काको गुसैयाँ
आयौ घोष बड़ो व्यापारी
संदेसो देवकी सों कहियौ

तुलसीदास– श्रीरामचरितमानस – लंका काण्ड
(रावनु रथी बिरथ रघुबीरा.. निज निज प्रभुआन।)

मीरा– पदावली, संपादक शम्भुसिंह मनोहर
बसो मेरे नैनन में नंदलाल (पद सं. 2)
मेरो तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई (पद सं. 10)
मैं तो साँवरे के रंग राची (पद सं. 11)
मैं तो गिरधर के घर जाऊँ (पद सं. 12)
माई री ! मैं तो लियो गोविन्दो मोल (पद सं. 13) –

इकाई 4 पद्य भाग

मैथिली शरण गुप्त– मातृभूमि
निराला – बादल राग–4, वह तोड़ती पत्थर
अज्ञेय– हिरोशिमा, ये पुल बनाने, साँप
नागार्जुन– गुलाबी चूड़ियाँ, अकाल और उसके बाद

आन्तरिक मूल्यांकन

राजस्थान के किसी हिंदी रचनाकार की साहित्य–साधना पर विस्तृत निबंध।

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय

(Three/Four Year UG Course Structure as per NEP-2020)

B.A. (हिन्दी साहित्य)

प्रथम एवं द्वितीय सत्रार्द्ध

सत्र- 2023-24

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

ग्राम- मदाऊ, पोस्ट- भांकरोटा, जयपुर -302026

(५६)

बी.ए. - प्रथम सेमेस्टर (हिन्दी) साहित्य

प्रश्न पत्र - आदिकाव्य एवं भक्तिकाव्य

1 क्रेडिट - 25 अंक
6 क्रेडिट - 150 अंक
प्रश्न पत्र - 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड - अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड - ब के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 2, 3, 4, 5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2, इकाई 3, इकाई 4 में निर्धारित पाठ से कुल 04 काव्यांश (एक कवि से एक) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड - स के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 निबंधात्मक प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

	प्रश्न	अंक
खण्ड - अ अतिलघूत्तरी प्रश्न	10	20 (10x2)
खण्ड - ब सप्रसंग व्याख्या (काव्यांश)	04	40 (4x10)
खण्ड - स निबंधात्मक प्रश्न	04	60 (4x15)
कुल	18	120

अन्नपूर्णा नन्द शर्मा
हिन्दी
आधुनिक (विभाग)

बी.ए. आनर्स — प्रथम सेमेस्टर (हिन्दी)
प्रश्नपत्र — आदिकाव्य एवं भक्तिकाव्य

1 क्रेडिट — 25 अंक
6 क्रेडिट — 150 अंक
प्रश्न पत्र — 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन — 30 अंक

उद्देश्य (Objectives)	1. विद्यार्थियों को आदिकाल और भक्तिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, साहित्यिक आदि परिस्थितियों से अवगत कराना। 2. आदिकालीन और भक्तिकालीन प्रमुख काव्य तथा कवियों से परिचय कराना। 3. आदिकालीन साहित्य के स्वरूप, भाषा एवं शैली की विकास यात्रा से अवगत कराना। 4. भक्तिकालीन साहित्य और भक्ति आन्दोलन की अवधारणा स्पष्ट करना। 5. विद्यार्थियों में संवेदनात्मक अनुभूति विकसित करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1. आदिकालीन परिवेश : राजनीतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक आदि परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। 2. आदिकालीन बोध की नवीन दृष्टि का विकास हो सकेगा। 3. भक्तिकाल की सामान्य परिस्थितियों तथा विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे। 4. प्रमुख भक्त कवियों तथा उनकी रचनाधर्मिता से परिचित हो सकेंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ,ब,स) में विभक्त है।
खण्ड — अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघुत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।
खण्ड — ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2, इकाई 3 एवं इकाई 4 में निर्धारित पाठ में कुल 04 व्याख्याएं (एक कवि से एक) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।
खण्ड — स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6,7,8,9 विवेचनात्मक प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई — 1

- आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- आदिकालीन साहित्य की अवधारणाएँ (सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य एवं रासो साहित्य)
- भक्तिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- भक्तिकाव्य की प्रमुख अवधारणाएँ (संतकाव्य, सूफीकाव्य, कृष्ण काव्य एवं राम काव्य)

इकाई — 2

ढोला मारू रा दूहा — संपादक नरोत्तम दास स्वामी, सूर्यकरण पारीक, राम सिंह
दोहा संख्या — 4,9,10,18,20,21,37,39,40,43,52,61,63,112,116 = 15

विद्यापति — विद्यापति, संपादक — शिवप्रसाद सिंह
नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे (8)
सुन रसिया अब न बजाऊ विपिन बँसिया (9)
देख देख राधा रूप अपार (10)
चंद सार लए मुख घटना करु लोचन चकित चकोरे (14)
विरह व्याकुल बकुल तरुतर, पेखल नन्दकुमार रे (26)
कुंज भवन से चलि भेलि हे रोकल गिरधारी (36)
सखि हे कतहु न देखि मधाई (50)
सखि हे कि पूछसि अनुभव मोय (102)

नरपति नाल्ह — बीसलदेव रासो, संपादक — माता प्रसाद गुप्त — 1,3,4,6,7,8,9,10

इकाई – 3

कबीरदास – कबीर ग्रंथावली संपादक – श्यामसुंदर दास, परिमार्जित पाठ – पुरुषोत्तम अग्रवाल

साखी – विरहणी को अंग

ग्यान बिरह को अंग

पद – मन रे जागत रहिये भाई

काहे कीन कुमति तोहि लागी (राग गौड़ी – 23)

हम न मरैं मरिहैं संसारा (राग गौड़ी – 39)

काहे री नलिनी तू कुम्हिलानी (राग गौड़ी – 43)

मन रे हरि भजि हरि भजि हरि भजि भाई (राग गौड़ी – 84)

(राग गौड़ी – 122)

जायसी – जायसी ग्रंथावली, संपादक – रामचन्द्र शुक्ल

सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड, प्रथम 08 दोहे तक

नागमती वियोग खण्ड, प्रथम 08 दोहे तक

तुलसीदास – विनय–पत्रिका

केशव! कहि न जाइ का कहिये (111)

मन पछितैहै अवसर बीते (198)

मोहि मूढ़ मन बहुत बिगोयो (245)

श्रीरामचरितमानस (बालकाण्ड) (दोहा संख्या 229 से 234)

सुमिरि सीय नारद बचन उपजी प्रीति पुनीत —— निरखि निरखि रघुबीर छबि बाढ़इ प्रीति न थोरि।

इकाई – 4

सूरदास – भ्रमरगीत सार, संपादक – रामचन्द्र शुक्ल

हमारे हरि हारिल की लकरी (62)

निर्गुन कौन देस को बासी (64)

बिन गोपाल बैरिन भईं कुंजैं (65)

घर ते माखन चोर गये (80)

ऊधो मन नाहीं दस–बीस (219)

ऊधो भली करी अब आए (220)

अँखियाँ हरि दरसन की भूखी (274)

संदेसो देवकी सों कहियो (375)

मीरा – मीरा पदावली, संपादक – शंभुसिंह मनोहर

निपट बंकट छवि नैना अटके (8)

मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई (10)

मैं तो गिरधर के घर जाऊँ (12)

राणाजी थे जहर दियो म्हे जाणी (22)

मीरा मगन भई हरि के गुन गाय (23)

जोगिया जी! निसदिन जोऊँ बाट (25)

हरि बिन कूण गती मेरी (34)

सखी री मैं तो नींद नसानी हो (36)

रसखान – रसखान रचनावली, संपादक – विद्यानिवास मिश्र

पद संख्या – 1,2,6,8,11,14,15,31

1,5,7,8,9,10

आन्तरिक मूल्यांकन हेतु किन्हीं दो विषयों पर निबंध लेखन (संभावित विषय) 2X15 = 30

- आदिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थितियाँ)
- आदिकाल का सीमांकन एवं नामकरण
- भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थितियाँ)
- भक्ति के उदय संबंधी विभिन्न मत
- भक्ति के निर्गुण और सगुण रूपों में समानता एवं अंतर
- निर्गुण पंथ और कबीरदास
- 'श्रीरामचरितमानस' का महत्त्व
- सूरदास का वात्सल्य वर्णन
- सूफी मत की विशेषताएँ
- रसखान का कृष्ण-प्रेम
- मीरा की विरह-वेदना

<u>अनुशंसित ग्रंथ–</u>

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. नगेन्द्र, संपादित, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका– रामपूजन तिवारी

२२।

(59)

बी.ए. - द्वितीय सेमेस्टर (हिन्दी साहित्य)
प्रश्न पत्र - कहानी एवं उपन्यास

1 क्रेडिट - 25 अंक
6 क्रेडिट - 150 अंक
प्रश्न पत्र - 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड-अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघुत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

खण्ड-ब के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 2, 3, 4, 5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2, इकाई 3, में निर्धारित पाठ से एक-एक अवतरण (एक कहानी से एक) तथा इकाई 4 से दो अवतरण (उपन्यास) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड-स के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 निबंधात्मक प्रश्न है जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

	प्रश्न	अंक
खण्ड - अ अतिलघुत्तरी प्रश्न	10	20 (10×2)
खण्ड - ब सप्रसंग व्याख्या (अवतरण)	04	40 (4×10)
खण्ड - स निबन्धात्मक प्रश्न	04	60 (4×15)
कुल	18	120

अन्नपूर्णा नन्द शर्मा
हिन्दी
आधुनिक ज्ञान विज्ञान विभाग

बी.ए. आनर्स – द्वितीय सेमेस्टर (हिन्दी साहित्य)
प्रश्नपत्र – कहानी एवं उपन्यास

1 क्रेडिट – 25 अंक
6 क्रेडिट – 150 अंक
प्रश्न पत्र – 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – 30 अंक

उद्देश्य (Objectives)	1. विद्यार्थियों में कल्पना शक्ति और विश्लेषणात्मक योग्यता का विकास करना। 2. कथा साहित्य के विवेचन की समझ और संवेदनात्मक अनुभूति का विकास करना। 3. प्रमुख कथाकारों एवं उनकी रचनाधर्मिता का परिचय कराना। 4. कहानी तथा उपन्यास कला को विकसित करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1. जीवन की यथार्थ अनुभूति से परिचित हो सकेंगे। 2. कथा लेखन तथा उसके प्रभाव का विश्लेषण समझ हो सकेगा। 3. आदर्श और सभ्य नागरिक बन सकेंगे। 4. आत्माभिव्यक्ति की क्षमता विकसित हो सकेगी तथा भावी लेखन की पृष्ठभूमि का विकास होगा।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ,ब,स) में विभक्त है।

खण्ड – अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघुउत्तरीय प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

खण्ड – ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 व्याख्यात्मक का है, जिसमें इकाई 2 एवं इकाई 3 में निर्धारित पाठ से एक-एक अवतरण (एक कहानी से एक) तथा इकाई 4 से दो अवतरण (उपन्यास) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड – स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6,7,8,9 निबंधात्मक प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई – 1

कहानी – परिभाषा एवं तत्व
हिन्दी कहानी – उद्भव एवं विकास के प्रमुख चरण
उपन्यास – परिभाषा एवं तत्व
हिन्दी उपन्यास – उद्भव एवं विकास के प्रमुख चरण

इकाई – 2

उसने कहा था	–	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
पूस की रात	–	प्रेमचन्द
आकाशदीप	–	जयशंकर प्रसाद
परदा	–	यशपाल

इकाई – 3

राजा निरबंसिया	–	कमलेश्वर
गदल	–	रांगेय राघव
सिक्का बदल गया	–	कृष्णा सोबती
तिरिछ	–	उदय प्रकाश

इकाई – 4

गोबिन्द गाँव के देवता – संजीव (उपन्यास)

आंतरिक मूल्यांकन हेतु हिन्दी की विधाओं पर निबन्ध लेखन (संभावित विषय) 2X15 = 30

- कहानी एवं उपन्यास के स्वरूप में समानता एवं अंतर
- हिन्दी कहानी के प्रमुख आन्दोलन – नई कहानी, सचेतन कहानी, समानान्तर कहानी, जनवादी कहानी, समकालीन कहानी
- प्रेमचन्द की कहानी कला
- पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक कहानी की मूल संवेदना एवं शिल्प–विधान
- उपन्यास के प्रकार (सामाजिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक, मनोवैज्ञानिक)
- हिन्दी उपन्यास : विकास की यात्रा
- हिन्दी उपन्यास परम्परा में प्रेमचन्द का महत्व

<u>अनुशंसित ग्रंथ–</u>

1. गोबिन्द गाँव के देवता – संजीव
2. मानसरोवर भाग–1 – प्रेमचन्द
3. हिन्दी उपन्यास का इतिहास– गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास– रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. हिन्दी कहानी का विकास– मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कहानी : नई कहानी– नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. कहानी की रचना प्रक्रिया– परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय

(Three/Four Year UG Course Structure as per NEP-2020)

B.A. (इतिहास) प्रथम एवं द्वितीय सत्रार्द्ध

सत्र- 2023-24

आधुनिक विभाग

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

ग्राम- मदाऊ, पोस्ट- भांकरोटा, जयपुर -302026

बी.ए प्रथम सेमेस्टर (इतिहास)

सत्र - 2023-24

स्नातक पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा योजना

प्रश्न - पत्र - [illegible] भारत का इतिहास

1 क्रेडिट - 25 अंक

समय : 3 घण्टे

6 क्रेडिट - 150 अंक

प्रश्न-पत्र - 120 अंक

आन्तरिकमुल्यकन - 30 अंक

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

खण्ड	प्रश्न संख्या	अंक
खण्ड (अ) अतिलघुत्तरात्मक	10	20
खण्ड (ब) लघुत्तरात्मक	02	20
खण्ड (स) निबन्धात्मक	04	80
	16	120

यह प्रश्न पत्र तीन खण्डो (अ,ब,स) मे विभक्त है।

खण्ड-अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघुत्तरात्मक है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पुछे जायेगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

खण्ड-ब के अन्तर्गत सभी ईकाई मे लेते हुए कुल 4 प्रश्न पुछे जायेगे जिनमे से किन्ही 2 प्रश्नो का उत्तर देना है

खण्ड-स के अन्तर्गत कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न होगे जिनमे प्रत्येक ईकाई से लिए आंतरिक विकल्पो वाले 2 प्रश्न होगे विद्यार्थी को प्रत्येक ईकाई से 1 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का होगा

रीना रानी
विभाग - दर्शन
विषय - इतिहास

B.A.

Semester: I CC 1

Credits: 06

Paper I: History of India (From the Beginning Upto 1200C.E.)

Theory: 120 Marks; **Mid-Semester Assessment: 30 Marks**

Course Objective: This course aims to provide students with a comprehensive understanding of the history of India up to 1200 CE. It seeks to familiarize students with the main sources and methodologies used in the study of ancient Indian history. By exploring the major political, social, economic, religious, and cultural developments during different periods of ancient Indian history, the course aims to develop student's knowledge and critical thinking skills.

Course Outcome: By the end of this course, students will have a sound knowledge of the main sources and methodologies used in studying ancient Indian history. Overall, the course aims to provide a comprehensive understanding of ancient Indian history and develop analytical and critical thinking skills in interpreting historical sources.

Unit-I

Main sources of the history of India up to 300 CE. A brief survey of Prehistoric times in India. Harappan civilization – origin, extent, salient features, and continuity. The Vedic Age – Vedic literature, polity, society, economy and religion, a brief survey of Iron Age cultures in India. Rise of Janapadas and Mahajanapadas – monarchies and republics.

Unit-II

Rise of Magadhan imperialism up to the Nandas; Jainism and Buddhism – origin, teachings, contribution. The Mauryan empire – main sources, Chandragupta Maurya and Asoka's Dhamma -its nature and propagation. Mauryan state and administration, society and economy, art and architecture, Decline of the Mauryas.

Unit-III

The Post – Mauryan period (c.200 B.C. E to 300 C.E.) achievements of the Sungas, Satavahanas, Sakas and Kushanas. Social, Religious and Economic life and development of literature and arts during the post-Mauryan period. The Sangam Age – literature, society, economy, and culture.

The Gupta empire- achievements of Samudragupta, Chandragupta II Vikramaditya, Skandagupta; State and administrative institutions; Social and economic life; Religious thought and institutions; Development in literature, arts and science.

Unit - IV

Post Gupta Period up to 750 CE. – Achievements of the Vardhanas, Chalukyas Pallavas. Tripartite Struggle.

The Imperial Cholas and their achievements. A study of social and economic changes and a brief survey of cultural life during the c. 750 to 1200 CE.

Recommended Readings

H.D Sankalia, *Prehistory of India*, Murishiram Monoharlal, New Delhi, 1977

Dilip K. Chakarbarti, *India. An Arachnological History (Palaeolithic beginnings to Early Historic Foundations)* Oxford University Press, New Delhi, 1999

B.B. Lal, *India 1947-1997: New Light on the indus Civilisation, Delhi 1998*

R.K. Mookerjee, *Chandragupta Maurya and His Time, Delhi, 1952 (also in Hindi)*

B.N. Puri, *India under the Kushanas, Bombay, 1965*

A.N. Sastri, *A History of South India (also in Hindi)*

Romila Thapar, *A History of India*, Vol I, Penguin, 1966
:Asoka & the Decline of the Mauryas, 3rd impression, Delhi, 1999

Upinder Singh, *A History of Ancient and Early Medieval India (From the Stone Age to the 12th Century)* Pearson Longaman, Delhi 2009

Majumdar, R.C & A.C. Altekar *:The Vakataka Gupta Age (Also In Hindi)*

Baij Nath Sharma *: Harsha & his times, Varansai, 1970*

Neelkanth Sastri *: A History of South India (also in Hindi)*

Romila Thapar : *A History of India*, Vol I, Penguin, 1966

Upinder Singh *: A History of Ancient and Early Medieval India (From the Stone Age to the 12th Century)* Pearson Longaman, Delhi 2009

विदुला जायसवाल – भारतीय इतिहास का नव–प्रस्तर युग, दिल्ली, 1992

के.के. बपल्वाल एवं एस.पी. शुक्ला – सिन्धु सभ्यता लखनऊ, 1976

मदनमोहन सिंह – बुद्धकालीन समाज और धर्म, पटना 1972

पी. एल. गुप्त – गुप्त साम्राज्य

विशुद्धानन्द पाठक – उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास, लखनऊ, 1990

बलराम श्रीवास्तव – दक्षिण भारत का इतिहास, वाराणसी, 1968

के. पी. श्रीवास्तव – प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति, इलाहाबाद

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर (इतिहास)
सत्र - 2023-24
स्नातक पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा योजना
प्रश्न पत्र - आधुनिक विश्व का इतिहास

1 क्रेडिट - 25 अंक
6 क्रेडिट - 150 अंक
प्रश्न पत्र - 120 अंक
समय : 3 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन - 30 अंक

प्रश्न-पत्र का अंक विभाजन

खण्ड	प्रश्न संख्या	अंक
खण्ड-(अ) अतिलघुत्तरात्मक	10	10x2 = 20
खण्ड-(ब) लघुत्तरात्मक	02	10x2 = 20
खण्ड-(स) निबन्धात्मक	04	20x4 = 80
कुल		120

यह प्रश्न पत्र तीन खण्डो (अ, ब, स मे विभक्त है।

खण्ड-अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघुत्तरात्मक है, जिसमे सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जायेगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंको का होगा।

खण्ड-ब :- के अन्तर्गत सभी इकाई से लेते हुए कुल 4 प्रश्न पूछे जायेगे जिसमे से किन्ही दो प्रश्नो का उत्तर देना होगा। जो प्रत्येक 10 अंक के होगे।

खण्ड-स मे कुल आठ वर्णात्मक प्रश्न होगे जिनमे प्रत्येक इकाई से लिए गए आंतरिक विकल्पो वाले 2 प्रश्न होगे। विद्यार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

रीना रानी
विभाग - दर्शन
विषय - इतिहास

B. A.

Semester II CC-2 **Credits 6**

History of Modern World

Theory 120 Marks **Mid-Semester Assessment- 30 Marks**

Course Objective: The objective of this course on the History of Modern World is to provide students with a comprehensive understanding of key events, movements, and transformations that shaped the modern era. By studying the Renaissance, Reformation, revolutions, nationalism, imperialism, world wars, and major social movements, students will gain insights into the political, economic, social, and cultural developments that occurred globally from the 15th century to the post-Cold War era. The course aims to foster critical thinking, analytical skills, and a broader historical perspective, enabling students to analyse historical events in a nuanced manner and understand their relevance in shaping the modern world.

Course Outcome:

Overall, this course aims to equip students with the historical knowledge and critical thinking skills necessary to comprehend and analyse the complex developments that have shaped the modern world.

Unit-I

Renaissance and the beginning of the modern era. Reformation and counter – Reformation. Economic Changes- Feudalism to Capitalism; The American

Revolution– causes, nature and consequences.The French Revolution– causes, main events, and impact. Napoleon Bonaparte: rise and downfall.

Unit-II

Industrial Revolution– causes, processes and impact. Revolutions of 1830 and 1848 in Europe. Rise of Nationalism in the 19th Century. National unification of Germany and Italy with special reference to Bismarckian diplomacy and system of alliances. Age of Conservatism. Modernisation of Japan.

Unit-III

Growth of Imperialism and Colonialism – exploitation of New World with special reference to countries of Asia and Africa; Nature of European Imperialism in China. Revolution of 1911 in China – principles of Sun-Yat Sen.The Russian Revolution of 1917. The Great Economic Depression and Recovery. Fascism in Italy and Nazism in Germany.

Unit-IV

Second World War- causes and consequences. United Nations Organisation – objectives, achievements and limitations. The Chinese Revolution of 1949. Civil Rights Movement: Martin Luther King and Malcom X, Women's Movements-issues and debates, Politics of Cold War and Post-Cold War Order.

Recommended Readings

A.G. Dickens : *The Age of Humanism and Reformation*, New Jersey, 1972

Christopher Hill : *Reformation to Industrial Resolution*, Penguin, 1970

H.B. Parks : *The United State of America: A History*, Indian Reprint Calcutta, 1976

Georges Lefebvre : *The Coming of the French Revolution*, Princeton, 1989

C.D. Hazen : *Modern Europe upto 1945*, Indian Reprint, Delhi 1977

David Thomson : *Europe since Napoleon*, Penguin, 1966

H.A. Davies : *Outline History of World*, 1968

Lynn Hunt : Politics, Culture and Class in the French Revolution.

Andrew Porter : European Imperialism,

George Vernadsky : A History of Russia, 1961

Jean Chesneaux, et al. : China from the 1911 Revolution to Liberation.

A.J.P Tayler : The Origins of the Second World War

H.A. Davies : Outline History of the World, OUP, 1947

Bruce J. Dierenfield : The Civil Rights Movement [Revised ed.], London: Routledge, 2008.

S. Kemp and J. Squires : Feminisms, OUP, 1997

Eric Hobsbawm :Fractured Times: Social and Cultural History of the Twentieth Century

Sneh Mahajan :Issues in Twentieth Century World History, Delhi: Macmillan, 2009 (available in Hindi)

बनारसी प्रसाद सक्सेना – *अमेरिका का इतिहास पटना,* 1972

सी. डी. हेजन – *आधुनिक यूरोप का इतिहास (अनुवाद)* आगरा

देवेन्द्र सिंह चौहान – *यूरोप का इतिहास (1815–1919)* भोपाल 1995

जीजेवर्नाडस्की – *रूस का इतिहास (अनुवाद)* भोपाल, 1971

हैराल्ड एम. विनाके – *पूर्व एशिया का आधुनिक इतिहास (अनुवाद) लखनऊ 1982*

पार्थसारथि गुप्ता – *यूरोप का इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली*

लाल बहादुर – यूरोप का इतिहास (1815–1919) भोपाल 1995

के.के. पील – पश्चिमी एशिया का आधुनिक इतिहास 1808–1973 लखनऊ, 1977

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय

NEP 2020 के अनुसार त्रिवर्षीय स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम
(3 Year UG Course Structure as per NEP 2020)

B.A. प्रथम वर्ष प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर(प्रश्नपत्र–कम्प्यूटर विज्ञान)

सत्र 2023–24

आधुनिक ज्ञान विज्ञान विभाग

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
ग्राम– मदाऊ, पोस्ट– भांकरोटा, जयपुर–302026

शास्त्री प्रथम सेमेस्टर

11. COMPUTER APPLICATIONS

Total Marks 60+40=100

60 Lecture +16 Tutiorial

Paper -I

Introduction to Information Technology

Unit - I

Introduction to Computer What is a Computer - **Different Uses of Computer** - Characteristics **of Computer-Limitations** of Computers-Generation **of Computers-**Units of Computer System - **Block Diagram** of Computer - **Types of Computer - Hard ware and Software** Introduction to Input/Output and Storage Devices - Input Devices - **Keyboard, Mouse,** Light Pen, Touch Screen, **OCR, MICR, BCR**- Out Devices - Monitors, **Printers, and Computer's Memory** - Internal and External Memory - Various Storage Devices

Unit -II

Software - Introduction - Types - System Software - **Features and Functions** - Application Software Types - Machine Number System Binary Number System Octal Decimal Number System - Hex Decimal Number System - Binary Arithmetic - Boolean Algebra - Logical Gates - Assembly Language - High Level Languages

Unit -III

Computer Networks- Terminology - Server - Workstations - **Network Hardware** - Hub, Switch, Bridge, Router - Communication Channels - Topologies - Advantages of Networks - Types of Networks - LAN, MAN WAN, Intenet - Advantages and **Disadvantages** - www- Protocols- FTP, HTTP, PPP, SMTP, TCP/POP-Web server- Web Browser - ISP - Types of Connections - Web site - Types of Web sites - E-mail - Searching

Unit - IV

Operating Systems - Introduction, Features, Functions - Process Management, Memory Management, Multi tasking, Peripheral Device Management, Time-sharing- Types of Operating Systems - Real time Operating Systems, Single User **Operationg Systems**, Multi User Operating Systems- Interaction to MS DOS- Introduction, Features - File Systems - DOS commands Command Syntax Elements- Internal Commands - MD, CD, DIR, COPY, DEL, RD, REN, TYPE, ECHO, DATE, TIME, INPUT/OUTPUT Redirection, Wild Card characters, Files, Types of Files, File naming, File Attributes- Batch Files- Important DOS Files- AUTOEXEC BAT, Config.Sys, Command, Com Files- External Commands

Unit - V

Micro Soft Windows

Introduction- Features - File system - FAT, FAT 32, NTFS-Terminology - window, Mouse/Pointer, Desktop, Task Bar- Folder, Short Cuts- Working with Windows- Creating folders, Removing Folders, Renaming Folders, Creating Short Cuts, Parts of Window - My Computer - My documents, My Network Places - Internet Explorer Recycle Bin moving Items to Recycle Bin, Emptying Recyclele Bin, Control Panel - Adding and Removing Hardware - Adding and Removing Programs - Administrative Tools- Working with DATE & TIME- Changing Display Settings - Working with Fonts- Network Connections - Adding Printers - Regional & Language Settings - Creating User IDs- Removing User IDs - Permission.

प्रश्न	संख्या	देय विकल्प	अंक	कुल अंक(60)
अति लघुउत्तरात्मक	15	10	02	20
लघुउत्तरात्मक / व्याख्यात्मक	8	4	05	20
निबंधात्मक	2	(2)	10	20

7. आन्तरिक मूल्यांकन

शैक्षणिक अंश (Tutorial components)

प्रोजेक्ट/बहस/चक्रवाचन/सामूहिक परिचर्चा

परीक्षा /कम्प्यूटर प्रैक्टिकल आदि

कुल अंक I +II 60+40 = 100

Prescribed Text Book

P. K. Sinha- Computer Fundamentals

Refernce Books

1. Comdex Information Technology Kit by Vikas Gupta, Dreamtech
2. Introduction to Computers by Rajaraman.

(77)
(65)

शास्त्री द्वितीय समेस्टर

11. COMPUTER APPLICATIONS

Total Marks 60+40=100

60 Lecture +16 Tutitorial

Unit - I

MS- Word - Introduction. Word Processor basics, Guide lines for typing, Menus in MS Word, Saving the Document, Opening the Documents, Previewing and Printing the document, Page Settings, Editing the document, Find, Replace and Goto, Header and Footer, Foot notes - Inserting Pictures, files- Organization chart - Working with Clip Arts, Auto shapes - Formatting the document, Bullets and Numbering, Document alignment- Spelling and Grammatical Check - Thesaurus - Mail Merge, Macros, Creating Tables - Sorting, Converting, Applying Formula

Unit - II

MS-

Excel

Introduction - Features - Spread Sheet basics - labels, Values and functions Saving the Work book, Printing - Set print area - Cell and Cell Address- Cell Pointer - Mathematical Calculations - Formulas etc. Formula bar, Automatic Recalculation - Function - Arithmetic Functions, String Functions, Date and Time Functions - Financial Functions - Formatting Spread Sheet - Inserting and deleting rows, columns - Sorting - Adding a Sheet to the workbook - renaming the sheet - copying data between sheets - protecting the workbook - deleting sheet from the work book- Working with Charts

Unit - III

MS- Power Point

Introduction- Features - Creating Presentations - Open the Presentation, Saving - Slides - Inserting Slides - Delete slides - Normal, Slide Sorter, Slide Show, Grid Guides - Inserting Pictures, Sounds, Movie- Slide Design, Slide layout, Adjusting back ground, Using Templates- Slide Show, Action Buttons, CustomAnimation

Unit - IV

MS- Access

Introduction - Features - Database - Under Stating RDBMS - Objects of RDBMS - Tables, Queries, Reports - Functions of Database Management Systems - Creating a Database - Creating a Table - Fields, Data types, Field Name conventions - Indexes - Keys - Query- Creating aQuery

- Types of Queries - using criteria - building expressions - running thequery

Unit - V

Working with Forms - Basic Controls - Properties-Navigating the records-Adding New Record- Deleting a Record from the Form-Working with Reports- Understanding the Sections of Reports- Basic Controls - Setting Properties - Perviewing theReport

प्रश्न	संख्या	देय विकल्प	अंक	कुल अंक(60)
अतिलघुउत्तरात्मक	13	10	02	20
लघुउत्तरीय / व्याख्यात्मक	4	[illegible]	05	20
निबंधात्मक	2	[illegible]	10	20

आन्तरिक मूल्यांकन

शैक्षणिक अंक (Tutorial components)

प्रोजेक्ट / सत्र / भाषायान / असाइनमेंट / संगोष्ठी 40   40 अंक

[illegible] / [illegible] मैदान प्रक्रिया आदि

कुल अंक I + II 60+4[illegible]

[illegible] Tasks - MSOffice

MS-Office - BPBPublications

Reference Books

1. Comdex Information Technology Course Kit - by [illegible]

Practical

1. Human Maze Learning, 2. Measurement of Intelligence, 3. Experiment of Memory Meaningful and non-sense syllables, 4. Span of Attention, 5. Serial Position Curve, 6. Figure Ground Reversal, 7. Measurement of Emotions by Facial Expression, 8. Measurement of Personality by Questionnaire, 9. Problem Solving, 10. MirrorDrawing

(67)

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

(शिक्षाशास्त्र संकाय)

NEP 2020 के अनुसार 4 वर्षीय स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम
(4 Year U.G. Course Structure as per NEP-2020)

B.A. (शिक्षा) प्रथम वर्ष

सत्र-2023-24

शिक्षा विभाग
जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
ग्राम-मदाऊ, पोस्ट-मांकरोटा, जयपुर-302026

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर (शिक्षा)

प्रश्नपत्र निर्माण	01 क्रेडिट 06 क्रेडिट प्रश्नपत्र आन्तरिक मूल्यांकन	25 अंक 150 अंक 120 अंक 30 अंक

प्रश्नपत्र अंक विभाजन

- यह प्रश्न पत्र अ,ब,स तीन खण्डों में विभक्त है।
- भाग 'अ' में 10 अतिलघूत्तरात्मक अनिवार्य प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।
- भाग 'ब' में 04 लघूत्तरात्मक अनिवार्य प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।
- भाग 'स' में 04 निबन्धात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के रूप में होंगे, प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इस प्रकार तीनों भागों को मिलाकर कुल 18 प्रश्न होंगे।

- अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों का उद्देश्य तथ्यात्मक ज्ञान की जाँच करना होगा। उत्तर सीमा (15-20) शब्दों की होगी।
- लघूत्तरात्मक प्रश्नों का उद्देश्य सम्प्रत्यय, परिभाषा, नियम, सिद्धान्तों के अनुप्रयोग आदि की जाँच करना होगा। ऐसे प्रश्नों की उत्तर सीमा 03 पृष्ठ तक होगी।
- निबन्धात्मक प्रश्नों का उद्देश्य परिप्रेक्ष्य-ज्ञान, आलोचनात्क दृष्टिकोण, सिद्धान्तों के अनुप्रयोग आदि की जाँच करना होगा, जो सैद्धान्तिक पक्ष से सम्बन्धित होंगे।
- केवल विषय वस्तु के आधार पर ही प्रश्न-पत्र न हो, अपितु शैक्षणिक उद्देश्यों को ध्यान में रखकर ज्ञान अनुप्रयोग से जोड़कर बनाया जावेगा।

खण्ड-अ अति लघूत्तरात्मक प्रश्न	**प्रश्न** 10	**अंक** 20 (10X02)
खण्ड-अ लघूत्तरात्मक प्रश्न	04	40 (4X10)
खण्ड-अ निबन्धात्मक प्रश्न	04	60 (4X15)
कुल	**18**	**120**

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

शिक्षाशास्त्र विभाग

(4 वर्षीय स्नातक (B.A.) स्तरीय पाठ्यक्रम)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:-

- छात्र शिक्षा के सम्प्रत्यय एवं सिद्धान्तों के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र शिक्षा के सामाजिक आधारों के विषय में विस्तृत रूप से पढ़ सकेंगे।
- छात्र शिक्षा के दार्शनिक आधारों के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र तुलनात्मक शिक्षा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधारों के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- शिक्षा की समसामयिक समस्याओं के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- शिक्षा का अन्य शास्त्रों के साथ सम्बन्ध ज्ञात कर सकेंगे।

शिक्षा का सम्प्रत्यय एवं सिद्धान्त

प्रथम प्रश्न पत्र (प्रथम सेमेस्टर)

पूर्णांक:- 70+30=100

विद्यार्थी सक्षम होंगे-

- शिक्षा की प्रकृति एवं प्रकार की व्याख्या करने में।
- शिक्षा के विभिन्न उपागमों को समझाने में।
- पाठ्यक्रम की समालोचना करने में।

इकाई प्रथम-

1. शिक्षा का सम्प्रत्यय, अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, शिक्षा के प्रकार, औपचारिक, अनौपचारिक, निरौपचारिक शिक्षा।
2. शिक्षा के उपागम- दार्शनिक, सामाजिक, ऐतिहासिक एवं मनोवैज्ञानिक उपागम।
3. शिक्षा के उद्देश्य - व्यक्तिगत, सामाजिक, आध्यात्मिक एवं लोकतान्त्रिक।
4. शिक्षा के अभिकरण - विद्यालय, परिवार एवं समाज।

इकाई द्वितीय–

1. ज्ञान का अर्थ, प्रकृति, प्रकार, प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा, गुरु-शिष्य सम्बन्ध।
2. शिक्षक:- अच्छे शिक्षक के गुण एवं कर्तव्य, शिक्षक- नेता, सलाहकार, सुविधाप्रदाता और समस्या समाधानकर्ता के रूप में।

इकाई तृतीय–

1. पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम के प्रकार।
2. पाठ्यचर्या निर्माण के सिद्धान्त।
3. पाठ्यचर्या विकास की विधि।
4. वर्तमान पाठ्यचर्या के दोष।

इकाई चतुर्थ–

1. बाल केन्द्रित शिक्षा:- अर्थ एवं विशेषताएँ, आधुनिक बाल केन्द्रित शिक्षा के उद्देश्य।
2. आर्थिक विकास में शिक्षा का योगदान।
3. राष्ट्रीय एकीकरण एवं अन्तर- राष्ट्रीय अवबोध में शिक्षा का योगदान।

आन्तरिक मूल्यांकन- 30 अंक

1. विभिन्न शिक्षानीतियों की समालोचना
2. विभिन्न पाठ्यक्रमों के आधार पर प्रतिवेदन तैयार करना।
3. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक नीतियों पर प्रतिवेदन तैयार करना।
4. विभिन्न शिक्षाशास्त्रियों के अनुसार शिक्षा

सन्दर्भ ग्रन्थसूची:-

1. Pandey R.S. -Principles of Education
2. Agarwal J.C. -Principles of Education
3. पाण्डेय, रामसकल - शिक्षा के मूल सिद्धान्त।
4. माथुर एस. एस. - शिक्षा के सिद्धान्त।
5. पाण्डेय, राम सकल - शैक्षिक नियोजन एवं वित्त प्रबन्धन।
6. त्यागी, ओंकार सिंह - उदीयमान भारतीय समाज एवं शिक्षा।
7. सैनी, डॉ. रामगोपाल - उदयोन्मुख भारतीय समाज में शिक्षक।

शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार

द्वितीय प्रश्न पत्र (प्रथम सत्रार्द्ध)

पूर्णांक:- 70+30=100

विद्यार्थी सक्षम होंगे-

- ❖ शिक्षा और दर्शन के अर्थ को समझाने में।
- ❖ भारतीय समाज की विभिन्नताओं को समझाने में।
- ❖ दर्शन के विभिन्न तत्वों की विवेचना करने में।

इकाई प्रथम-

1. शिक्षा दर्शन:- प्रकृति क्षेत्र एवं आवश्यकता, भारतीय दृष्टिकोण से दर्शन की अवधारणा।
2. प्रकृतिवाद एवं आदर्शवाद:- अर्थ, शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यचर्या, शिक्षण विधि एवं अनुशासन।

इकाई द्वितीय-

1. प्रयोजनवाद एवं यथार्थवाद:- अर्थ, शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यचर्या, शिक्षण विधि एवं अनुशासन, विद्यालय तथा समाज।
2. अस्तित्ववाद:- लक्षण तथा शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई तृतीय-

1. शैक्षिक समाजशास्त्र का अर्थ एवं आवश्यकता, संस्कृति तथा शिक्षा, सामाजिक स्तरीकरण तथा इसका शिक्षा पर प्रभाव।
2. सामाजिक गतिशीलता एवं शिक्षा, सामाजिक परिवर्तन, शहरीकरण एवं आधुनिकीकरण।

इकाई चतुर्थ –

1. उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण का अर्थ, अवधारणा तथा शिक्षा पर प्रभाव
2. शिक्षा का स्तर विभाजन –अवधारणा एवं प्रक्रिया।
3. महिला शिक्षा।
4. पुनर्कृत वर्ग जैसे दलित, आदिवासी लोगों के लिए शिक्षा।

जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

(कम्प्यूटर विभाग)

कम्प्यूटर एप्लीकेशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा

(एक वर्षीय)

सत्र:-2023-24

जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय,
मदाऊ, भांकरोटा, जयपुर-302026

प्रश्न पत्र निर्माण:-

1. विश्वविद्यालय परीक्षा के थ्योरी पेपर में ब्लो उल्लेखित पैटर्न पर 6 प्रश्न होंगे।

2. प्रत्येक प्रश्न-पत्र के दो भाग होंगे- भाग -अ और भाग-ब।

3. भाग-अ में प्रश्न 1 में 10 लघूत्तरात्मक अनिवार्य प्रश्न होंगे। प्रत्येक का प्रश्न 02 अंक का होगा।

4. भाग-ब में प्रश्न 2 से 6 में 05 निबन्धात्मक आन्तरिक विकल्प प्रश्न होंगे और प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का होगा।

5. इस प्रकार प्रश्न पत्र में दोनों भागों को मिलाकर कुल 06 प्रश्नों में 15 प्रश्न होंगे।

6. लघूत्तरात्मक प्रश्नों का उद्देश्य तथ्यात्मक ज्ञान, सम्प्रत्यय, परिभाषा, नियम सिद्धान्तों के अनुप्रयोग आदि की जाँच करना होगा।ऐसे प्रश्नों की उत्तर सीमा एक पृष्ठ होगी।

7. निबन्धात्मक प्रश्नों का उद्देश्य परिप्रेक्ष्य ज्ञान, सिद्धान्तों के अनुप्रयोग आदि की जाँच करना होगा। जो सैद्धान्तिक पक्ष से सम्बन्धित होंगे।

स्पष्टता हेतु प्रश्न पत्र का स्वरूप विवरण :-

सैद्धान्तिक पत्र, प्रैक्टिकल पत्र व प्रोजेक्ट कार्य हेतु प्रश्नपत्र का स्वरूप (Structure of the Question paper for Theory paper, Practical paper & Project Work.)

कुल अंक (Total Marks) = 1400

सैद्धान्तिक पत्र(Theory Paper) = 1000

प्रोजेक्ट कार्य(Project Work) = 200

प्रैक्टिकल पत्र (Practical Paper)=200

सैद्धान्तिक परीक्षा (Theory Exam):-सैद्धान्तिक पत्रों हेतु प्रश्न पत्र का स्वरूप

(Structure of the Question paper for theory Papers)

समय: 3 घण्टे पूर्णांक:- 100 per paper.

क्रम संख्या (S. No.)	प्रश्न पत्र का नाम (Name of the question paper)	प्रश्न का स्वरूप (From of the question)	प्रश्न का प्रकार (Type of the question)	प्रश्नों की संख्या(No of the question)	प्रश्न/अंक (Question/Marks)	अंक (Marks)	कुल अंक (Total Marks)
1	कम्प्यूटरफंडामेंटल (Computer Fundamental)	(अ) अनिवार्य (Compulsory)	लघूत्तरात्मक प्रश्न(Short answer)	10(प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)	10 प्रश्न /02 अंक	20 अंक	100
		(ब) आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक (Essay Type)	05 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न)	05 प्रश्न /16 अंक	80 अंक	
2	ऑपरेटिंग सिस्टम का परिचय (Introduction to Operating System)	(अ) अनिवार्य (Compulsory)	लघूत्तरात्मक प्रश्न(Short answer)	10(प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)	10 प्रश्न /02 अंक	20 अंक	100
		(ब) आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक (Essay Type)	05 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न)	05 प्रश्न /16 अंक	80 अंक	
3	कार्यालय प्रबंधन उपकरण (Office Management)	(अ) अनिवार्य (Compulsory)	लघूत्तरात्मक प्रश्न(Short answer)	10(प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)	10 प्रश्न /02 अंक	20 अंक	100
		(ब) आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक (Essay Type)	05 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न)	05 प्रश्न /16 अंक	80 अंक	
4	विजुअल बेसिक 6.0 के साथ विंडो प्रोग्रामिंग (Window Programming with Visual Basic 6.0)	(अ) अनिवार्य (Compulsory)	लघूत्तरात्मक प्रश्न(Short answer)	10(प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)	10 प्रश्न /02 अंक	20 अंक	100
		(ब) आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक (Essay Type)	05 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न)	05 प्रश्न /16 अंक	80 अंक	
5	डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (Database Management System)	(अ) अनिवार्य (Compulsory)	लघूत्तरात्मक प्रश्न(Short answer)	10(प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)	10 प्रश्न /02 अंक	20 अंक	100
		(ब) आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक (Essay Type)	05 (प्रत्येक इकाई से एक	05 प्रश्न /16 अंक	80 अंक	

				प्रश्न)			
6	ओओपी की प्रोग्रामिंग सी++ के साथ (OOP's Programming with C++)	(अ) अनिवार्य (Compulsory)	लघूत्तरात्मक प्रश्न(Short answer)	10(प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)	10 प्रश्न /02 अंक	20 अंक	100
		(ब) आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक (Essay Type)	05 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न)	05 प्रश्न /16 अंक	80 अंक	
7	उभरती प्रौद्योगिकियों का परिचय (Introduction to Emerging Technologies)	(अ) अनिवार्य (Compulsory)	लघूत्तरात्मक प्रश्न(Short answer)	10(प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)	10 प्रश्न /02 अंक	20 अंक	100
		(ब) आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक (Essay Type)	05 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न)	05 प्रश्न /16 अंक	80 अंक	
8	इंटरनेट टेक्नोलॉजी और वेब डिजाइन (Internet Technology and Web Design)	(अ) अनिवार्य (Compulsory)	लघूत्तरात्मक प्रश्न(Short answer)	10(प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)	10 प्रश्न /02 अंक	20 अंक	100
		(ब) आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक (Essay Type)	05 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न)	05 प्रश्न /16 अंक	80 अंक	
9	डेटा संचार और कंप्यूटर नेटवर्क (Data Communication and Computer Networks)	(अ) अनिवार्य (Compulsory)	लघूत्तरात्मक प्रश्न(Short answer)	10(प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)	10 प्रश्न /02 अंक	20 अंक	100
		(ब) आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक (Essay Type)	05 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न)	05 प्रश्न /16 अंक	80 अंक	
10	डिजिटल मार्केटिंग (Digital Marketing)	(अ) अनिवार्य (Compulsory)	लघूत्तरात्मक प्रश्न(Short answer)	10(प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न)	10 प्रश्न /02 अंक	20 अंक	100
		(ब) आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक (Essay Type)	05 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न)	05 प्रश्न /16 अंक	80 अंक	

प्रैक्टिकलपरीक्षा (Practical Examination):- प्रैक्टिकल पत्रों हेतु प्रश्न पत्र का स्वरूप

(Structure of the Question paper for the Practical Papers)

समय: 2 घण्टे

पूर्णांक - 200

क्रम संख्या (S. No.)	प्रश्न पत्र का नाम (Name of the question paper)	प्रश्नों की संख्या(No of the question)	प्रत्येक प्रश्न के लिए अंक	कुल अंक (Total Marks)
1	प्रैक्टिकल प्रश्नपत्र	04	20	80
2	फाईल कार्य	01	40	40
3	मौखिक परीक्षा	01	80	80

कुल अंक (Total Marks) = 200

प्रोजेक्ट कार्य (Project Work):-पूर्णांक:-200

Jagadguru Ramanandacharya Rajasthan
Sanskrit University, Jaipur

(**Computer Department**)

Syllabus for :

Post Graduate Diploma in Computer Application (One Year)

2023-24

Jagadguru Ramanandacharya Rajasthan Sanskrit
University, Madau, Bhankrota, Jaipur- 302026

POST GRADUATE DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATIONS

Eligibility :

All the graduate with 10 + 2 + 3 from recognized University.

For Non-Rajasthan candidate reservation as per the university rules.

Scheme of examination of PGDCA for the academic session 2023-24 and onward for affiliated colleges

1. The Syllabus will consist of 10 theory paper and 06 practical papers (Laboratories).
2. Each theory paper shall carry 100 marks for the University Annual examination of 3 hours duration.
3. The University Examination of the theory paper will consists of 6 questions on the pattern mention blow :-
   a. Candidate has to attempt six question in all.
   b. Question number 1 coveringwhole syllabus will consist of 10 short answer question carrying two marks each taking two questions from each unit.
   c. Question number 2 to 6 will consist of 5 Essay type question. Each question has 16 marks will be frame by taking one question from each unit there will be and internal choice within the unit.
4. Each practical paper shall be of 2 hours duration on one day and carry 200 marks for the practical examination. The Practical Examination will involve 4 exercises, each of 20 marks, practical record of 40 marks and viva-voce examination of 80 marks.
5. The medium of instruction and examination shall be English only but the candidate can be written its examination in English and Hindi both medium.
6. The minimum marks for passing each theory paper shall be 36% and 40% in all the theory papers. In the practical examination and Project Work shall be 50% separately.

7. In the University examination at the end of the final examination the candidate eligible for the award PGDCA degree shall be classified on the basis of marks obtained in complete Examination as follows

   a. First division with Honour - 75% or more marks in aggregate provided the candidate has passed all paper and examination in first attempt

   b. First division - 60% or more marks but fails to satisfy the criterion for being classified distinction as lay in the 7 (a).

   c. Second division - All other than those included in 7(a) and 7(b) above and marks 48% or more but less than 60% of the aggregate marks.

   d. All the rest will be declared to have passed the examination if the obtain a minimum pass marks in each paper as mention in the point 6.

8. Candidate must pass the PGDCA course with three year of the initial admission to the course.

ANNEXURE - I

SYLLABUS FOR

POST GRADUATE DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATIONS

Paper 1 - Computer Fundamental

Paper 2 - Introduction to Operating System

Paper 3 – Office Management Tools

Paper 4 – Window Programming with Visual Basic 6.0

Paper 5- Database Management System

Paper 6 - OOP's Programming With C++

Paper 7 – Introduction to Emerging Technologies

Paper 8- Internet Technology and Web Design

Paper 9 – Data Communication and Computer Networks

Paper 10 – Digital Marketing

Paper 11 - Practical Examination

Paper 12 - Project Work

Examination Pattern:

1. The University Examination of the theory paper will consists of 6 questions on the pattern mention blow :-

   a. Candidate has to attempt six questions in all.

   b. Question number 1 covering whole syllabus will consist of 10 short answer question carrying two marks each taking two questions from each unit.

   c. Question number 2 to 6 will consist of 5 Essay type question. Each question has 16 marks will be frame by taking one question from each unit there will be and internal choice within the unit.

परीक्षा पद्धति

विश्वविद्यालय परीक्षा के थ्योरी पेपर में 6 प्रश्नों के पैटर्न का उल्लेख होगा:-

a) उम्मीदवार को कुल मिलाकर छह प्रश्न करने हैं।

b) पूरे पाठ्यक्रम को कवर करने वाले प्रश्न संख्या 1 में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे जिनमें प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न लेकर - दो अंकों के होंगे।

c) प्रश्न संख्या 2 से 6 में 5 निबंध प्रकार के प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न में 16 अंक के होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न लेकर इकाई के भीतर आंतरिक विकल्प होगा।

Paper – I Computer Fundamental

Max Marks : 100

Time : 3 Hours

Unit – I

Introduction to Computer – What is a Computer –Uses of Computer – Characteristics and Limitations of Computers – Units of Computer System – Block Diagram of computer –Type of computer – Analog, Digital and Hybrid Computer, Classification of computer Workstation, Mainframe, Super computer, Client-Server computer, Notebook, Tablet Palmtop computer. Generation of Computer. Programming language (Machine, Assembly and High Level Language) and Language Translators (Assembler, Interpreter and Compiler).

Unit – II

Introduction to hardware, Input /Output and Storage Devices – Input Devices – Keyboard, Mouse, Scanner, Light Pen, Touch Screen, OCR, MICR, BCR – Out Devices – Monitors, Printers, and Plotters – Computer's Memory – Internal and External Memory - Various Storage Devices

Unit – III

Software – Introduction – Types – System Software – Types, Features and Functions – Application Software –Representation of Data Digital number System (Binary, Octal, Decimal and Hexadecimal numbers) – Binary Arithmetic - Boolean Algebra – Logical Gates (NOT, OR, AND). Type of Computer Code (BCD, ASCII, EBCDIC, UNICODE).

Unit – IV

Computer Networks – Terminology – Server – Workstations – Network Hardware – Hub, Switch, Bridge, Router – Communication Channels – Topologies – Advantages of Networks – Types of Networks – LAN, MAN, WAN. Internet – Advantages and Disadvantages – www – protocols – FTP, HTTP, PPP, SMTP, TCP/IP, POP – Web Server – Web Browser – ISP – Types of Connections

Unit – V

Internet Applications – Web site – Types of Web sites – E-mail – IRC web surfing, Web Browser, Search Engine, Downloads Audio and Video Conferencing. E-commerce (Advantages and Disadvantages). Type of E-commerce. Security issues in Internet – Bugs, Viruses, Anti-Viruses, Firewall etc. Internet threats to the society, Cyber Laws and Legal Issues.

Suggested Reference Book :

1. Sinha P.K – Computer Fundamentals
2. M. Morris : Computer System Architecture.
3. John D. Carpinell : Computer System Organization & Architecture.
4. Vikas Gupta : Comdex Information Technology Course Kit
5. Rajaraman : Introduction to Computers

Paper – II Introduction to Operating Systems

Max Marks : 100 Time : 3 Hours

Unit-I

Operating Systems – Needs of an Operating System, Evolution of Operating System (Multiprogramming System, Batch system, Timesharing system, Distributed system, Real Time System). Introduction, Features, Functions, Structure of Operating System. Operating System components and services system calls, system programs, Virtual machines.

Unit – II

Process Management, process concept, process scheduling, cooperating process Threads inter-process communication, CPU scheduling criteria, Scheduling algorithms, Multiple processor, scheduling Real Time scheduling and algorithm evaluation. Process Synchronization and Deadlocks.

Unit – III

Storage Management: Memory Management Logical and Physical address, Space, Swapping, Contiguous Allocation, Paging Segmentation with Paging Virtual Memory, Demand Paging and its performance, Page Replacement algorithms, Allocation of Frames, Threshing Page Size and Other consideration Demand segmentation

Unit – IV

Introduction – Features – File system – FAT, FAT 32, NTFS – Terminology – Window, Mouse Pointer, Desktop, Task Bar – Folder, Short Cuts – Working with Windows – Creating folders, Removing Folders, Renaming Folders, Creating Short Cuts, Parts of Window – My Computer – My documents – My Network Places – Internet Explorer – Recycle Bin – Moving Items to Recycle Bin, Emptying Recycle Bin. Control Panel – Adding and Removing Hardware – Adding and Removing Programs – Administrative Tools – Working with DATE & TIME – Changing Display Settings – Working with Fonts – Network Connections – Adding Printers –

Regional & Language Settings – Creating User IDs – Removing User IDs – Permissions

Unit – V

Linux - Introduction – Features and Advantages – Structure – File System – Shell – types of shells – Basic Shell Commands – mkdir, cd, ls, mv, cp, rm, cat, wild card characters – Creating files, file name conventions, File Access Permissions – working with vi editor – Working with Shell Script

Suggested Reference Book:

1. Complex Information Technology Course Kit – by Vikas Gupta, Dreamtech
2. Operating Systems – CBII
3. Galvin P.B. Siberschatz : Operating System Principles
4. Tanenbaum A.S. Operating System
5. Willian Stalling : Operating System, Internal & Design Principles
6. Harvey M. Deitel, Operating System, Pearson Education

Paper – III Office Management Tools

Max Marks : 100

Time : 3 Hours

Unit – I

Introduction – What is an Office, Functions of Office, Structure of an Organization, Introduction to Office Automation –Need and importance of Office Automation, Role of computer in Office automation and management Office Automations Hardware and Software Requirements – MS – Office 2010 – Features – Components of MS – Office.

Unit – II

MS – Word – Introduction, Word Processor basics, Guide lines for typing, Menus in MS Word, Saving the Document, Opening the Documents, Previewing and Printing the document, Page Settings, Editing the document, Find, Replace and Goto, Header and Footer, Foot notes – Inserting Pictures, files – Organization chart – Working with Clip Arts, Auto shapes – Formatting the document, Bullets and Numbering, Document alignment – Spelling and Grammatical Check – Thesaurus – Mail Merge, Macros, Creating tables – Sorting, Converting, Applying Formula.

Unit – III

MS – **Power** Point Introduction – Features – Creating Presentations – Open the presentation, Saving – Slides – Inserting Slides – Delete slides – Normal, Slide Sorter, Slide Show, Grid Guides – Inserting Pictures, Sounds, Movie – Slide Design, Slide layout, Adjusting back ground, Using Templates – Slide Show, Action Buttons, Custom Animation.

Unit – IV

MS – **Excel** Introduction – Features – Spread Sheet basics – labels, Values and functions – Saving the Work book, Printing – Set print area – Cell and Cell Address – Cell Pointer – Mathematical Calculations – Formulas, Formula bar, Automatic Recalculation – Function – Arithmetic Functions, String Functions, Date and Time Functions – Financial Functions – Formatting Spread Sheet – Inserting and deleting rows, columns – Sorting – Adding a Sheet to the workbook – renaming the sheet – copying data between sheets – protecting the workbook – deleting sheet from the work book – Working with Charts

Unit – V

MS – Access Introduction – Features – Database – Under stating RDBMS – Objects of RDBMS – Tables, Queries, Reports – Functions of Database Management Systems – Creating a Database – Creating a Table – Fields, Data types, Field Name conventions – Indexes – Keys – Query – Creating a Query – Types of Queries – using criteria – building expressions – running the query – Working with Forms – Basic Controls – Properties – Navigating the records – Adding New Record – Deleting a Record from the Form – Working with Reports – Understanding the Sections of Reports – Basic Controls – Setting Properties – Previewing the Report.

Suggested Reference Book :

1. Microsoft : 2007/2010 Microsoft Office System
2. Microsoft : Microsoft Office 2007/2010: Plain & Simple
3. Sanjay Saxena : Afirst Course in Computer 2003 Educaiton
4. R.K. Taxali – MS Office
5. MS-Office – BPB publications
6. Comdex Information Technology Course Kit – by Vikas Gupta, Dreamtech

जगद् गुरु रामानन्द आचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय

NEP 2020 के अनुसार त्रिवर्षीय स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम

(3 Year UG Course Structure as per NFP 2020)

B.A. प्रथम वर्ष प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर

(प्रश्नपत्र-कम्प्यूटर विज्ञान)

सत्र:-2023-24

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय

शास्त्री प्रथम सेमेस्टर

1.COMPUTER APPLICATION

Total Marks 60+40=100

प्रश्न	संख्या	देय विकल्प	अंक	कुल अंक (60)
अतिलघूत्तरात्मक	10	10	02	20
लघूत्तरात्मक	04	08	05	20
निबन्धात्मक	02	04	10	20

आन्तरिक मूल्यांकन:-

शैक्षणिक अंश (Tutorial components)

(प्रोजेक्ट/ बहस/ पत्रवाचन/ आसाइन्मेंट)

परीक्षा/ कम्प्यूटर प्रैक्टिकल आदि

कुल अंक -60+40=100

शास्त्री द्वितीय सेमेस्टर

2.COMPUTER APPLICATION

Total Marks 60+40=100

प्रश्न	संख्या	देय विकल्प	अंक	कुल अंक (60)
अतिलघूतरात्मक	10	10	02	20
लघूतरात्मक	04	08	05	20
निबन्धात्मक	02	04	10	20

आन्तरिक मूल्यांकनः-

शैक्षणिक अंश (Tutorial components)

(प्रोजेक्ट/ बहस/ पत्रवाचन/ आसाइन्मेंट)

परीक्षा/ कम्प्यूटर प्रैक्टिकल आदि

कुल अंक -60+40=100

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय

NEP 2020 के अनुसार द्विवर्षीय स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम

(2 Year PG Course Structure as per NEP 2020)

M.A. (प्रश्नपत्र-[redacted]) दर्शन

सत्र 2023–24

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
ग्राम– मदाऊ, पोस्ट– भांकरोटा, जयपुर–302026

SCHEME OF EXAMINATION

(Annual Scheme)

Each Theory Paper — 3 Hrs. Duration — 100 Marks

Dissertation/Thesis/
Survey Report/Field
Work, if any.

1. The number of papers and the maximum marks for each paper practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in theory part as well as in practical part (wherever prescribed) of subject/paper separately.
2. A candidate, for a pass at each of the Previous and the Final Examinations shall be required to obtain :
   i. At least 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination, and
   ii. At least 36% marks in practical(s) wherever prescribed at the examination, provided that if a candidate fails to secure at least 25% marks in each individual paper at the examination and also in the Dissertation/Survey report/Field work wherever prescribed, he/she shall be deemed to have failed at the examination not withstanding his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No division will be awarded at the previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination. on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination taken together, as noted below:

First Division	60%	of the aggregate marks taken together of the Previous and the Final Examination.
Second Division	48%	

All the rest will be declared to have passed the examination.

3. If a candidate clears any Papers (s)/Practical(S)/Dissertation prescribed at the Previous and/or Final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz. 25% (36% in the case of practical) shall be taken into account in respect of such Paper(s)/Practical(s)/Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three years; provided that in case where a candidate required more than 25%marks in order to reach the minimum aggregate as many marks out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to makeup the deficiency in the requisite minimum aggregate.

4. The Thesis/Dissertation/Survey Report/Field Work shall be type written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Registrar at least 3 weeks before the commencement of the theory examination. only such candidates shall be permitted to offer Dissertation/Field Work/Survey Report/Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured at least 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual Scheme irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

N.B. Non-collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per provisions of O. 170-A.

M.A. PHILOSOPHY

Scheme for non-collegiate candidate.

There shall be nine papers in all, four papers in M.A. Previous and Five in M.A. Final. All the four papers in M.A. previous will be compulsory. There is no provision for Thesis/Dissertation/Survey/report/field work in M.A. Philosophy programme.

M.A. PREVIOUS

Pattern of Question Paper : General Instruction

The max. Marks of the each of the paper is 100 with 3 hrs. Duration. The question paper will cover the entire units. Each question paper will be framed in the following two parts in which part I is of 40 marks and part II of the 60 marks.

Part : I

This part will have total 08 questions out of which student is required to attempt any 05 questions in total. Each questions is of 08 Marks 5x8 = 40. All the questions will carry equal marks.

Max. Marks : 40

All questions of this part of the question paper will be definitional and descriptive in character

The word limit of answer of each of the question is strictly 300-350.

Part I of the paper will be subdivided into two subparts. Each part will have 4 questions where first 4 questions will be based on the part I of the syllabus while the last 4 questions will be based on the part II of the syllabus. Student is required to attempt total 05 questions attempting at least 02 questions from each of the sub part of the paper.

Part : II

This part will have total 6 questions out of which student is required to attempt any 3 questions in total. Part II of the question paper again will be divided into two sections. The first 3 questions will be based on the Part I of the syllabus while the remaining 3 questions will be based on the Part II of the syllabus. Each question is of 20 marks. 3x20 = 60. All question will carry equal marks.

Max. Marks : 60

All questions of this part of the question paper will be of explanatory and evaluator in character.

The word limit of the answers of the each of the question is strictly 800-900

Syllabus: M.A. Philosophy

M.A. PHILOSOPHY

Scheme for non-collegiate candidate.

Three shall be nine paper in all, four papers in M.A. Previous and Five in M.A. Final. All the four papers in M.A. Previous will be compulsory.

Note : There is no provision for Thesis/ Dissertation/ Survey report/ field work, M.A. Philosophy Programme.

M.A. PREVIOUS

(All the Papers are Compulsory)

Max. Marks : 100 **Time : 3 hrs.**

1.	Paper I	Ethics (Indian and Western)	100 Marks
2.	Paper II	Logic (Indian and Western)	100 Marks
3.	Paper III	Epistemology (Indian and Western)	100 Marks
4.	Paper IV	Metaphysics (Indian and Western)	100 Marks

PAPER – I : ETHICS (INDIAN AND WESTERN)

Max. Marks : 100 **Time : 3 hrs.**

Part-I : Indian Ethics

1. The first five sutras of PurvaMimansa Sutra of Jaimini with Sabara'sBhasya to be read with Sastra Dipika of ParthasarathiMisra and Prakaranapancika of Salikanatha.
2. Arhasamgraha of laugaksiBhaskara :

   The concepts and doctrines to be taken up for study are as follows :

   (a) Sabda (Veda Pramanya) (b) Dharma (c) Purusarth Chatustha,Nisedha, Arthavada, (d) Rules of textual interpretation.
3. The law of karma : Ethical implications.
4. Sadharana dharma.
5. Selections from the Upanisads, the Bhagavadgita, Dhammapada, Tattvartha Sutra, Santiparva of Mahabharata and Arthasastra of Kautilya.

   The Concepts and doctrines to be taken up for study are :

   (a) Rta and Satya
   (b) Rna and Yajna
   (c) Yoga and Kshema

(d) Karmayoga, Svadharma and lokasangraha of the Bhagavadgita.
(e) Upayakausala of Buddhism along with Brahmaviharas.
(f) Triratnas of Jainism along with Dharmavidhi and Caitracara.
(g) Yama and Niyama of Yoga.

Part-II : (Western Ethics)

1. **Kantian Ethics :** Ground work of Metaphysics of Morals (tr.) H.J Paton, 1948.
2. **Utilitarianism :**Sidgvick's The Methods of Ethics (selections), Memilan& Co. Ltd. 1962.
3. **Neo-Intuitionism :** G.E. Moore's Principia Ethics (selections.) Cambridge University Press, 1903.
4. **Emotivism :** A.J. Ayer's language, Truth and Logic (selections) N. York Dover Publ. 1936 & C.L. Stevension's Ethics and Language (slections), New Heaven Yale University Press, 1944.
5. **Prescriptivism :** R.M. Hare's Language and Morals (selections), Oxford, Clarendon Press 1952.

Suggested Readings :

Bhartiya Nitimimansa (ed.) R. Shekhawat, Dimple Publications Jaipur.
Five Types of Ethical Theories, C.D. Broad.
AdhinitishastrakeMoolsiddhanta, Veda Prakash Verma, Allied Pub. Delhi 1987.

Paper –II Logic (Indian and Western)

Part – I (Indian Logic)

Definition of Inferential cognition (Anumanapramana) and Anumana as Indian theory of Inference/ Indian Logic: Characterization of the constituents (Ghatak :paksam, hetu, sadhya) of Inference/ anumana; Nature and role of Sad Hetu in inference/anumana; Characterizations of a sad hetu.

Types of inferential process (svartha-parartha etc.); Inferential schema and its Constituent sentences (avayava).

Nature of Relation of Pervasion (Vyapti/invariable co-presence); Analysis of constituent of vyapti; Different types of Vyapti relation; Analysis and Characterization of approaches to Vyapti relations; emumerative and non-enumerative approach with different methods of establishing/ cognising vypati (Vyaptigrahopaya).

Vyapti as relation possessing properties of a dyadic relation of set theory.

Violation of Rules of a sad hetu and major Fallacies of Inference (Hetvabhasa)

Comparison in brief of the similarities and differences between Indian Logic and Western formal Logic.

(All these concepts and the theories will be based on the Nyaya, Jain and Buddhist logic)

Part – II (Western Logic)

Propositional Logic :Nature and need of Formal language; Formalization; use of truth-tables for defining sentential-connectives and their inter definability. Define and determine tautology, contradiction, tautological-implication and equivalence using truth-table.

Argument and argument-form; Rules for Derivation and derivation for validity and inconsistency by direct, C.P. and R.A.A. rules. Proving invalidity & consistency.

Predicate Logic :Nature of the formal language of predicate logic : Definition with examples of terms, Predicates and Quantifiers; Formalization; Well-formed formulas; Proposition and proposition- function. Aristotle's categorical proposition; Square of opposition: Traditional and moderns. Major logical truth involving quantifiers; Rules of quantification with restriction, and rules of identity.

Set Theory :Basic Concepts of set-theoretic terminology including ordered pairs and Set-Operations; Formalizations in set language; Set identities, Venn diagram technique.

Definition and Constituents of Binary Relations; Ordered couple Cartesian-product; Ordering relation its types with definition and examples; arrow diagram or matrixes; operations or relations; Expression of Family Relations in Set-Theoretic expression of relative product.

P.Suppes : Introduction of Logic, Ewp, New 1957.

V. Klenk Understanding Symbolic logic, Dorling Kindersley & Pearson Eduction, New Delhi 2009.

B. Pahi "On Relating two traditions of logic" in studies in logic volume 15 on logic, Navya-Navya and application, UK 2008.

N. Bhavana Tarka Shastra, RPH, Jaipur.

N.P. Tiwari, Bhartiya Tarka Shastra, PHI earning Delhi, 2009.

Part-II : Western Logic

P. Suppes : Introduction to logic, Litt on Educational Publishing, Inc, 1957.

i. Chapter : 1,2 & 3
ii. Chapter : 4 & 5 : Rules of existential & universal quantifies and rules of identity. Logical truth involving qualifiers.
iii. Chapter 9 & 10

Books Suggested :

Vatsyayanabhasya	:	Vatsyayanabhasyanyaya text (selection) tr. Dhundiraj Shastri, Choukhambha, Adyar.
Visvatntha	:	Bhashapariccheda (selection) English translation Swami Madhavanand (selections).
Annambhatta	:	Tarkasamgraha (selection) Tr. Athyale and Bodas, Mumbai with Dipika in Hindi by Dayanand Bhargava, MLBD, 1971.
Naraindvya	:	Manmeyodayh (selection), Tr. Hindi Yogendra, Choukhambha Vidhya Bhawan, IInd, 1996.
Dharmakriti	:	Nyayabindu Eng. Tr. With Tika in Stcherbatsky, Vol. IInd Indian Edition. MLBD 1993.
Hemachandra	:	Pramanamimansa, Saraswati Pustak Bhandar, Ahemdabad 1969
S.S. Barlingay	:	A Modern introduction to Indian logic, National Pub. House IInd, 1976.
Nandita Bandyopadhyaya	:	The Concept of Logical Fallacies.
F.Th. Stcherbatsky	:	Buddhist Logic Vols. I Part-III, Chapter-II, III & IV. Indian (ed.) MLBD, 1993. Buddhist Logic (II) ed. Lennigrad 1930-32.
S.R. Bhatt & Mehrotra	:	Buddhist Epistemology, Greenwood press West Port, USA, 2000. Badrinath Sukla's Mathuri Panch Lakhani select portion of introduction, Rajasthan Granth Academy, Jaipur.
I.M. Copi & Cohen	:	Introduction to logic, Prentice Hall & Indian, 1996 (selction).
A. Singh & C. Goswami	:	Fundamentals of Logic, ICPR, 1998.
Brajnarayan Sharma	:	Bhartiya darshan main anuman, Bhopal, M.P. Hindi Granth Academy, 1973.

PAPER –III : EPISTEMOLOGY (INDIAN & WESTERN)

Part – I (Indian Epistemology)

Max. Marks : 100 **Time : 3 hrs.**

1. Cognition : Its definition and nature; division of cognitions; valid (prama) and invalid (aprama), validity (pramanya): Its nature, condition and definitions; valid cognitions (prama); classification: instruments of cognition (indriya) and their nature.
2. That debate about the nature, origin (utpatti) and ascertainment (jnpati) of validity, svatahpramanyavada :paratahpramanyavada.
3. The debate about knowledge :savisayatva, sakaratva, svaprakasatva, paraprakasata.
4. A brief study of pramanas :Pratyaksa, Anumana, Sabda, Upamana, Arthapatti, Anupalabdhi.
5. The theories about invalid perceptual cognitions (khyativada) :akhyati, anyathakhyati, viparitakhyati, atmakhyati, asatkhyati, anirvacaniyakhyati, satkhyati, abhinava, anyathakhyati, sadasatkhyati.

Suggested Readings :

Debabrata Sen	: The concept of knowledge, Calcutta, 1984.
K.N. Jayatileke	: Early Buddhist theory of knowledge, London. 1963.
Swami	: Methods of knowledge, London, 1965.
Satprakasahanda D.M. Datta	: The six wasys of knowiug, Calcutta, 1960.
Satischandra	: The nyaya theory of knowledge, Calcutta, 1965.
ChatterjeeGoverdhan P.Phatt	: Epistemology of the Bhatta school of Purva Bhatt Mimansa, Varanasi, 1962.
P.S. Sastri	: Indian Idealism, Vols. I & II, Delhi, 1975-76.
J.N. Mohanty	: Gangesa's Theory of Truth, Visva Bharti,1986.
B.K. Motilal	: Perception, Oxford University press, 1986.
Srinivasa Rao	: Perceptual Error : The Indian theories, University press of Hawaii, Honolulu, 1998.
Visvanatha	: Siddha Cntamuktavali (Tr. Swami Madhavananda)
Dharmakriti	: Nyanabindu (T. in Stcherbatsky's Buddhist Logic, Vol. II).
DharmarajaAdhavisin	: Vedantaparibhasa.

Narayana Bhatta	:	Manameyodaya
Ramanuja	:	Vedarthasangraha
Madhva	:	Visnutattvavinirnaya

Part – II (Western Epistemology)

1. Scepticism and the possibility of knowledge.
2. Nature and definition of knowledge; belief and knowledge.
3. Theories of perception.
4. Problems of memory : Knowledge of the past.
5. Knowledge of other minds.
6. Theories of truth : Self-evidence, correspondence, coherence, pragmatic and semantic.
7. Meaning and reference.
8. Aprioriknowledge : Analytic and synthetic; necessary and contingent; synthetic a priori.

Suggested Readings :

K. Lehrer	:	Knowledge
R.M. Chisholm	:	Theory of knowledge (3rd ed.)
A.J. Ayer	:	The problems of knowledge.
A.C. Danto	:	Analytical philosophy of knowledge.
J. Hintikka	:	Knowledge and belief.
B. Russell	:	Human knowledge : Its scope and limits
N. Rescher	:	Coherence theory of truth.
J.L. Pollock	:	Knowledge and justification contemporary theories of knowledge.
J.R. Ammerman	:	Classic in analytic philosophy .
B.Blanshard	:	The nature of thought, vols. I & II.
Hamlyn	:	Theory of knowledge.
A.Stroll (ed.)	:	Epistemology : New essays in the theory of knowledge
P.E. Strawson	:	Skepticism and naturalism : some varieties.
P. Unger	:	Ignorance : A case for scepticism
G.S. Pappas & M. Swain (eds.)	:	Essays on knowledge and justification.
N. Malcolm	:	Knowledge and certainty.

S. Bhattacharya : Doubt, Belief and Knowledge.
S.P. Chattopadhyaya : Induction, probability and scepticism.
R.L. Martin (ed.) : Recent essays on truth and the liar paradox.
Wittgensteir : On certainty.
H.S. Upadhyaya : Jyana-mimansakemoolpeshana, P.M. publisher delhicopleston F. History of western philosophy.
Paul Edward's : The encyclopaedia of philosophy.

PAPER –IV : METAPHYSICS (INDIAN & WESTERN)

Part – I (Indian Metaphysics)

Max. Marks : 100 **Time : 3 hrs.**

1. Prameya :Padartha
2. Reality
3. God of the people and God of the philosophers; the role of God in the world-views of classical systems; The new and central role of God in the Bhakti schools starting with Ramanuja; proofs for against the existence of God. God as karmadhyaksa.
4. Man : self as Atman; Nairatmyavada; Atman andjiva; the jiva as karta, bhokta and janta, different perspectives.
5. Universals : The debate amongst the different schools.
6. Causation : The different views and debates.

Suggested Readings :

Stephen H. Phillips : Classical Indian Metaphysics, Delhi : Motilal Banarasidass, 1997.
Jadunath Sinha : Indian Realism, London : Kegan Paul, 1938
P.K. Mukhopadhyaya : Indian Realism, Calcutta : K.P. Bagchi, 1984
Harsh Narain : Evolution of the Nyaya-Vaisesika Categoriology, Varanasi : Bharati Prakashan, 1976.
H. Ui : Vaiseska Philosophy, Varanasi : Chowkhambha Sanskrit Series 22, Reprinted in 1962.
SadanandaBhaduri : Nyaya Vaisesika Metaphysics
Nagarjuna : Mulamadhyamakarika

102

Jayarasi Bhatt	: Tattvopaplavasimha
Sriharsa	: Khandanakhandakhadya

Part-II : Western Metaphysics

1. Metaphysics : Possibility, scope and concerns.
2. Appearance and reality.
3. Being; becoming ; essence and existence.
4. Substance : Aristotle's account; substance and properties; kinds and activity; the debate between rationalism and empiricism; process view of reality.
5. Universals and particulars : Distinction; varieties; abstract entities; nominalism; resemblance, classes; realism; classical and contemporary.
6. Mind and Body : Dualism and materialism; contemporary debates.

Suggested Readings :

E.H. Bradley	Appearance and Reality (Oxford)
Richard Taylor	Metaphysics (Prentice-Hall)
Sosa Earnest Sosa (eds.)	Causation (Oxford)
Richard Swinburne	Space and Time (Methuen)
M. Macbeath& Others (eds.)	The Philosophy of Time (Oxford)
David Wiggins	Sameness and Substance (Oxford)
P.M. Churchland	Matter and Consciousness (Cambridge, Mass)
D.C. Dennett	Consciousness Explained (Boston)
A.C. Greyling (eds)	Philosophy : A Guide through the Subject (Oxford)
	Philosophy : Further into the Subject (Oxford) Cambridge Companion :To Metaphysics
D.M. Armstrong	Universals : An Opinionated Introduction, CO : West view Press, 1989
Hamlyn	Metaphysics
Blackwell	Companion to Contemporary Philosophy Of Mind
David Hales (ed.)	Metaphysics : Contemporary Readings.
K. Tiwari	TattvamimamsaevamGyanmimasa, MLBD Delhi, Copleston F. History of Western Philosophy
Paual Edwards's	The Encyclopedia of Philosophy

PHILOSOPHY
M.A. Final

There will be five papers in all, paper V and IX are compulsory and papers VI, VII and VIII are Optional. The candidates will be required to select three optional papers out of the following list of papers

1. Philosophy of Science
2. Philosophy of Law
3. Political Philosophy
4. Social & Cultural Philosophy
5. Advanced Ethics
6. Philosophy of Religion
7. Philosophy of Art
8. Philosophy of History
9. Samkara and post SamkaraAdvaitaVendanta
10. Jainism
11. Buddhism
12. Virtue Ethics
13. Applied Ethics
14. Peace Studies
15. Feminism & Gender Studies
16. Studies in Human Rights
17. Environmental Studies
18. Philosophy of Mind and Action (Western and Indian)
19. Vaisnava Vedanta
20. Contemporary Indian Thinkers.

GENERAL INSTRUCTION : PATTERN OF THE QUESTION

PAPER FOR ALL PAPERS, EXCEPT

PAPER IX : ESSAY OF M.A. (Final)

All the papers of M.A. Final including paper IX will be of 3 Hrs. duration with Max. Marks : 100. The question paper of M.A. Final., excluding paper IX, will be framed in the following two parts :

M.A. Previous (Education)
प्रश्न पत्र - निर्माण (शिक्षा)
(Annual Scheme)

1 क्रेडिट - 25 अंक
4 क्रेडिट - 100 अंक

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

* प्रत्येक प्रश्न पत्र - 3 घण्टे की अवधि का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न-पत्र के अधिकतम 100 अंक होंगे। प्रत्येक प्रश्न को निम्नलिखित दो भागों में तैयार किया जाएगा। जिसमें भाग 'अ' 40 अंकों का और भाग 'ब' 60 अंकों का होगा।

भाग - अ

इस भाग में कुल 08 प्रश्न होंगे जिनमें से विद्यार्थियों को कुल 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। भाग 'अ' में आन्तरिक विकल्प के 05 प्रश्न प्रत्येक 8 अंक का होगा। ($5 \times 8 = 40$)
प्रश्न पत्र 'अ' भाग के सभी प्रश्न पारिभाषिक एवं वर्णनात्मक होंगे, जिनके अंक समान होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा 300-350 है। प्रश्न के भाग अ को दो उपभागों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक भाग में 4 प्रश्न होंगे। जहाँ पहले 4 प्रश्न पाठ्यक्रम के भाग अ पर आधारित होंगे जबकि अन्तिम 4 प्रश्न पाठ्यक्रम

Scanned with OKEN Scanner

के भाग 'ब' पर आधारित होंगे। छात्र को प्रश्न पत्र के प्रत्येक भाग से कम से कम 02 प्रश्नों को हल करते हुए कुल 05 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

'भाग-ब'

इस भाग में कुल 06 प्रश्न होंगे जिनमें से छात्रों को कुल 03 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। आन्तरिक विकल्प वाले 03 प्रश्न प्रत्येक 20-20 अंक के होंगे। प्रश्न पत्र के भाग 'ब' को पुनः दो खण्डों में विभाजित किया जायेगा। पहले 03 प्रश्न पाठ्यक्रम के भाग 'अ' पर आधारित होंगे जबकि शेष 03 प्रश्न पाठ्यक्रम के भाग 'ब' पर आधारित होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। (3×20=60) प्रश्न पत्र के इस भाग के सभी प्रश्न व्याख्यात्मक एवं मूल्यांकनात्मक होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 800-1000 है।

	प्रश्न	अंक
खण्ड-अ लघुउत्तरात्मक प्रश्न	05	40 (05×08)
खण्ड-ब निबन्धात्मक प्रश्न	03	60 (03×20)
कुल	08	100

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. प्रथम वर्ष (दर्शन)

प्रश्नपत्र निर्माण	04 क्रेडिट	100 अंक
	04 क्रेडिट	100 अंक
	प्रश्नपत्र	100 अंक

प्रश्नपत्र अंक विभाजन

अधिकतम 3 घंटे की अवधि के साथ प्रत्येक पेपर के 100 अंक निर्धारित है। प्रश्न पत्र संपूर्ण इकाइयों को कवर करेगा। प्रत्येक प्रश्न को निम्नलिखित दो भागों में तैयार किया जाएगा जिसमें भाग 'अ' 40 अंकों का और भाग 'ब' 60 अंकों का होगा।

भाग अ

इस भाग में कुल 08 प्रश्न होंगे जिनमें से विद्यार्थियों को कुल 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। 08 अंक का प्रत्येक प्रश्न 5X8=40. सभी प्रश्न समान अंक के होंगे।

प्रश्न पत्र के भाग के सभी प्रश्न पारिभाषिक एवं वर्णनात्मक होंगे, जिनके अंक समान होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा 300-350 है। पेपर के भाग अ को दो उपभागों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक भाग में 4 प्रश्न होंगे जहां पहले 4 प्रश्न पाठ्यक्रम के भाग अ पर आधारित होंगे जबकि अंतिम 4 प्रश्न पाठ्यक्रम के भाग ब पर आधारित होंगे। छात्र को पेपर के प्रत्येक उपभाग से कम से कम 02 प्रश्नों को हल करते हुए कुल 05 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

भाग ब

इस भाग में कुल 06 प्रश्न होंगे, जिनमें से छात्रों को कुल 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रश्नपत्र के भाग ब को फिर से दो खंडों में विभाजित किया जाएगा। पहले 03 प्रश्न पाठ्यक्रम के भाग अ पर आधारित होंगे जबकि शेष 03 प्रश्न पाठ्यक्रम के भाग ब पर आधारित होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। 3X20=60. सभी प्रश्नों के समान अंक होंगे। प्रश्न पत्र के इस भाग के सभी प्रश्न व्याख्यात्मक एवं मूल्यांकनात्मक होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 800-900 है

	प्रश्न	अंक
खण्ड-अ लघूत्तरात्मक प्रश्न	05	40 (05X08)
खण्ड-ब निबन्धात्मक प्रश्न	03	60 (03X20)
कुल	08	100

M.A. PREVIOUS

Pattern of Question Paper : General Instruction

The max. Marks of the each of the paper is 100 with 3 hrs. Duration. The question paper will cover the entire units. Each question paper will be framed in the following two parts in which part I is of 40 marks and part II of the 60 marks.

Part : I

This part will have total 08 questions out of which student is required to attempt any 05 questions in total. Each questions is of 08 Marks 5x8 = 40. All the questions will carry equal marks.

Max. Marks : 40

All questions of this part of the question paper will be definitional and descriptive in character

The word limit of answer of each of the question is strictly 300-350.

Part I of the paper will be subdivided into two subparts. Each part will have 4 questions where first 4 questions will be based on the part I of the syllabus while the last 4 questions will be based on the part II of the syllabus. Student is required to attempt total 05 questions attempting at least 02 questions from each of the sub part of the paper.

Part : II

This part will have total 6 questions out of which student is required to attempt any 3 questions in total. Part II of the question paper again will be divided into two sections. The first 3 questions will be based on the Part I of the syllabus while the remaining 3 questions will be based on the Part II of the syllabus. Each question is of 20 marks. 3x20 = 60. All question will carry equal marks.

Max. Marks : 60

All questions of this part of the question paper will be of explanatory and evaluator in character.

The word limit of the answers of the each of the question is strictly 800-900

Syllabus: M.A. Philosophy

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय

NEP 2020 के अनुसार द्वि-वर्षीय स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम

(2 Year PG Course Structure as per NEP-2020)

M.A. (हिन्दी साहित्य) प्रथम वर्ष

सत्र- 2023-24

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

ग्राम- मदाऊ, पोस्ट- भांकरोटा, जयपुर -302026

एम. ए. - हिन्दी

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा 2024

प्रत्येक प्रश्न पत्र हेतु
समय - 3 घण्टे

पूर्णांक - 100 अंक

प्रश्न पत्रों का अंक विभाजन

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

अंक विभाजन -

कुल पाँच प्रश्न (20×4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10×2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय है।

द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन काव्य

अंक विभाजन -

कुल 04 व्याख्याएँ : प्रत्येक कवि से व्याख्या पूछी जायेगी
विकल्प देय होगा। (10×4 = 40 अंक)
कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। प्रत्येक कवि से प्रश्न अपेक्षित है।
विकल्प देय होगा। (15×4 = 60 अंक)

तृतीय प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)

अंक विभाजन -

(क) प्रथम चार इकाईयों से एक-एक प्रश्न पूछा जायेगा। (20×4 = 80 अंक)
(ख) पांचवी इकाई से टिप्पणीपरक प्रश्न पूछा जायेगा। (10×2 = 20 अंक)
प्रत्येक प्रश्न का आंतरिक विकल्प (कुल दो टिप्पणियाँ)
देय।

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (उपन्यास, कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

अंक विभाजन -

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक खण्ड से एक-एक (10×4 = 40 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न : प्रत्येक से एक-एक (15×4 = 60 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय

अनवरत........

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	मध्यकालीन काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (उपन्यास,कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

हिन्दी साहित्येतिहास के लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्यधाराएं- सिद्धनाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता विद्यापति की कीर्तिलता और पदावली, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएं।

भक्तिकाल : भक्ति आंदोलन, उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

हिन्दी संत काव्य – वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य, प्रमुख संत कवि – कबीर, नानक, दादू, रैदास, रज्जब, तथा जम्भनाथ।
हिन्दी सूफी काव्य-वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा, सूफी प्रेमाख्यान का स्वरूप, हिन्दी का सूफी काव्य, प्रमुख सूफी कवि –मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन तथा जायसी।

हिन्दी कृष्ण काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, कृष्ण भक्ति शाखा के कवि और काव्य। प्रमुख कवि – सूरदास, नन्ददास, मीरा, रसखान।
हिन्दी राम काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य।
रीतिकाल – नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध) रीतिकाल के प्रमुख कवि – केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द तथा पद्माकर।

आधुनिक काल का काव्य :
1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल। द्विवेदी युग – महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्यधाराएं – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।
आधुनिक काल का गद्य साहित्य
उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना, निबंध एवं अन्य विधाएं

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ.नगेन्द्र (सं)
आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ.रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. भ्रमरगीत सार : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (पद संख्या 164 से 214 तक कुल 50 पद)
2. विनय पत्रिका : गीता प्रेस गोरखपुर (पद संख्या 76 से 116 तक कुल 40 पद)
3. बिहारी रत्नाकर : 101 से 200 तक
4. दादूदयाल : श्री दादूवाणी– सं रामप्रसाद दास स्वामी, प्रकाशक दादूदयालु महासभा,जयपुर। अथ राग असावरी, पद संख्या 213 से 245 तक
5. घनानन्द कवित्त : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, प्रकाशन (प्रारम्भ के 50 पद)
6. मीरा मुक्तावली : सम्पादक नरोत्तम स्वामी, श्रीराम मेहरा, आगरा (पद संख्या 26 से 75)

अंक विभाजन :

कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक कवि से व्याख्या पूछी जायेगी। विकल्प देय होगा (10 X 4 =40 अंक)

कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। प्रत्येक कवि से प्रश्न अपेक्षित है। विकल्प देय होगा। (15 X 4 = 60 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. सूर का भ्रमरगीत : डॉ.शंकरदेव अवतरे
2. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा
3. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय : डॉ.दीनदयालु गुप्त हिन्दी साहित्य सम्मेलन।
4. सूर की काव्य कला : डॉ.मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर दिल्ली।
5. तुलसी : डॉ. उदयभानु सिंह
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा।
7. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाराणसी।
8. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ.बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द : डॉ.मनोहरलाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
10. आनन्द घन : डॉ.रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
11. मीरा पदावली : डॉ.शम्भू सिंह मनोहर
12. मीराबाई : पद्मावती शबनम
13. उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
14. श्री दादूपंथ का परिचय – प्रथम, द्वितीय, तृतीय भाग – स्वामी नारायणदास।
15. संत साहित्य की रूपरेखा – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

क. साहित्य की परिभाषा, साहित्य की प्रमुख विधाओं के सैद्धान्तिक स्वरूप और विवेचना – प्रबन्धकाव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य), मुक्तक काव्य (गीति काव्य, प्रगीतिकाव्य) उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज।

ख. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं काव्यशास्त्र के विविध सम्प्रदाय : रस, ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति, अलंकार, औचित्य।

ग. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – प्लेटो, अरस्तू, लौंजाइनस, इलियट, क्रोचे, मार्क्स और आई.ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त।

घ. हिन्दी के प्रमुख आलोचक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ.नगेन्द्र, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

ड. आलोचना (सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक)
1. हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास
2. हिन्दी का आलोचना शास्त्र – पाठालोचन, सैद्धान्तिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक, नयी समीक्षा।

अंक विभाजन :

क. प्रथम चार इकाईयों से एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। (20 X 4 = 80 अंक)

ख. पांचवी इकाई से टिप्पणीपरक प्रश्न पूछा जायेगा। (कुल दो टिप्पणियां) (10 X 2 = 20 अंक)
प्रत्येक प्रश्न का आंतरिक विकल्प देय होगा।

अनुशंसित ग्रंथ

1. साहित्यालोचन : श्यामसुन्दर दास
2. काव्यशास्त्र : डॉ.भगीरथ मिश्र
3. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग एक : बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ.नगेन्द्र
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : शान्तिस्वरूप गुप्त
8. समीक्षालोक : डॉ.भगीरथ मिश्र
9. पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
10. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
11. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (उपन्यास,कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. गोदान : प्रेमचन्द
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा
4. निर्धारित आधुनिक कहानियाँ :

दोपहर का भोजन	–	अमरकान्त
खोई हुई दिशाएँ	–	कमलेश्वर
बीच बहस में	–	निर्मल वर्मा
ठेस	–	फणीश्वरनाथ रेणु
अमृतसर आ गया	–	भीष्म साहनी
यही सच है	–	मन्नू भण्डारी
एक और जिन्दगी	–	मोहन राकेश
जहाँ लक्ष्मी कैद है	–	राजेन्द्र यादव
प्रेत मुक्ति	–	शैलेश मटियानी
भेड़िए	–	भुवनेश्वर
हंसा जाई अकेला	–	मार्कण्डेय
कोसी का घटवार	–	शेखर जोशी
विनाशदूत	–	मृदुला गर्ग
पच्चीस चौका डेढ़ सौ	–	ओमप्रकाश वाल्मीकि

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक खण्ड से एक–एक (10 X 4 =40 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न : प्रत्येक से एक–एक आन्तरिक विकल्प देय (15 X 4 =60 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान : कमलकिशोर गोयनका
2. गोदान : गोपालराय
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सम्पादक भीष्म साहनी और रामजी मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ, डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव
6. मन्नू भण्डारी का कथा साहित्य, गुलाबराव हाडे
7. नई कहानी : संवेदना और शिल्प : राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र तिवारी
9. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान : डॉ रामदरश मिश्र
10. एक दुनिया समानान्तर : सम्पादक राजेन्द्र यादव
11. प्रतिनिधि कहानियाँ : स्वयंप्रकाश
12. कहानी : नई कहानी : डॉ नामवर सिंह
13. कथाकार मन्नू भण्डारी : अनीता राजूरकर

(115)

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय

NEP 2020 के अनुसार द्वि-वर्षीय स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम

(2 Year PG Course Structure as per NEP-2020)

M.A. (राजनीति विज्ञान) प्रथम वर्ष

सत्र- 2023-24

आधुनिक विभाग

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

ग्राम- मदाऊ, पोस्ट- भांकरोटा, जयपुर -302026

एम ए पूर्वार्द्ध (राजनीति विज्ञान) (116)

सत्र - 2023 - 2024

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा योजना

समय : 3 घंटे

कुल पूर्णांक - 100

प्रश्न - पत्र का अंक विभाजन

प्रश्न - पत्र	खण्ड - (अ) अतिलघुत्तरात्मक		खण्ड - (ब) लघुत्तरात्मक		खण्ड - स निबन्धात्मक		कुल	
1.	प्रश्न सं.	अंक	प्रश्न सं.	अंक	प्रश्न सं.	अंक	प्र. सं.	अंक
1. पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन	10	2 10×2=20	4	5 4×5=20	3	20 3×20 60	17	20×20×60=100
2. भारतीय राजनीतिक चिन्तन	10	2 10×2=20	4	5 4×5=20	3	20 3×20=60	17	20×20×60=100
3. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति	10	2 10×2=20	4	5 4×5=20	3	20 3×20=60	17	20×20×60=100
4. लोक प्रशासन के सिद्धान्त एवं व्यवहार	10	2 10×2=20	4	5 4×5=20	3	20 3×20=60	17	20×20×60=100

प्रत्येक प्रश्न - पत्र 3 घण्टे की अवधि का होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र के अधिकतम 100 अंक होंगे।

प्रत्येक प्रश्न - पत्र के तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड अ 20 अंको का होगा। इस खण्ड में दो अंको के 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। जिनमे से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अनिवार्य है।

द्वितीय खण्ड 20 अंको का होगा। इस खण्ड मे 05 अंको के 04 अतिलघु प्रश्न होगे।

तृतीय खण्ड 60 अंको का होगा। इस खण्ड मे तीन भाग जिनमे प्रत्येक मे 20 अंको के 2 निबन्धात्मक प्रश्न होगे। परीक्षार्थी से प्रत्येक खण्ड मे से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। प्रत्येक खण्ड में एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्नो का उत्तर अपेक्षित होगा।

डॉ. कुमकुम शर्मा
विभाग – दर्शन
विषय – राजनीति विज्ञान
(M.A.)

(2)

एम.ए. पूर्वार्द्ध राजनीति विज्ञान परीक्षा

M.A. PREVIOUS POLITICAL SCIENCE EXAMINATION

प्रश्न–पत्रों की रूपरेखा

प्रत्येक प्रश्न–पत्र 3 घण्टे की अवधि का होगा तथा, प्रत्येक प्रश्न–पत्र के अधिकतम 100 अंक होंगे।

प्रत्येक प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अंकों का होगा। इस खण्ड में दो अंकों के 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। जिनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर परीक्षार्थी को अधिकतम 20–25 शब्दों में अपेक्षित होगा।

द्वितीय खण्ड 20 अंकों का होगा। इस खण्ड में 05 अंकों के 04 अनिवार्य प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक का उत्तर 150 शब्दों में अपेक्षित होगा।

तृतीय खण्ड 60 अंकों का होगा। इस खण्ड में तीन भाग होंगे। जिनमें प्रत्येक में 20 अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी से प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा।

General Scheme of Question Papers

Each question paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each question paper shall consist of three parts. Part I shall carry 20 marks and shall consist of 10 compulsory questions of 2 marks each to be answered in 20-25 words each.

Part II shall carry 20 marks and shall consist of 4 compulsory questions of 5 marks each to be answered in 150 words each.

Part III of the question paper shall carry 60 marks. This part shall be divided into 3 sections each comprising of 2 essay-type questions of 20 marks each. Candidates will be required to attempt one question from each section (3 questions in all, one from each section)

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

अपेक्षित चार अनिवार्य प्रश्न–पत्र होंगे

I पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन
II भारतीय राजनीतिक चिन्तन
III अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
IV लोक प्रशासन के सिद्धान्त एवं व्यवहार.

There shall be following four compulsory papers:

I Western Political Thought
II Indian Political Thought
III International Politics
IV Theory and Practice of Public Administration

एम.ए. पूर्वार्द्ध राजनीति विज्ञान परीक्षा

M.A. PREVIOUS POLITICAL SCIENCE EXAMINATION

प्रश्न –पत्र प्रथम – पाश्चात्य राजनीति चिन्तन

खण्ड–क

जीवन, राज्य व राजनीति के संबंध में यूनानी दृष्टिकोण, सुकरात, प्लेटो व अरस्तु, मध्ययुगीन राजनीतिक चिन्तनः संत आगस्टाइन, थॉमस एक्विनास.

खण्ड – ख

पुनर्जागरणः मैकियावली., संविदावादी: हॉब्स, लॉक व रूसो, उपयोगितावादी, बेंथम व जॉन स्टुअर्ट मिल

खण्ड –ग

आदर्शवादी: हीगल, ग्रीन, समाजवादी: कार्ल मार्क्स एवं लेनिन, समकालीन उदारवादी: जॉन रॉल्स, रॉबर्ट नोजिक

PAPER I - WESTERN POLITICAL THOUGHT

Section A

Greek View of Life, State and Politics, Socrates, Plato, Aristotle. Medieval Political Thought : Saint Augustine, Thomas Acquinas.

Section B

Renaissance : Machiavelli, Contractualists : Hobbes, Locke & Rousseau, Utilitarians : Bentham and J.S. Mill.

Section C

Idealists: Hegel and Green, Socialists: Karl 'Marx, Contemporary Liberals: JohnRawals, Robert Nozick.

Recommended Books :

R.N. Berki, The History of Political thought: A Short Introduction, Every Man's University Library, 1977.

J. Coleman, A History of Political Thought; From Ancient Greece to Early Christianity, Wiley, 2000. V.R Metha: Hegel and the Modern State

G.H. Sabine, A History of Political Theory, IBH, 1973.

Q. skinner, The Foundations of Modern Political Thought, Volumes 2, Cambridge University Press, reprient, 2004.

Sir. Ernest Barker, The Political Thought of Plato and Aristotle, New York, Dover Publications, 1969

J. W. Allen, A History of Political Thought in the Sixteenth Century, Methuen: London

H. Butterfield, The Statecraft of Machiavelli, New York, Collier, 1967.

G. Catlin, A History of Political Philosophers, London, George Allen and Unwin, 1950.

R.G. Gettle, History of Political Thought, New York, Novell & Co. 1924.

S. Mukherjee & S. Ramaswamy , A History of Political Thought : Plato to Marx, New Delhi, P.H.I Learning Pvt Ltd, 2011.

[illegible] में राजनीतिक विचार एवं संस्थायें, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 2010

जी.पी. गुप्त पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास

नरेश दाधीच: जॉन रॉल्स के न्याय का सिद्धान्त

प्रभुदत्त शर्मा: पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास

हरिदत्त वेदालंकार: पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास

माइकल वी.फोस्टर: राजनीतिक चिंतन के आधार, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

जॉर्ज एच. सेबाइन: राजनीतिक दर्शन का इतिहास, एस.चांद पब्लिकेशन दिल्ली, 1982

प्रश्न–पत्र द्वितीय – भारतीय राजनीतिक चिन्तन

खण्ड –क

मनु, वाल्मीकि, व्यास, कौटिल्य,

खण्ड –ख

राजाराम मोहन राय, दयानन्द सरस्वती, विवेकानन्द, गोखले व तिलक

खण्ड– ग

मोहनदास कर्मचन्द गांधी, एम.एन. रॉय व जवाहरलाल नेहरू, भीमराव अम्बेडकर, जयप्रकाश नारायण एवं दीन दयाल उपाध्याय

PAPER II - INDIAN POLITICAL THOUGHT

Section A

Manu, Valmiki, Vyas, Kautilya.

Section B

Raja Ram Mohan Roy, Dayanand Saraswati, Vivekananda, Gokhale and Tilak.

Section C

M. K. Gandhi, M.N. Roy, Jawahar Lal Nehru, BR. Ambedkar, Jay Prakash Narayan & Deen Dayal Upadhyaya

Recommended Books :

D.D. Kosambi, Culture and Civilizations in Ancient India, Vikas, 1980

V.P. Verma, Studies in Hindu Political Thought and Its Metaphysical Foundations, Delhi, Motilal Banarsidass, 1974

U.N. Ghoshal, *A History of Indian Political Ideas*, London, Oxford University Pres, 1959.

K.P. Jayaswal, *Hindu Polity*, Calcutta, Butterworth, 1924.

Jitu Rakesh Kumar, Religion, Dharma, and Polity, Concept Pubication Ltd.New Delhi 2012

Arvind, Sharma, Classical Hindu Thought: An Introduction Oxford, 2000

V.P. Varma, Mordern Indian Political Thought, Laxmi Narain Agarwal, Agra

मधुकर श्याम चतुर्वेदी, प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक, कॉलेज बुक हाऊस,जयपुर

रामशरण शर्मा: प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार एवं संस्थाये, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली, 2010

(7)

मंजु शर्मा, प्राचीन भारत में राजनय(एक तुलनात्मक अध्ययन) आर.बी.एस पब्लिशर्स जयपुर 2007
भारतीय राजशास्त्र प्रणेता, श्याम लाल पाण्डेय, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी लखनऊ
प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एवं संस्थाएं, परमात्माशरण, मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ

प्रश्न–पत्र तृतीय – अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति

खण्ड–क

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त एवं अध्ययन के उपागम: आदर्शवादी, यथार्थवादी, व्यवस्था, निर्णय–निर्माण एवं खेल सिद्धान्त
राष्ट्रीय शक्ति के तत्व एवं उद्‌विकास

खण्ड –ख

राष्ट्रीय हित एवं राष्ट्रीय नीति: राजनय, प्रचार एवं राजनैतिक युद्ध, राष्ट्रीय नीति के आर्थिक साधन: साम्राज्यवाद एवं नव–साम्राज्यवाद, युद्ध: युद्धों की प्रकृति, कारण एवं प्रकार, वैश्विक आतंकवाद: राष्ट्रीय शक्ति की सीमाएं: शक्ति संतुलन, सामूहिक सुरक्षा, अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शान्तिपूर्ण निपटारा, अन्तर्राष्ट्रीय विधि, नि:शस्त्रीकरण: संयुक्त राष्ट्र संघ: लक्ष्य, उद्देश्य, संरचना एवं भूमिका: संरचनात्मक सुधारों का प्रश्न

खण्ड–ग

शीत युद्ध का अंत, यूरोप का पुनर्गठन, वैश्वीकरण, क्षेत्रीय संगठन: सार्क एवं आसियान, ब्रिक्स, इब्सा, अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिका: भारत एवं उसके पड़ोसी, गुट निरपेक्षता एवं उसके बदलते प्रतिमान, समकालीन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ

PAPER III - INTERNATIONAL POLITICS

Section A

Theories and Approaches to the study of International Politics Idealist, Realist, Systems, Decision-Making, Game Theory and Feminist Perspective, Concept of National Power, Elements and Evolution of National Power.

Section B

National Interest and National Policy: Diplomacy, Propaganda and Political Warfare, Economic Instruments of National Policy, Imperialism and Neo-Imperialism. War : Nature, Causes and Types of Wars, Global Terrorism.

Limitations of National Power, Balance of Power, Collective Security, Pacific Settlements of International Disputes, International Law, Disarmament.

United Nations: Aims, Objectives, Structure and Role, Issue of Restructuring.

Section C

End of Cold War, Reorganization of Europe, Globalization. Regional Organization especially SAARC, ASEAN, BRICS, IBSA. India's Role in International Affairs, India and her Neighbours, Non-Alignment and its changing patterns. Major issues and trends in Contemporary International Politics

... 1992
... बुक हाउस,जयपुर
... विचार एवं संस्थायें, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली, 2010

Recommended Books:

1. Waltz, Kenneth N., 'Laws and Theories', in *Theory of International Politics*, (New York: Random House, 1979).
2. Waltz, Kenneth N., Man, *the State and War: A Theoretical Analysis*, New York, Columbia University Press, 1954, pp. 1-15, 224-238.
3. Singer, David J., 'The Level-of-Analysis Problem in International Relations', *World Politics*, 14(1), 1961, pp. 77-92.
4. Wight, Martin, 'Why is there no International Theory' in James Der Derian (ed.), *International Theory: Critical Investigations*, (New York: New York University Press, 1995).
5. Kaplan, Morton A. , 'Problems of theory building and theory confirmation in International Politics', *World Politics*, 14(1), October, 1961, pp. 6-24.
6. Rosenau, James N., 'Thinking Theory Thoroughly' as reproduced in Paul R.Viotti and Mark V. Kauppi, *International Relations Theory* (Longman, 2012).
7. Hollis, Martin and Steve Smith, *Explaining and Understanding International Relations*, (New York: Oxford University Press, 1990).
8. Vincent, John R., 'The Hobbesian Tradition in Twentieth Century International Thought', *Millennium: Journal of International Studies*, 10(2), 1981, pp. 91-101.
9. Hurrell, Andrew, 'Kant and the Kantian Paradigm in International Relations', *Review of International Studies*, 16 (July 1990), pp. 183-205.
10. Waltz, Kenneth N., 'Realist Thought and Neorealist Theory', *Journal of International Affairs*, 44(1): pp. 21-37 at http://www.irchina.org/waltz/waltz1990.pdf .
11. Waltz, Kenneth N., "Political Structures", in Waltz, Kenneth N., *Theory of International Politics*, (New York: Random House, 1979).
12. Milner, Helen, 'The Assumption of Anarchy in International Relations Theory: A Critique', *Review of International Studies*, 17(1), January 1991, pp. 67-85.
13. Jean BethkeElshtain, "International Politics and Political Theory", in Booth and Smith, eds. *International Relations Theory Today*, pp. 263-278.
14. यू.आर.घई–के.के.घई अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति सिद्धांत तथा व्यवहार, न्यू पब्लिकेशन कम्पनी जालंधर
15. वी.एन.खन्ना–लिपाक्षी अरोड़ा भारत की विदेश नीति, विकास पब्लिकेशन हाउस नोएडा
16. तपन बिस्वाल: अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मैकमिलन, दिल्ली
17. पुष्पेश पंत: अंतर्राष्ट्रीय संबंध

...ehier, Ted., Reinventing Gov...

प्रश्न–पत्र चतुर्थ– लोक प्रशासन के सिद्धान्त एव व्यवहार

खण्ड–क

लोक प्रशासन: अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति एवं अध्ययन की पद्धतियाँ, निजी एवं लोक प्रशासन, वैश्वीकरण का लोक प्रशासन पर प्रभाव, लोक–निजी भागीदारी

संगठन सिद्धान्त एवं उपागम: मनोवैज्ञानिक उपागम, मानवीय संबंध उपागम, प्रशासनिक नेतृत्व, निर्णय–निर्माण का विज्ञान

संगठन के सिद्धान्त: मुख्य कार्यपालिका और उसके कार्य, लाइन और स्टाफ, पदानुक्रम, नियंत्रण का क्षेत्र, प्रत्यायोजन एवं विकेन्द्रीकरण, संचार, समन्वय और पर्यवेक्षण

खण्ड–ख

लोक उद्यमों के संगठनिक प्रारूप: विभाग, निगम एवं कम्पनी, लोक उद्यमों की समस्याएं, पी पी पी मॉडल (सार्वजनिक निजी सहभागिता)

खण्ड– ग

वित्तीय प्रशासन: बजट का निर्माण, अनुमोदन एवं क्रियान्विति, वित्त पर विधायी नियंत्रण, लोक लेखा समिति एवं प्राक्कलन समिति,

प्रशासन पर विधायी एवं न्यायिक नियंत्रण, सूचना का अधिकार, लोकपाल एवं लोकायुक्त, ई–गवर्नेन्स प्रशासनिक सुधार

PAPER-IV— THEORY AND PRACTICE OF PUBLIC ADMINISTRATION

Section A

Public Administration: Meaning, Scope, Nature and Methods of Study; Private and Public Administration; Impact of Globalization on Public Administration; Public-Private Partnership.

Theories and Approaches of Organizations: Psychological Approach, Human Relations Approach, Administrative Leadership; Science of Decision Making

Section B

Principles of Organizations: Chief Executive and its Functions, Line and staff, Hierarchy, Span of Control, Delegation and Decentralization, Communication, Coordination and Supervision. Organizational Pattens of Public Enterprises: Department, Corporation and Company: Problems of Public Enterprises, PPP (Public Private Partnership).

Section C

Financial Administration: Formulation, Approval and Exection of Budget, Parliamentary Control over Finance, Public Accounts Committee and Public Estimates Committee.

Legislative and Judicial Control over Administration, Right to Information, Lok Pal and Lokayukta, E-governance, Administrative Reforms

Recommended Books :

Henry Nicholas, Public Administration and Public Affairs, Prentice Hall, New Jersey, 2005.

Osborne, David and Gaebler, Ted., Reinventing Government: How the Entrepreneurial Spirit is Transforming the Public Sector, Prentice Hall of India, New Delhi, 1992.

Frederickson, George, New Public Administration, Alabama, University of Alabama Press, 1990.

Heady Ferrel, Public Administration: A Comparative Perspective, Nareel Dekker, 2002.

A. Avasthi and S.R. Maheswari, Public Administration, Agra, Lakshmi Naran Aggarwal, 1996

M. Bhattacharya, Public Administration: Structure, Process and Behavior, Calcutta, The World Press, 1991.

D. Waldo, Ideas and Issues in Public Administration, New York, McGraw Hill, 1953.

L.D. White, Introduction to the Study of Public Administration, New York, Macmillan, 1955

M.P Sharma and Sadana "Theroy and Practice of Public Administration."

Guy Peters and Pierre Jon(Eds) Handbook of Public Administration, Sage, London, 2005.

Spicer Michael W. Public Administration and the State: A Postmodern Perspective, Albama Press, Tuscaloosa, 2001.

Hyden, Goran Court, Julius, Mease, Keneth, Making Sense of Governance Viva: New Delhi, 2010.

अवस्थी व अवस्थी : लोक प्रशासन के सिद्धान्त व व्यवहार

बी.एल. फड़िया, लोक प्रशासन सिद्धान्त एवं व्यवहार

ए.टी.शर्मा, हरिश चन्द्र शर्मा, लोक प्रशासन सिद्धांत व व्यवहार

एम.पी.शर्मा, बी.एल.सडाना, लोक प्रशासन सिद्धांत व व्यवहार

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

NEP2020 के अनुसार 2 वर्षीय स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम

(2 Year PG Course Structure as per NEP-2020)

M.A.(HISTORY)

सत्र-2023-24

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

ग्राम-मदाऊ, पोस्ट-भांकरोटा, जयपुर-302026

एम. ए. पूर्वार्द्ध (इतिहास)
सत्र - 2023 -24
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा योजना

समय : 3 घण्टे

कुल पूर्णांक-100

प्रश्न पत्र	प्रश्न संख्या	कुल अंक
इतिहास के सिद्धान्त विधियाँ एवं दृष्टि	5 x 20	100
आधुनिक विश्व इतिहास की मुख्य धाराएँ 1900 तक	5 x 20	100
बीसवीं शताब्दी का विश्व (1900-2000 A.D)	5 x 20	100
प्राचीन भारतीय इतिहास	5 x 20	100

→ प्रत्येक प्रश्न पत्र 3 घण्टे की अवधि का होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र के अधिकतम 100 अंक होंगे।

→ प्रत्येक प्रश्न पत्र के तीन खण्ड होंगे प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुये कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

→ सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

रीना रानी
विभाग - दर्शन
विषय - इतिहास)
M, A. 1st year

SCHEME OF EXAMINATION
(Annual Scheme)

Each Theory Paper 3 hrs. duration 100 Marks

Dissertation/Thesis/
Survey Report/ Field
Work, if any. 100 Marks

2. The number of papers and the maximum marks for each paper/practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the practical part (wherever prescribed) of a subject/paper separately.

3. A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examinations shall be required to obtain (i) atleast 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical(s) wherever prescribed at the examination, provided that if a candidate fails to secure atleast 25% marks in each individual paper at the examination and also in the dissertation/ survey report field work, wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination note ithstanding his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No division will be awarded at the Previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examinations taken together, as noted below :

First Division 60%]
Second Division 48%] of the aggregate marks taken together of the Previous and the Final Examinations.

All the rest will be declared to have passed the examination.

4. If a candidate clears ...

more than 25% marks in order to each the minimum aggregate as many marks out of those and actually secured by him will be taken into account as would enable him to make up the deficiency in the requisite minimum aggregate.

The Thesis/ Dissertation/ Survey Report/ Field Work shall be type-written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Registrar atleast 3 weeks before the commencement of the theory examinations. Only such candidates shall be permitted to offer Dissertation/ Field Work/ Survey Report/ Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured atleast 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual scheme irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

M.A. HISTORY

M.A. PREVIOUS

There shall be four papers, each of three hours duration and carrying 100 marks each.

Paper I : Theories, Methods and Visions of History

Paper II : (i) Main Currents of Modern World History upto 1900 A.D.

or (ii) History of Modern Europe (1789-1913 A.D.)

or (iii) History of U.S.A. (1776-1950 A.D.)

or (iv) History of China and Japan (1839-1945 A.D.)

or (v) History of Russia (1800-1945 A.D.)

or (vi) History of England (1815-1919 A.D.)

Paper III : Twentieth Century World (1900-2000 A.D.)

Paper IV : Group A (i) Ancient Indian History (Earliest times to c. 200 B.C.)

or Group B (ii) Medieval Indian History (c. A.D. 750-1526)

or Group C (iii) Modern Indian History (A.D. 1756-1905)

M.A. FINAL

There shall be five papers, three from any one of the following 3 alternative groups of Indian History corresponding to the IV paper of M.A. Previous, and one from the various options in the fourth paper, and the fifth paper shall be compulsory for all.

Group A : Ancient India

PAPER I : Ancient Indian History (c. 200 B.C. to 750 A.D.)

PAPER II : (i) Social and Economic Life in Ancient India

Or

(ii) Political, Administrative and Legal Ideas and Institutions of Ancient India

Or

(iii) Social and Cultural History of South India upto the end of the Cholas

PAPER III : (i) Ancient Indian Art and Architecture

Or

(ii) Epigraphy and Numismatics

Or

(iii) Indian Archaeology

Or

(iv) Religions of Ancient India

Group B : Medieval India

PAPER I : Medieval Indian History (1526-1761 A.D.)

PAPER II : Social and Economic Life in Medieval India

PAPER III : Medieval Indian Culture

Group C : Modern India

PAPER I : Modern Indian History (1905-1990 A.D.)

PAPER II : Social and Economic Life in Modern India

PAPER III : Gandhian Thought

PAPER IV & V

(Common for All Three Groups)

PAPER IV : (i) History of Indian Thought

Or

(ii) Women in Indian History

Or

(iii) Historical Tourism in India with special reference to Rajasthan

Or

(iv) History of Indian Ecology and Environment

Or

(v) Indian National Movement and Thought

PAPER V : *(Compulsory for All Three Groups)*

Main Trends in the History and Culture of Rajasthan

M.A. HISTORY

PREVIOUS

Paper I : Theories, Methods and Visions of History

3 hrs. duration 100 Marks

Note : The paper will contain nine questions having three questions in each section. Candidates are required to attempt five questions by selecting at least one question from each section.

Section - I

Meaning, Nature and Scope of History. Historical Fact and Interpretation: Causation, Objectivity. Traditions of Historiography : Ancient - Greco-Roman, Chinese, Ancient Indian; mediveal - Western, Arabic, Persian and Indian, Modern - Idealist, Positivist, Marxist.

Section -II

Theories of History - Cyclical, Liner, Idealist, Materialist, Sociological, Comparative, Structural, Ecological and Post-modernist. Approached to History - Theological, Orientalist, Imperialist, Nationalist, Marxist, Subaltern, and Post-modernist.

Section - III

Major Philosophies and Meta-historical Visions of History and Culture : Western—Hegel, Marx, Spengler, Toynbee. Major Philosophies and Metahistorical Visions of History and Culture; Indian- Aurobindo, Govind Chandra Pande and Yash Dev Shalya.

Recommended Readings :

1. V.S. Agrawala : Itihasa Darshana (in Hindi), Varanasi
2. Buddha Prakash : Itihasa Darshana (in Hindi), Lucknow, 1962
3. G. C. Pande (ed.) : Itihasa - Swarupa evam Siddhanta (in Hindi), Jaipur
4. E.H. Carr : What is Histroy, London, 1962. (Also in Hindi)
5. R.G Collingwood : The Idea of History, Oxford, 1961
6. M. C. Lemon : Philosophy of History (A Guide for Students)
7. E. Sreedharan : A Textbook of Historiography (500 B.C. to A.D. 2000), Orient Longman, New Delhi, 2005
8. Paul Hamilton : Historicism
9. William Dray . Perspectives on History

10. C. Behan McCullah : The Truth of History
: The Logic of History (Putting Postmodernism in Perspective)
11. Satish K. Bajaj : Recent Trends in Historiography, New Delhi, 1988
12. Ranajit Guha (ed.) : Subaltern Studies, Vols. 1, 2, 3 & 4, Oxford University Press. New-Delhi, 1982.
13. V.S. Pathak : Ancient Historians of India, Gorakhpur, 1984
14. U.N. Ghoshal : Studies in Indian History and Culture, Bombay, 1965
15. Mohibbul Hasan : Historians of Medieval India, Meerut, 1968
16. C.H. Philips (ed.) : Historians of India, Pakistan and Ceylon, London, 1961
17. S.P. Sen (ed.) : Historians and Historiography in Modern India, Calcutta, 1976
18. Keith Jenkins (ed.) : The Postmodern History Reader, London, 1997
19. G.C. Pande : Meaning and Process of Culture
: Value, Consciousness and Culture
: (ed.) Itihasa-Swaroop evam Siddhanta
20. Yash Dev Shalya : Samskriti-Manav Kartritva Ki-Vyakhya
: Samaj-Ek Darshanik Parishilan
: Tattva Chintan

Paper II : (i) Main Currents of Modern World History upto 1900 A.D.

3 hrs. duration 100 Marks

Note : The paper will contain nine questions having three question in each section. Candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each section.

Section - I

Renaissance - its meaning, nature and impact. Reformation and its impact. Counter Reformation. Industrial Revolution -Causes, stages and impact. Debate on transition from feudalism to capitalism.

Section - II

American War of Independence : causes, nature and significance. The French Revolution and its impact. Rise and Fall of Napoleon Bonaparte. Growth of Nationalism - Unification of Germany and Italy.

Section - III

Growth of Imperialism and Colonialism - exploitation of New World. Nature of European Imperialism in China. Modernization of Japan in the 19th Century.

Recommended Readings :

Henry S. Lucas : Renaissance and the Reformation, Harper & Brothers Publishers, New York

S. Harrison Thomson : Europe in Renaissance and Reformation, Prentice Hall, New Jersey, 1972

John N.L. Becker : A History of Geographical Discovery and Voyage, New York, 1963

Thomas S. Ashton : The Industrial Revolution (1760-1830), New York

James Thomson : Napolean Bonaparte : His Rise and Fall, Oxford Univ. Press, New York, 1952

J.A.R. Marriott : Evolution of Modern Europe (1453-1939).

The New Cambridge Modern History, Vol. V to XI (relevant portions).

George Rude : Revolutionary Europe (1783-1815).

Leo Gershoy : The French Revolution and Napoleon

David Thomson : Europe since Napoleon.

Artz : Reaction and Revolution (1814-1832).

J.M. Clapham : The Economic Development of France and Germany, 1815-1914 (relevant portions).

G.R. Parkes : The United States of America.

Harold M. Vinacke : A History of the Far East in Modern Times, Indian Reprint, Ludhiana (Also in Hindi)

K.S. Latourette : History of Japan (Also in Hindi)

G. Beasley : The Modern History of Japan

Richard M. Brace : The Making of the Modern World, New York, 1955.

OR

Paler II : (ii) History of Modern Europe (1789-1913 A.D.)

3 hrs. duration 100 Marks

Note : The paper will contain nine question having three question in each section. Candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each section.

Section - I

The French Revolution (1789) – Causes, phases (1789-99) and consequences. Napoleonic era and its impact. Congress of Vienna (1815). Metternich era - forces of conservatism and restoration of old hierarchies. Revolutionary movements of 1830 and 1848 in Europe.

Section - II

Growth of Nationalism - Unification of Italy and Germany. Domestic and Foreign Policies of Bismark. Agricultural and Industrial Revolutions in England, France and Germany. Establishment of Third Republic in France and its problems.

Section - III

Liberalism and Democracy in Britain. Growth of Imperialism and Colonialism - Exploitation of the New World. Rise of New Imperialism - theories and mechanisms. The Eastern Question - Crimean War (1854-56), Congress of Berlin (1878) and Balkan Wars of 1912-13.

Recommended Readings :

George Rude : Revolutionary Europe (1783-1815).

Lee Gershoy : The French Revolution and Napoleon.

J. Holland Rose : France ki Rajya Kranti aur Napoleon (Hindi)

David Thomson : Europe since Napoleon.

J.S. Schapiro : Modern and Contemporary European History (1815-1952).

J.A.R. Marriot : The Eastern Question.

Spodhgate : Economic History of England.

F. Lee Benns : Europe since 1870.

S.B. Fay : Origins of the World War.

G P. Gooch : History of Modern Europe (also in Hindi)

A.J. Taylor : Struggle for the Mastery of Europe.

Erich Brandenburg : From Bismarck to World War-I

Robertson	:	Bismarck.
Grant & Temperely	:	Europe in the 19th & 20th Century.
J.H. Calphan	:	The Economic Development of France & Germany

OR

Paper II : (iii) History of U.S.A. (1776-1950 A.D.)

3 hrs. duration 100 Marks

Note : The paper will contain nine quistion having three question in each section. Candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each section.

Section - I

Historical Background : The land and indigenous people. Colonization by Europeans. American Revolution and War of Independence - its nature, significance and interpretations. Making of the Constitution. Evolution of American Democracy - Federalists | Jeffersonianism and Jacksonianism. Rise of Political Parties (1840-1860); Role of Judiciary. Monroe Doctrine and Turner's thesis of expansion of frontier. Limitations of the American Democratic system - Blacks and Women.

Section - II

Civil War and Reconstruction. Economic Revolution and Populist Movement. American Imperialism (McKinley and Theodore Roosevelt). Spanish-American War. U.S. Caribbean and Latin American Policy. Open Door Policy. The World War-I and its aftermath- Neutrality, American entry into War. Wilson and Paris Peace Settlement.

Section - III

America between the two World Wars : Hoover and Economic Depression. Franklin D. Roosevelt - the New Deal. Roosevelt's Foreign Policy including the Latin American Policy. Black and Women's movements. American entry into the Second World War and its consequences. American Diplomacy upto 1950 - Truman Doctrine and Cold War.

Recommended Readings :

G.B. Parkes	:	The United States of America
Morrison and Commager	:	The Growth of the American Republic.
L.J. Halle	:	Civilization and Foreign Policy.
Harvey Wish	:	Contemporary America

Max. Lerner	:	American as a Civilization
F.J. Turner	:	Frontier in American History
Bailyn Bernard	:	The Great Republic
Bailyn Bernard	:	The Ideological Origins of the American Revolution
Banarsi Prasad	:	America Ka Itihas
Dee Bronn	:	An Indian History of the American World
Eric Foner	:	America's Black Past.
John Hope Franklin	:	From Slavery to Freedom
John D. Hicks	:	The Federal Union - A History of USA since 1865
W. Pratt	:	A History of the United States Foreign Policy.
James Randall, et.al.	:	The Civil War and Reconstruction
Dwijendra Tripathi and S.C. Tiwari	:	Themes and Perspectives in American History

OR

Paper II : (iv) History of China and Japan (1839-1945 A.D.)

3 hrs. duration **100 Marks**

Note : The paper will contain nine question having three question in each section. Candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each section.

Section - I

The opening of China. The Opium War. Tai ping Rebellion. Scramble for China. Rise of Nationalism in China. The Chinese Revolution of 1911. Role of Sun-Yat-Sen. His ideas. Chiang Kai-Shek's leadership. Split in Kuomin-tang Party. Chiang's Anti Communist Policy and his failure. Japanese Invasion of Manchuria.

Section - II

Rise of Communism in China. Communist Programme. Long March. Consolidation of Communists in North-West China and World War-II Civil War in China. Victory of Communists and establishment of the People's Republic of China. Mao-Tse-Tung's ideas and role. Japan's contact with the West. Western intervention, Revolution of 1867. Abolition of Shogunate and Meiji Restoration, Political Awakening, Modernisation of Japan.

(10)

Section - III

Emergence of Japan as a World Power. [illegible] Russo-Japanese War, World War I. Japan and Washington [illegible] Imperialist Japan and the World War II. Manchurian Crisis. [illegible] defeat and surrender in 1945.

Recommended Readings :

Reisner & Fairbank : East Asia, Vol. No. II
H.F. Mac Nair and D.F. Lach : Modern Far Eastern International Relations.
P.H. Clyde : The Far East (Also in Hindi)
H.M. Vinacke : A History of the Far East in Modern Times (Also in Hindi)
Chitoshi Yanaga : Japan Since Perry.
K.S. Latourette : A Short History of the Far East.
W.G. Beasley : The Modern History of Japan
George M.Beckmann : Modernization of China and Japan
Jean-Chesneaux, et al : China from Opium War to 1911 Revolution
Jean Chesneaux, et al : China from the 1911 Revolution to Liberation
Nathaniel Peffer : The Far East : A Modern History.
Kenneth B. Pyle : The Making of Modern Japan
John K. Fairbank, et al : East Asia : Modern Transformation

OR

Paper II : (v) History of Russia (1860-1945 A.D.)

3 hrs. Duration 100 Marks

Note : The paper will contain nine question having three question in each section. Candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each section.

Section - I

Reforms of Tsar Alexander II - Abolition of Serfdom, its results and effect on Industrial development of Russia. Reform of Local Government, Judiciary and Education. Domestic Policy of Tsar Alexander III and Nicholas II. The revolutionary democratic ideas of Herzen, Chernyshevsky and Dobroliuvov. The Narodniks and their contribution to the Revolutionary Movement : Causes of their failure.

The rise of Social Democratic Party and Emergence of Marxist ideology in Russia. Pickhanov and Lenin's contribution to the Revolutionary Movement. The split between the Bolsheviks at the London Party Congress of the RSDLP in 1903.

Section - II

The Revolution of 1905-1907–causes, character and reasons for its failure. The Reforms of Struve, the Duma and the Causes of the failure of Representative Government in Russia.

Foreign Policy of Tsarist Russia, Russia's interest in the Balkans and the Near East. The Berlin Congress. Relations with Germany, the Franco-Russian Alliance. Expansion of Tsarist Russia in Central Asia (1864-1885). Policy towards Iran and Afghanistan. Rivalry with Britain—causes and effects. The Anglo-Russian Convention of 1907.

Section - III

Russia in the Far East. Russo-Japanese War. Russian diplomacy in the Balkans on the eve of the First World War. The development of Art, Literature, and Music in the later half of the 19th century. Russia during the first World War. The February and October Revolution, 1917. Lenin, Role and Ideas. Lenin's New Economic Policy. Stalin and his Policies. New Constitution of Soviet Union (1936). Soviet Foreign Policy and World War-II.

Recommended Readings :

Summoner	:	Survey of Russian History
Vernadsky	:	History of Russia (also in Hindi)
Nicholas V. Riasanovasky	:	A History of Russia
Christopher Hill	:	Lenin and The Russian Revolution
B. Paree	:	History of Russia
G. V. Rauch	:	A History of Soviet Russia
Sidney Harcave	:	Russia - A History.

OR

Paper II : (vi) History of England (1815-1919 A.D.)

3 hrs. duration **100 Marks**

Note : The paper will contain nine question having three question in each section. Candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each section.

Section - I

England in 1815, Social unrest, Growth of Democracy. Acts o

Syllabus : M.A. History

1832, 1867, 1884. Woman Suffrage Movement. Chartist [illegible] Parliamentary Act of 1911. Growth of Liberalism. Policy of [illegible] Ministries of Peel and Gladstone, Growth of Education [illegible] Trade Union Movement and Birth of Labour Party.

Section - II

Policy towards the Empire, Durham Report. British North America Act and Policy of Joseph Chamberlain and the World War I, Irish Home Rule Movement. British Foreign Policy of : Canning, Gladstone, Disraeli, Salisbury.

Section - III

Twentieth Century England upto 1919: Giving up the policy of Splendid Isolation. Edwardian Liberalism. England's Policy towards Germany, France and Russia. England and World War-I and Paris Peace Settlement.

Recommended Readings :

E.L. Woodword	:	Age of Reform (1815-1870)
R.C.K. Ensor	:	England (1870-1914)
J.A.R. Marriott	:	England since Waterloo (also in Hindi)
J.A.R. Marriott	:	Modern England (1885-1945) (also in Hindi)
Pauline Greig	:	A Social and Economic History of Britain (1760-1950)
R.W Seton Watson	:	Cambridge History of British Policy, Vols. II & III - Britain in Europe (1789-1914)
G.M. Trevelyan	:	British History in the 19th Century and After.
Ramsay Muir	:	A Short History of British Commonwealth, Vol. II
Paul Knapland	:	The British Empire (1815-1939)

Paper III : Twentieth Century World (1900-2000 A.D.)

3 hrs. duration 100 Mark

Note : The paper will contain nine question having three question in each section. Candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each section.

Section - I

An historical overview of the World at the beginning of Twentieth Century

Universi...

World upto 1919 : First World War - Causes and consequences. Paris Peace Settlement and its results. Russian Revolution of 1917 - causes, nature and its impact.

World between two World Wars : League of Nations - its objectives and limitations. The Great Economic Depression and Recovery. Nazism in Germany, Fascism in Italy and Militarism in Japan - nature, processes and consequences.

Section - II

Second World War: Causes and Consequences. Nationalist Movements and the process of Decolonisation. Communist Revolution in China and its impact on World Politics. Formation of the Bipolar World - Cold War and its consequences. Non-Aligned Movement and the Third World. UNO and World Peace. Tensions and Conflicts in Palestine, Kashmir, Cuba, Korea and Vietnam.

Section - III

Social, Economic, Scientific and Technological Developments - Industry, Science, Technology, Communication and Information. Cultural Revolution; Civil Rights Movement; Apartheid; and Feminism. From Bipolar to Unipolar World : Disintegration of the Socialist Block - Causes. Process and Impact. Globalisation - Nature and its Impact. Trends of Terrorism (1990-2000).

Recommended Readings :

William R. Keylor	:	The Twentieth Century World and Beyond
Ian Clark	:	The Post Cold War Order
Paul Gordon Lauren, Gordon A. Craig and ...lexander L. George	:	Force and Statecraft
Langsam	:	World Since 1919.
E.H. Carr	:	International Relations Between the two World Wars.
A. M. Gathorne-Hardy	:	Short History of International Affairs (1920-1939)
...J.P. Taylor	:	Origins of the Second World War
...aul Johnsonn	:	Modern Times
... Dallin and ...W. Lapidus (ed.)	:	The Soviet System-from Crisis to Collapse
...she Lewin	:	The Gorbachev Phenomenon

...rs

...e Indian

Unity.

Karl Polanyi : The Great Transformation ... and Economic Origins ...

E.J. Hobsbawm : The Age of Extremes 1914-1991, New ..., 1996.

Carter V Findley and John Rothey : Twentieth Century World, Boston, 5th ed., 2000.

Norman Lowe : Mastering Modern World History, London, 1997.

Geoffrey Barraclough : An Introduction to Contemporary History.

Paper IV : Group A (i) Ancient Indian History

(Earliest Times to c. 200 B.C.)

3 hrs. duration

100 Marks

Note : The paper will contain nine question having three question in each section. Candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each section.

Section - I

A study of the sources for the history of India from the beginning upto 200 B.C. Palaeolithic and Mesolithic cultures and Rock Art. Concept of the Neolithic and a Study of the Neolithic and Chalcolithic cultures. The Indus Saraswati Civilization : origin, extent and main features - town planning, agrarian base, craft specialisation, trade and commerce, religious beliefs and practices, arts; The problem of urban decline in the late Harappan Cultures.

Section - II

The Vedic literature. The Early Vedic Culture : polity, society, economy and religion. The Later Vedic Culture : polity society, economy and religion. The Vedic Saraswati river and evidence for its historicity. Iron age cultures : Painted Grey ware (PGW) Cultures, Northern Black Polished Ware (NBP) Cultures and Megaliths.

Emergence of Janapadas and Mahajanapadas (600 B.C. to 400 B.C.). Republican States and their functioning. Rise of Magadhan imperialism upto the Nandas.

Section - III

The Mauryan Empire : sources and historiography. Debate over the date and authenticity of the Arthashastra of Kautilya. Chandragupta

Maurya - early epoch, conquests and extent of empire. Ashoka, the Great. Kaling War and its consequences. Ashoka and Buddhism. Ashoka's Dhamma – its nature, characteristics and significance. Nature of Mauryan State and its Administrative organisation. Decline and Downfall of the Mauryan Empire. Mauryan Society and Economy. Mauryan art and architecture. Significance of Mauryan empire in Indian history.

Recommended Readings :

H.D. Sankalia : Prehistory and Protohistory of India and Pakistan, Poona, 1974

H.D. Sankalia : Stone Age Tools - Their Techniques, Names and Provable functions, Deccan College, Poona, Ist ed., 1962.

Vidula Jayaswal : Bharatiya Itihasa ke Adicharana Ki Rooprekha (Puraprastara Kala), (in Hindi), Delhi 1987.

Vidula Jayaswal : Bharatiya Itihasa ka Madhya-Prastara Kala, Delhi, 1989.

Vidula Jayaswal : Bharatiya Itihasa ka Nava-prastara yuga, Delhi, 1987.

Gregory Possehl (ed.) : Harappan Civilisation, Delhi, 1982.

B.B. Lal : India 1947-1997 : New Light on the Indus Civilisation, New Delhi, 1998.

Navratna S. Rajaram & David Frawley : Vedic Aryans and the Origins of Civilisation, New Delhi, 1997.

Vibha Tripathi : The Painted Grey Ware and Iron Age Cultures of Northern India, Delhi, 1976.

Rhys Davids : Buddhist India, Delhi, 1987.

Madan Mohan Singh : Buddha Kalina Samaja aur Dharma, Bihar Hindi Granth Academy, Patna, 1972

K.A.N. Sastri (ed.) : Comprehensive History of India, Vol. II

R. C. Majumdar and A.D. Pusalkar (ed.) : The History and Culture of the Indian People.

Vol. I: The Vedic Age

Vol. II : The Age of Imperial Unity.

H.C. Raychaudhuri	:	Political History of Ancient [illegible] Hindi)
R.K. Mookerji	:	Chandragupta [illegible] in Hindi)
K.A.N. Sastri (ed.)	:	The Age of Nanda and Mauryas (also in Hindi)
V C. Pandey	:	Prachin Bharat Ka Rajnitika Tatha Sanskritik Itihas, Vol. I (in Hindi)
D.R. Bhandarkar	:	Ashoka (also in Hindi)
R.K. Mookerji	:	Ashoka (also in Hindi)
Romila Thapar	:	Ashoka and the Decline of the Mauryas.
Vachaspati Gairola	:	Arthashastra
Mc Crindle	:	Ancient India as described by Megasthenes and Arrian.
R. Shamashastry (ed.)	:	Arthashastra of Kautilya.

OR

Paper IV : Group B (ii) Medieval Indian History (c. A.D. 750-1526)

3 hrs. duration

200 Marks

Note : The paper will contain nine question having three question in each section. Candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each section.

Section - I

Sources for the history of early medieval India (c. 750-1200 A.D.) Political Developments : main activities of the Pratiharas, Palas and Rashtrakutas. Tripartite Struggle. Rise and expansion of Rajput dynasties. Rajput polity, society and culture. The Imperial Cholas and their Administration. Ghaznavid and Ghorid invasions - nature and impact. A brief survey of social and economic changes, developments in religion and philosophy, languages and literature, art and architecture during the period c.750-1200 A.D.

Section - II

Sources for the history of Delhi Sultanate. Establishment and Consolidation of the Delhi Sultanate. Achievements of Iltutmish. Consolidation under Balban. Balban's theory of kingship. The Khalji Revolution. Khalji imperialism and its resistance - expansion of the Sultanate under Alauddin Khalji. His market control system, land revenue and military reforms. Muhammad bin Tughlaq's major

projects. His religious policy. Firuz tughlaq's administrative policy and its consequences. Land revenue system under the Tughlaqs.

Section - III

The disintegration of central authority and the rise of provincial [illegible] - Jaunpur, Malva, Gujarat, Bahamani and Vijayanagar Kingdoms. [illegible] ture of Afghan sovereignty. Achievements of Sikandar Lodi. The [illegible] frontier problems of the Delhi Sultans. The Mongol Invasions [illegible] Central Administrative structure of the Delhi Sultanate. [illegible] and Sufi Movements. Developments in languages and literature;, [illegible] architecture.

Books Recommended.

[illegible] Husain	:	History of the Tughluq Dynasty
M. Habib and	:	A Comprehensive History of India
K.A. Nizami (ed.)	:	Vol. V, The Delhi Sultanate
A.B.M. Habibullah	:	The Foundation of Muslim Rule in India
K. S. Lal	:	History of the Khaljis
R.C. Majumdar (ed.)	:	The History and Culture of the Indian People, Vol. VI, Delhi Sultanate
R.P Tripathi	:	Some Aspects of Muslim Administration
B.N. Puri	:	History of the Gurjara - Pratiharas
Vishuddhanand Pathak	:	Uttar Bharat Ka Rajnitik Itihas (in Hindi)

OR

Paper IV: Group C (iii) Modern Indian History (1756-1905 A.D.)

3 hrs. Duration **100-Marks**

Note : The paper will contain nine questions having three questions in each section. Candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each section.

Section I

Understanding Modern India - sources and interpretations. Establishment of British rule in Bengal 1757-1772. Maratha affairs and the role of Mahadaji and Nana Phadnis. Failure of the Marathas. Anglo-Mysore Relations - Hyder Ali and Tipu. Rise of Sikhs in the later half of the 18th Century. Ranjit Singh's Achievements. Sikh wars and annexation of Punjab.

Section II

British policy towards the Indian States - various state
Annexation of Awadh and Growth of Paramountcy.

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय

NEP 2020 के अनुसार द्विवर्षीय स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम
(2 Year PG Course Structure as per NEP 2020)

M.A. प्रथम वर्ष (प्रश्नपत्र–अंग्रेजी साहित्य)

सत्र 2023–24

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
ग्राम– मदाऊ, पोस्ट– भांकरोटा, जयपुर–302026

M. A. (Previous) English
Annual Scheme -2023-24

Paper I-Modern English Usage, Phonetics and Language
Note: - All questions are compulsory with provision for internal choice.

3 Hrs. Duration **Maximum Marks: 100**

SYLLABUS

1. Grammar and Usage **20 Marks**

(1) Basic sentence types

(ii) Coordination and Subordination (Only finite Clauses)

(iii) Different Concepts or Notions (such as request, order, question, condition, purpose, suggestion, wishes, hope, intention, obligation, contrast, concession)

2. Fallacies **15 Marks**

3. Literary Appreciation **15 Marks**

4. Advanced Comprehension **20 Marks**

5. Aspects of Pronunciation (A knowledge of Phonemic **20 Marks**

Symbols for Sounds of English, Transcription of Words and Word Stress) and Word Structure (Elementary Morphology)

Suggested Readings:

1. A.S. Hornby : A Guide to Patterns and Usage

2. CIEFL-Material on Morphology and Phonology from the Distance Education Dept.

3. George Yule: The Study of Language, CUP (ELBS)

4. Geoffrey Leech: English Grammar for Today (Longman)

5. Praveen K Thaker: Appreciating English Poetry: A Practical Course and Anthology, Orient Longman, 1999

6. Effective English Communication, Krishna Mohan and Meenakshi Rama, Tata McGraw Hill, 2001.

7. Spoken English, V. Sasikumar and P.V. Dhamija, Tata McGraw Hill.

8. L.G.Alexander. Poetry and Prose Appreciationfor Overseas Studente, Longman Group Ltd.

Paper II Elizabethans and Augustans

Duration: 3 hrs **Max. Marks: 100**

Note: Candidates will be required to answer five questions in all. Question No. 1 (four passages for explanation with reference to the context from the starred authors / texts) and four other questions, at least one from each unit. All questions carry equal marks. One of the questions in the paper will be on the literary movements and background pertaining to the authors prescribed. Texts for detailed study are starred.

Section A

Marlowe : *Dr. Faustus

Shakespeare : King Lear, The Tempest

Section B

Bacon : Of Truth, Of Death, Of Revenge, Of Adversity, Of Parents, Of Single and Married Life, Of Envy, Of Love

***Donne** : The following poems from The Metaphysical Poets (ed. Helen Gardner, Rupa & Company, New Delhi): The Canonization, The Sunne Rising The Extasie, Valediction: Forbidding Mourning, Valediction: Of Weeping, The Flea, The Relique, Batter my Heart

Section C

John Milton : Paradise Lost, Book I,

Sheridan : The Rivals

Swift : A Modest Proposal

Pope : The Rape of the Lock

Samuel Johnson : A Journey to the Western Islands of Scotland (travel narrative)

Suggested Readings:

Part 1of 2 of Volumes I, II, III and IV of New Pelican Guide to English Literature ed. Boris Ford

Paper III: Pre-Romantics and Romantics

Duration: 3 hrs. **Max. Marks: 100**

Note: Candidates will be required to answer five questions in all Question No. 1 (four passages for explanation with reference to the context from the starred authors/ texts) and four other questions, at least one from each unit. All questions carry equal marks. One of the questions in the paper will be on the Literary Movements and Background pertaining to the authors prescribed. Texts for detailed study are starred.

Section A

The following poems from the Oxford Book of Eighteenth Century Verse ed.

William Collins : Ode to Simplicity, Ode to Evening

Thomas Gray * : Ode on the Distant Prospect of Eton College, Ode on The Death of a Favourite Cat, The Progress of Poesy

Oliver Goldsmith : The Rivals

Section B

William Wordsworth : The Prelude, Book I

***S.T. Coleridge** : Christable Part I, Kubla Khan

Shelley : Adonais

***Keats** : Ode on a to Grecian Urn, Ode to Nightingale Ode to Melancholy

Section C

Emily Bronte : Wuthering Heights

Mary Shelley : Frankenstein or The Modern Prometheus, OUP Students' Edition, 1818

***Charles Lamb** : The following essays from Essays of Elia (ed. Hailward and Hill, Macmillan) Imperfect Sympathies, Dream Children

William Hazlitt : The following essays from Table Talk (ed. C.M. Macken, Everyman): On Familiar Style, On the Ignorance of the Learned, On going to Journey

Suggested Readings: Part 1 and 2 of Volumes V of New Pelican Guide to English Litergere ed. Boris Ford

(149)
(148)

Paper IV: Victorian Literature

Duration: 3 hrs.
Marks: 100 **Max.**

Note: Candidates will be required to answer five questions in all Question No. 1 (four passages for explanation with reference to the context from the starred authors / texts) and four other questions, at least one from each unit. All questions carry equal marks. One of the questions in the paper will be on the Literary Movements and Background pertaining to the authors prescribed. Texts for detailed study are starred.

Section A

***Robert Browning** : A Grammarian's Funeral, Porphyria's Lover, Andrea Del Sarto

***G.M. Hopkins** : Spring and Fall, Pied Beauty, Carrion Comfort, The Windhover,Felix Randall, God's Grandeur

Section B

Matthew Arnold : The Study of Poetry (from English Critical Texts, ed. Enright and Chickera)

Walter Pater : The Postscript (from Appreciations)

Oscar Wilde : The Importance of Being Earnest

Section C

Charles Dickens : A Tale of Two Cities

Jame Austen : Pride and Prejudice

Thomas Hardy : Tess of the d'urber Villes

Suggested Readings:

Part 1 and 2 of Volumes VI of New Pelican Guide to English Literature ed. Boris Ford

(143)

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय

NEP 2020 के अनुसार द्विवर्षीय स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम
(2 Year PG Course Structure as per NEP 2020)

M.A. (प्रश्नपत्र–संस्कृत)

सत्र 2023–24

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
ग्राम– मदाऊ, पोस्ट– भांकरोटा, जयपुर–302026

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) संस्कृत

सत्र - 2023-24

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा योजना

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा में चार प्रश्न-पत्र होंगे। जिनमें से विद्यार्थी को चारों प्रश्न-पत्र करने हैं। प्रथम प्रश्न-पत्र में नियमित विद्यार्थी विकल्प का चयन कर सकते हैं। प्रत्येक का पूर्णांक 100 अंक का तथा समय की अवधि तीन घंटे निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जायेंगे। चारों प्रश्नपत्र अनिवार्य हैं।

प्रथम प्रश्न-पत्र	वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान [नियमित एवं स्वयंपाठी दोनों छात्रों के लिए] अथवा ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त [केवल नियमित छात्रों के लिए]
द्वितीय प्रश्न-पत्र	ललित साहित्य तथा नाटक
तृतीय प्रश्न-पत्र	भारतीय दर्शन
चतुर्थ प्रश्न-पत्र	भारतीय काव्य शास्त्र एवं व्याकरण

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) संस्कृत

सत्र - 2023-24

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा योजना।

प्रथम पत्र → वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान

समय - 3 घंटे

कुल पूर्णांक - 100

1. ऋग्वेद निम्न सूक्तों का अध्ययन (अग्नि - 1.12, इन्द्र - 2.12, रुद्र - 2.33, विष्णु - 1.154, श्रद्धा - 10, वरुण - 7.86, वाक् - 10.125, पुरुष - 10.90, नासदीय - 10.129, हिरण्यगर्भ - 10.121।	30 अंक
2. यजुर्वेद (अध्याय 34) - शिवसंकल्पसूक्त - दो मन्त्रों में से एक की व्याख्या	5 अंक
3. अथर्ववेद (12.1) पृथिवी सूक्त (भूमिसूक्त) 1-18 मन्त्र	10 अंक
4. निरुक्त - यास्क (प्रथम अध्याय)	25 अंक
5. भाषा विज्ञान - (परिभाषा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारणस्थान, ध्वनियाँ, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि-नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ-परिवर्तन के कारण, संस्कृत और पालि, संस्कृत और प्राकृत)	30 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

(3) (152)

1. ऋग्वेद	ऋग्वेद के निर्धारित सूक्तों में से चार मंत्रों में से 2 मन्त्रों की व्याख्या जिनमें से एक हिन्दी और एक संस्कृत में करनी होगी।	20 अंक (10+10)
	2. पदपाठ	4 अंक
	3. दो देवताओं में से एक देवता का स्वरूप	6 अंक
2. यजुर्वेद	यजुर्वेद के निर्धारित भाग से 2 मन्त्रों में से 1 की व्याख्या	5 अंक
3. अथर्ववेद	2 मन्त्रों में से 1 की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
4. निरुक्त	1) चार अवतरणों में से दो की व्याख्या	15 अंक (7.5+7.5)
	2) आठ पदों में से चार पदों का निर्वचन	10 अंक (2.5×4)
5. भाषा विज्ञान	1) रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त दो में से एक प्रश्न करना होगा।	10 अंक
	2) उच्चारण स्थान, ध्वनियाँ, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि-नियम। दो में से एक	10 अंक
	3) भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियाँ, अवेस्ता, पालि और प्राकृत। दो में से एक प्रश्न	10 अंक
	योग	100 अंक

एम.ए. पूर्वार्द्ध . प्रथम - प्रश्नपत्र

(15) (क)

ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त

प्रायोगिक परीक्षा - 40 अंक

सैद्धान्तिक परीक्षा - 60 अंक

पूर्णांक - 100 अंक

अंक विभाजन

1. भारतीय ज्योतिष का इतिहास — 20 अंक
2. हस्तरेखा विज्ञान प्रथम एवं द्वितीय खण्ड — 20 अंक
   — गोपेश कुमार ओझा
3. फलित खण्ड — 20 अंक
4. प्रायोगिक परीक्षा — 40 अंक

कुल योग — 100 अंक

विस्तृत अंक विभाजन —

1. भारतीय ज्योतिष का इतिहास	वैदिक वेदांग एवं पुराणकाल एवं पाराशर, आर्यभट्ट प्रथम व द्वितीय वराहमिहिर भास्कराचार्य, कल्याणवर्मा, लीलाधर, केशव, रविदत्त, जगन्नाथ सम्राट, आचार्य जैमिनी तथा बापूदेव शास्त्री (इन पर चार प्रश्न पूछे जायेंगे)	20 अंक (10+10)
2. हस्तरेखा विज्ञान	(1) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(2) चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	10 अंक (5+5)
3. फलितखण्ड	फलादेश के सामान्य सिद्धान्त. उत्तर भारतीय जन्मकुण्डली के आधार पर बारह भावों के फलादेश, नवग्रहों के स्वरूप, द्वादश राशियों का स्वरूप. बारह भावों के कारक-ग्रह, ग्रहों के अधिकार क्षेत्र, मैत्री/पंचधा मैत्री, ग्रहों के कालांश, विवाह गुण मिलान की वैज्ञानिकता	
	(1) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	8 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक का संक्षेप में उत्तर	12 अंक

प्रायोगिक परीक्षा	पञ्चांग, हस्तरेखा, विज्ञान एवं फलित खण्ड पर आधारित होगी। इन विषयों से सम्बन्धित सामान्य व विशिष्ट प्रश्न किये जायेंगे (20 प्रतिशत अंक अर्थात 8 अंक संस्कृत माध्यम से अभिव्यक्ति के लिए निर्धारित होंगे)	40 अंक
	कुल योग	100

द्वितीय प्रश्न-पत्र

ललित साहित्य एवं नाटक

समय - तीन घण्टे

पूर्णाङ्क - 100 अंक

अंक-विभाजन -

1. मेघदूत - कालिदास — 35 अंक
2. मध्यम व्यायोग - भास — 25 अंक
3. मृच्छकटिकम् - शूद्रक — 40 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन -

1. मेघदूत	(1) चार श्लोक (2 श्लोक पूर्वार्द्ध और 2 श्लोक उत्तरार्द्ध भाग में से) पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या जिनमें से एक की व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
2. मध्यम-व्यायोग	(1) चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक (7.5+7.5)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3. मृच्छकटिकम्	(1) चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(3) दो सूक्तियों में से एक सूक्ति की व्याख्या	10 अंक
	कुल योग	100

तृतीय प्रश्न-पत्र (6)

भारतीय-दर्शन

समय-तीन घंटे

पूर्णाङ्क 100 अंक

[अं]क विभाजन –

1. सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण —— 30 अंक
2. तर्कभाषा (सामान्यवादपर्यन्त) - केशवमिश्र - 30 अंक
3. वेदान्तसार - सदानन्द —— 20 अंक
4. योगसूत्रम् (प्रथम व द्वितीय पाद) - पतञ्जलि - 20 अंक

[वि]स्तृत अंक विभाजन –

1. सांख्य-कारिका	(1) चार कारिकाओं में से दो की सप्रसंग व्याख्या (इनमें से एक संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
2. तर्क-भाषा	(1) चार में से दो की व्याख्या	20 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3. वेदान्तसार	(1) दो उद्धरणों में से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
4. योग-सूत्रम्	(1) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	10 अंक (5+5)
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा में।	
	कुल योग	100 अंक

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

समय- तीन घंटे

(15) (15)

अंक विभाजन -

पूर्णांक - 100 अंक

1. साहित्य-दर्पण (1, 2 परिच्छेद, तृतीय परिच्छेद कारिका 29 तक) - विश्वनाथ - 25 अंक
2. नाट्यशास्त्र (षष्ठ - अध्याय) - भरतमुनि - 15 अंक
3. काव्यालंकार (भामह) - प्रथम अध्याय - 20 अंक
4. साहित्यशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ, चिन्तक एवं सिद्धान्त (सामान्य) - 20 अंक
5. प्रक्रिया भाग - लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्त, हलन्त, परस्मैपद, आत्मनेपद) - 20 अंक

निर्धारित अंक - विभाजन -

1. साहित्यदर्पण	(1) चार कारिकाओं/उद्धरणों में से दो की व्याख्या (जिनमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	18 अंक (9+9)
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
2. नाट्य-शास्त्र	(1) दो कारिकाओं में से एक की व्याख्या	8 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
3. काव्या-लंकार	चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या (जिनमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	20 अंक
4. साहित्य-शास्त्र	(1) ग्रन्थ, चिन्तक में से दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(2) सिद्धान्त सम्बन्धी दो प्रश्न में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
5. प्रक्रिया-भाग	(1) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8 अंक
	(2) छह सिद्धियों में से तीन सिद्धियाँ	12 अंक
	कुल योग	100 अंक

परीक्षा प्रणाली

एम.ए. संस्कृत (पूर्वार्द्ध) परीक्षा–

एम.ए. पूर्वार्द्ध की परीक्षा मे चार प्रश्नपत्र होंगे। जिनमें से विद्यार्थी को चारों प्रश्नपत्र करने हैं। प्रथम प्रश्न पत्र में नियमित विद्यार्थी विकल्प का चयन कर सकते हैं। प्रत्येक का पूर्णांक 100 अंक का तथा समय की अवधि तीन घंटे निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जायेंगे। चारों प्रश्नपत्र अनिवार्य हैं।

प्रथम प्रश्न–पत्र	वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान **(नियमित एवं स्वयंपाठी दोनो छात्रों के लिए)** **अथवा** ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त **(केवल नियमित छात्रों के लिए)**
द्वितीय प्रश्न–पत्र	ललित साहित्य तथा नाटक
तृतीय प्रश्न–पत्र	भारतीय दर्शन
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

एम. ए. संस्कृत (उत्तरार्द्ध) परीक्षा–

इस परीक्षा में पांच प्रश्न–पत्र होंगे। प्रस्तावित विषय वर्गों में से एक वर्ग का चयन करना होगा, जिसके तीन प्रश्नपत्र प्रतिवर्ग निर्धारित हैं। चतुर्थ एवं पंचम पत्र सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हैं। सभी पत्रों का समय तीन घंटे की अवधि का रहेगा तथा सभी पत्र 100 अंक के निश्चित किये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न–पत्र मे 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु सुरक्षित हैं। पूर्वार्द्ध की परीक्षा मे 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित परीक्षार्थी के लिए उत्तरार्द्ध के पंचम प्रश्न–पत्र के स्थान पर लघुशोध प्रबन्ध का विकल्प भी उपलब्ध है।

वर्ग 'अ' साहित्य

प्रथम पत्र	साहित्यशास्त्र
द्वितीय पत्र	नाटक तथा नाट्यशास्त्र
तृतीय पत्र	(i) गद्य, पद्य तथा चम्पू, अथवा (ii) कालिदास का विशिष्ट अध्ययन (iii) अथवा महाकवि भास का विशिष्ट अध्ययन (तीनो में से कोई एक)

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

प्रथम पत्र	संहिता पाठ
द्वितीय पत्र	ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ
तृतीय पत्र	वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रक्रिया

वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

प्रथम पत्र	न्याय और वैशेषिक दर्शन
द्वितीय पत्र	शैवागम, सांख्य दर्शन और दर्शनशास्त्र
तृतीय पत्र	वेदान्त, मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन

वर्ग 'द' धर्मशास्त्र

प्रथम पत्र	सूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास
द्वितीय पत्र	स्मृति शास्त्र
तृतीय पत्र	निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित्त ज्ञान

वर्ग 'एफ' ज्योतिषशास्त्र

प्रथम पत्र	ज्योतिषविज्ञान, खगोल एवं ताजिकशास्त्र
द्वितीय पत्र	वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त
तृतीय पत्र	जन्मपत्र–निर्माण फलादेश के सिद्धान्त

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य

चतुर्थ पत्र	व्याकरण एवं निबन्ध
पंचम पत्र	प्राचीन साहित्य, अथवा आधुनिक संस्कृत साहित्य अथवा लघुशोधप्रबन्ध (नियमित छात्रों के लिए)

अवधेयम् –

1– प्रत्येक प्रश्नपत्र में निर्धारित पाठ्य विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास,काव्यशास्त्रीय पक्ष, समालोचनात्मक तथ्य आदि से संबद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे परीक्षार्थी के तत्सम्बन्धी ज्ञान का परीक्षण हो सके।

2– प्रत्येक प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा, किन्तु परीक्षार्थी को यह छूट है कि वह उस प्रश्न विशेष के अतिरिक्त जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

एम०ए० (पूर्वार्द्ध) संस्कृत-

प्रथम पत्र – वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान

समय – तीन घंटे

पूर्णांक – 100

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– ऋग्वेद निम्न सूक्तों का अध्ययन (अग्नि–1, 12, इन्द्र– 2, 12, रुद्र–2, 33, विष्णु–1, 154, अक्ष–10, 34, वरुण– 7, 86, वाक्–10, 125, पुरुष–10, 90, नासदीय–10, 129, हिरण्यगर्भ– 10, 121)	30 अंक
2– यजुर्वेद (अध्याय 34) – शिवसंकल्पसूक्त–दो मंत्रों में से एक की व्याख्या	5 अंक
3 – अथर्ववेद (12, 1) पृथिवी सूक्त (भूमि सूक्त) 1 से 19 मंत्र	10 अंक
4– निरुक्त–यास्क (प्रथम अध्याय)	25 अंक
5– भाषा विज्ञान – (रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनियाँ, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि–नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ–परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों का विकास, संस्कृत और अवेस्ता, संस्कृत और पालि, संस्कृत और प्राकृत)।	30 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–ऋग्वेद	ऋग्वेद के निर्धारित सूक्तों में से चार मंत्रों में से 2 मन्त्रों की व्याख्या जिनमें से एक हिन्दी में और एक संस्कृत में करनी होगी।	20 अंक (10+10)
	2– पदपाठ	4 अंक
	3– दो देवताओं में से एक देवता का स्वरूप	6 अंक
2–यजुर्वेद	यजुर्वेद के निर्धारित भाग से 2 मन्त्रों में से 1 की व्याख्या।	5 अंक
3– अथर्ववेद	2 मन्त्रों में से 1 की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
4– निरुक्त	1) चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या	15 अंक(7.5+7.5)
	2) आठ पदों में से चार पदों की निर्वचन	10 अंक (2.5X4)

5–भाषा विज्ञान	1) रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त दो में से एक प्रश्न करना होगा।	10 अंक
	2) उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम। दो में से एक प्रश्न।	10 अंक
	3) भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण संस्कृत ध्वनियां, अवेस्ता, पालि और प्राकृत। दो में से एक प्रश्न।	10 अंक
	कुल योग	100अंक

सहायक पुस्तकें और संस्तुत पुस्तकें

क– वैदिक साहित्य

1–ऋक्सूक्त वैजयन्ती– डॉ. एच.डी. वेलनकर (पूना से प्रकाशित)
2–ऋक्सूक्त समुच्चय– डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3–वैदिक वाङ्मय – एक परिशीलन – ब्रजबिहारी चौबे
4–वैदिक स्वरबोध – ब्रजबिहारी चौबे
5–ऋग् भाष्यसंग्रह – देवराज यज्वन्
6–वैदिक व्याकरण – ए.ए. मेक्डोनल
7–वैदिक व्याकरण – डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डे
8–वैदिक स्वरमीमांसा – श्री युधिष्ठिर मीमांसक
9–ऋग्वेद चयनिका – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
10–वेद विज्ञान – कर्पूरचन्द्र कुलिश, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
11–छन्दःसमीक्षा – स्वामी सुरजनदास, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

ख– भाषा–विज्ञान

1–एन इन्ट्रोडक्शन टू कम्परेटिव फिलोलोजी, गुणे, ओरियंटल बुक एजेंसी, पूना
2–लिंग्विस्टिक इन्ट्रोडक्शन टू संस्कृत – बटकृष्ण घोष, इण्डियन इन्स्टीट्यूट, कोलकाता।
3–तुलनात्मक भाषाशास्त्र – डॉ0 मंगलदेव शास्त्री
4–भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
5–संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. भोलाशंकर व्यास – भारतीय ज्ञानपीठ, काशी।
6–संस्कृत भाषाविज्ञान – डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7–एलीमेंट्स ऑफ दी साईन्स ऑफ लैंग्वेज, तारापोरवाला, हिन्दी अनुवाद, मध्यप्रदेश हिन्दी अकादमी
8–भाषा का इतिहास – श्रीभगवद्दत्त
9–संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक अध्ययन– देवीदत्त शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी।

अथवा

एम.ए. पूर्वार्द्ध–प्रथम प्रश्नपत्र– ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त

प्रायोगिक परीक्षा 40 अंक
सैद्धान्तिक परीक्षा 60 अंक
पूर्णांक – 100 अंक

समय – तीन घंटे

अधीयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं। प्रश्नपत्र में 60 अंक लिखित परीक्षा के लिए तथा 40 अंक प्रायोगिक परीक्षा के लिए निर्धारित होंगे। (लिखित परीक्षा के 60 अंक होंगे के कारण 20 प्रतिशत अर्थात् 12 अंक लिखित परीक्षा में संस्कृत भाषा के माध्यम के लिए निर्धारित होंगे शेष 48 अंक हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत माध्यम से दिये जायेंगे)

1– भारतीय ज्योतिष का इतिहास	20 अंक
2– हस्तरेखा विज्ञान प्रथम एवं द्वितीय खण्ड–गोपेश कुमार ओझा	20 अंक
3– फलित खण्ड	20 अंक
4– प्रायोगिक परीक्षा	40 अंक
कुल योग	100 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–भारतीय ज्योतिष का इतिहास	(1) वैदिक वेदांग एवं पुराणकाल एवं पाराशर, आर्यभट्ट प्रथम व द्वितीय वराहमिहिर भास्कराचार्य, कल्याणवर्मा, लीलाधर, केशव राजदैवज्ञ, जगन्नाथ सम्राट, आचार्य जैमिनी तथा बापूदेव शास्त्री इन पर चार प्रश्न पूछे जायेंगे।	20 अंक (10+10)
2– हस्तरेखा विज्ञान	(1) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(2) चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	10 अंक (5+5)
3– फलितखण्ड	फलादेश के सामान्य सिद्धान्त, उत्तर भारतीय जन्मकुण्डली के आधार पर बारह भावों के फलादेश, नवग्रहों का स्वरूप, द्वादश राशियों का स्वरूप, बारह भावों के कारक ग्रह, ग्रहों के अधिकार क्षेत्र, मैत्री, पंचधा मैत्री, ग्रहों के कालांश, विवाह गुण मिलान की वैज्ञानिकता।	
	(1) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	8 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर	12 अंक

4–प्रायोगिक परीक्षा	(1) पंचांग, हस्तरेखा विज्ञान एवं फलित खण्ड पर आधारित होगी। इन विषयों से सम्बन्धित सामान्य व विशिष्ट प्रश्न किये जायेंगे। (20 प्रतिशत अंक अर्थात् 8 अंक संस्कृत माध्यम से अभिव्यक्ति के लिए निर्धारित होंगे)	40 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– गण तरंगिणी–बापूदेव शास्त्री।
2– भारतीय ज्योतिष का इतिहास–शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
3– भारतीय ज्योतिष–नेमीचन्द शास्त्री।
4– हस्तरेखा विज्ञान–गोपेश कुमार ओझा।
5– फलित प्रबोधिनी–डॉ. विनोद शास्त्री, राज. ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, जयपुर।
6– ज्योतिष प्रारंभिकी– डॉ. विनोद शास्त्री, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर।
7– ज्योतिष सर्वस्व–डॉ. सुरेश चन्द मिश्रा, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली।

द्वितीय प्रश्नपत्र – ललित साहित्य एवं नाटक

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अध्येयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– मेघदूत–कालिदास	35 अंक
2– मध्यम व्यायोग–भास	25 अंक
3– मृच्छकटिकम्–शूद्रक	40 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–मेघदूत	(1) चार श्लोक (2 श्लोक पूर्वार्द्ध और 2 श्लोक उत्तरार्द्ध भाग में से) पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या (जिनमें से एक की व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य)	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
2–मध्यमव्यायोग	(1) चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक (7.5+7.5)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक

3–मृच्छकटिकम्	(1) चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(3) दो सूक्तियों में से एक की संस्कृत व्याख्या	10 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– संस्कृत के संदेश काव्य – डॉ० रामकुमार आचार्य
2– मेघदूत–कालिदास–व्याख्या – डॉ० रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3– मध्यम व्यायोग– भास नाटक चक्रम्
4– मृच्छकटिकम् – रमाशंकर त्रिपाठी
5– मृच्छकटिकम् – डॉ० श्रीनिवास शास्त्री
6– मृच्छकटिकम्–शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन – डॉ० शालगराम द्विवेदी

तृतीय प्रश्नपत्र – भारतीय दर्शन

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण	30 अंक
2– तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्त), केशवमिश्र	30 अंक
3– वेदान्तसार,– सदानन्द	20 अंक
4–योगसूत्रम् (प्रथम व द्वितीय पाद) पतंजलि	20 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–सांख्यकारिका	(1) चार कारिकाओं में से दो की सप्रसंग व्याख्या (इनमें से एक संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
2– तर्कभाषा	(1) चार में से दो की व्याख्या	20 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3– वेदान्तसार	(1) दो उद्धरणों में से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक

5– योगसूत्रम्	(1) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	10 अंक (5+5)
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा में।	10 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– सांख्यकारिका (युक्तिदीपिका सहित) सं० रमाशंकर त्रिपाठी
2– सांख्यतत्त्वकौमुदी – रमाशंकर भट्टाचार्य
3– तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्बा, वाराणसी
4– तर्कभाषा – आचार्य बदरीनाथ शुक्लकृत हिन्दी व्याख्या, चौखम्बा, वाराणसी
5– वेदान्तसार – सन्तराम श्रीवास्तव
6– वेदान्तसार – डॉ० शिवसागर त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
7– सर्वदर्शनसंग्रह – माधवाचार्य
8– अद्वैतवेदान्त में आभासवाद – डॉ० सत्यदेव मिश्र, इंदिरा प्रकाशन, पटना।
9– अर्थसंग्रह– लौगाक्षिभास्कर–चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
10– भारतीय दर्शन–संपादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
11– भारतीय दर्शन– डॉ० बलदेव उपाध्याय
12– इन्ट्रोडक्शन टु इण्डियन फिलासफी –दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी व अंग्रेजी संस्करण)
13– भारतीय न्यायशास्त्र– महेन्द्रमित्र अवस्थी (इन्दु प्रकाशन, दिल्ली)
14– भारतीय दर्शन –डॉ० उमेश मिश्र (हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश सरकार, लखनउ

चतुर्थ प्रश्नपत्र – भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

समय – तीन घंटे पूर्णांक–100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– साहित्यदर्पण(1,2 परिच्छेद, तृतीय परिच्छेद कारिका 29 तक)–विश्वनाथ	25 अंक
2– नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय) – भरत	15 अंक
3– काव्यालंकार (भामह) प्रथम अध्याय	20 अंक
4– साहित्यशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ, चिन्तक एवं सिद्धान्त (6 सम्प्रदाय)	20 अंक
5– प्रक्रिया भाग–लघुसिद्धान्तकौमुदी (प्यन्त, सन्नन्त, आत्मनेपद, परस्मैपद)	20 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1–साहित्यदर्पण	(1) चार कारिकाओं/उद्धरणों में से दो की व्याख्या (जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	18 अंक(9+9)
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर।	7 अंक
2– नाट्यशास्त्र	(1) दो कारिकाओं में से एक की व्याख्या	8 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर।	7 अंक
3– काव्यालंकार	(1) चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या (जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	20 अंक
4–साहित्यशास्त्र	(1) ग्रन्थ, चिन्तक में से दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर (2) सिद्धान्त संबंधी दो प्रश्न में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक 10 अंक
5– प्रक्रियाभाग	(1) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8 अंक
	(2) छहः सिद्धियों में से तीन सिद्धियां	12 अंक
	कुल योग	100 अंक

संस्तुत पुस्तकें –

1–साहित्यदर्पण – डॉ0 निरूपण विद्यालंकार
2–साहित्यदर्पण–शेषराज रेग्मी
3–साहित्यदर्पण–शालगराम शास्त्री
4–नाट्यशास्त्र– सम्पादक डॉ0 भोलानाथ शर्मा– साहित्य निकेतन, कानपुर
5–भरतनाट्यशास्त्र– डॉ0 ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आकिर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
6–नाट्यशास्त्र– डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
7–नाट्यशास्त्र– डॉ. रामसिंह चौहान, – महालक्ष्मी (रसोऽध्याय) प्रकाशन आगरा
8–काव्यालंकार– भामह बटुकनाथ शर्मा
9–अलंकारशास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्णकुमार
10–हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर– डॉ. पी.वी. काणे(काणे व हिन्दी संस्करण)
11–संस्कृत पोईटिक्स– एस.के.डे.(अंग्रजी व हिन्दी संस्करण)
12–भारतीय साहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय
13–लघुसिद्धान्तकौमुदी– भीमसेन शास्त्री
14–लघुसिद्धान्तकौमुदी– महेशसिंह कुशवाह
15–लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर

(166)

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत–

वर्ग अ साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र– साहित्यशास्त्र

समय --तीन घण्टे **पूर्णांक–100 अंक**

अध्येयन्– प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जोगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. काव्यप्रकाश (1 से 8 उल्लास) – मम्मट(सप्तम उल्लास में रसदोषमात्र) 50 अंक
2. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) आनन्दवर्धन 25 अंक
3. वक्रोक्तिजीवितम्(प्रथम उन्मेष) कुन्तक 25 अंक

विस्तृत अंक– विभाजन

1. काव्यप्रकाश
   1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या 15+15=30 अंक
   2. वृत्तिभाग से 2 उद्धरण पूछकर एक की संस्कृत में व्याख्या 10 अंक
   3. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक
2. ध्वन्यालोक
   1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य 10+10= 20 अंक
   2. दो टिप्पणी में से एक का विवेचन 5 अंक
3. वक्रोक्तिजीवितम्
   1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या 7.5+7.5=15 अंक (7½ + 7½ = 15)
   2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक

कुलयोग **100 अंक**

सहायक पुस्तकें–

1– डॉ० पी०वी० काणे – हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर
2– रस सिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा – प्रो० सुरजनदास स्वामी – प्रकाशक नीरज शर्मा, जयपुर
3– संस्कृत पोइटिक्स– एस०के०डे
4– भारतीय साहित्यशास्त्र–बलदेव उपाध्याय

5– काव्यशास्त्र – डॉ. विक्रमादित्य राय
6– भारतीय साहित्यशास्त्र की रूपरेखा –डॉ० त्र्यम्बक देशपांडे
7– रसालोचनम् – डॉ० ब्रह्मानंद शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
9– काव्यप्रकाश – मम्मट व्याख्या – डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
10–काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, ज्ञान मण्डल, वाराणसी
11–ध्वन्यालोक – आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि
12–ध्वन्यालोक – डॉ० पारसनाथ द्विवेदी
13–रसगंगाधर – आचार्य बद्रीनाथ झा
14–रसगंगाधर – नागेशभट्ट कृत मर्मप्रकाश, मधुसूदनी–संस्कृत टीका व बालक्रीड़ा हिन्दी टीका।
15–वक्रोक्तिजीवितम् – राधेश्याम मिश्र
16– वक्रोक्तिजीवितम् – प्रथम व द्वितीय उन्मेष – डॉ० दशरथ द्विवेदी

द्वितीय पत्र – नाटक तथा नाट्यशास्त्र

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– दशरूपकम् – धनंजय (प्रथम, द्वितीय व चतुर्थ प्रकाश मात्र)	35 अंक
2– वेणीसंहार – भट्टनारायण	20 अंक
3– उत्तररामचरितम्– भवभूति	35 अंक
4– पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – विरेचन सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त (अरस्तू), उपयोगितावाद, अभिव्यक्तिवाद	10 अंक
कुल अंक	100 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–दशरूपकम्	(1) चार कारिकाओं में से एक की संस्कृत व्याख्या एवं एक की हिन्दी व्याख्या	20 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
2– वेणीसंहार–	(1) दो श्लोकों में से 1 की हिन्दी में व्याख्या	10 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3–उत्तररामचरितम्	(1) चार श्लोकों में से दो की व्याख्या (एक की संस्कृत में)	20 अंक(10+10)
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
4–पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास	(1) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– अभिनवगुप्त – अभिनवभारती
2– टाइम्स ऑफ संस्कृत ड्रामा – मनकन्द
3– भरत नाट्यशास्त्र, डॉ० ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
4– नाट्यशास्त्रम्, भरतमुनि प्रणीत, डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
5– संस्कृत नाट्यसाहित्य – डॉ० खण्डेलवाल, आगरा
6– दशरूपक (नान्दी टीका) –डॉ० रामजी उपाध्याय संस्कृत परिषद्, सागर विश्वविद्यालय, सागर
7– दशरूपकतत्त्वदर्शनम् –डॉ० रामजी उपाध्याय संस्कृत परिषद्, सागर विश्वविद्यालय, सागर
8– मध्यकालीन संस्कृत नाटक – डॉ० रामजी उपाध्याय संस्कृत परिषद्, सागर विश्वविद्यालय, सागर
9– संस्कृत ड्रामा (नाटक) –कीथ
10– इंडियन थियेटर – सी०बी० गुप्त
11– भरत नाट्यशास्त्र (अंग्रेजी अनुवाद)– मनमोहन घोष
12– वेणीसंहार – तारिणीश झा
13– उत्तररामचरितम् – डॉ० कपिलदेव द्विवेदी
14– उत्तररामचरितम् – वीरराघवकृतया टीका – शेषराज शर्मा
15– पाश्चात्य आलोचना के सिद्धान्त – भागीरथ मिश्र

तृतीय पत्र – तीन विकल्प

(1) काव्य – गद्य–पद्य–चम्पू

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– कादम्बरी (महाश्वेतावृतान्त पर्यन्त) – बाणभट्ट	20 अंक
2– नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग)	30 अंक
3– चम्पूभारतम् (प्रथम स्तबक मात्र)	25 अंक
4– शिवराजविजय (1,2 स्तबक) अम्बिकादत्त व्यास	25 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–कादम्बरी	(1) चार उद्धरणों में से दो का सप्रसंग अनुवाद	20 अंक (10+10)
2–नैषधीयचरितम्	(1) चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या (एक की संस्कृत में) (2) दो में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित	20 अंक (10+10) 10 अंक

3–चम्पूभारतम् (प्रथम स्तबक मात्र)	(1) दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या (एक संस्कृत में) (2) दो गद्यांशों में एक की व्याख्या।	25 अंक (12.5+12.5)
4– शिवराजविजय	(1) चार उद्धरणों में से दो का सप्रसंग अनुवाद (2) दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	20 अंक (10+10) 5 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें –

1– नैषधपरिशीलन – चण्डिकाप्रसाद शुक्ल
2– नैषधीयचरितम् – जीवाउ संस्कृत टीकासहित – डॉ० देवर्षि सनाढ्य
3– बृहत्त्रयी – सुषमा कुलश्रेष्ठ
4– क्रिटिकल स्टडी ऑफ नैषधीयचरितम् – डॉ० ए०एन० जानी
5– चम्पूभारतम् – पंडित अनंतभट्ट चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
6– चम्पू काव्यों का अध्ययन – छविनाथ मिश्र
7– कादम्बरी (पूर्वार्द्ध) संस्कृत हिन्दी टीका सहित – डॉ० श्रीनिवास शास्त्री
8– कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल
9– शिवराज विजय–अम्बिकादत्त व्यास।

(2)कवि विशेष का अध्ययन : कालिदास

एम०ए० उत्तरार्द्ध तृतीय प्रश्नपत्र (साहित्य वर्ग)

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या हेतु

1– व्याख्या हेतु प्रस्तावित नाटक – कालिदास के नाटक 30 अंक
2– रघुवंश (13 सर्ग), कुमार संभव (1–5 सर्ग) मेघदूत व ऋतुसंहार) 30 अंक

(ख) समालोचना हेतु

1– कालिदास के स्थितिकाल, जीवनवृत्त, रचनासंख्या आदि बिन्दुओं पर प्रश्न 15 अंक
2– कालिदास की काव्यकला, नाटककला एवं रचना–सौन्दर्य पर प्रश्न 25 अंक

1–अभिज्ञान०	2 श्लोकों में से 1 की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
2–विक्रमोर्वशीय	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक

3– मालविकाग्०	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
4– रघुवंश	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
5– कुमारसंभवम्	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
6– मेघदूतम्	2 श्लोकों में से 1 की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
7– व्यक्तित्व व कृतित्व	2 प्रश्नों में से 1 का उत्तर	15 अंक
8–समालोचनात्मक प्रश्न –	4 प्रश्नों में से 2 प्रश्नों का उत्तर	15+10 = 25 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें –

(1) कालिदास ग्रंथावली– डॉ रेवाप्रसाद द्विवेदी

(2) कालिदास – विष्णु देव मिरासी

(3) कवि विशेष का अध्ययन : भास

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अपेक्षेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– व्याख्या हेतु प्रस्तावित नाटक – पंचरात्र, बालचरित, प्रतिज्ञायौगन्धरायण, स्वप्नवासवदत्तम तथा चारुदत्तम् से अंश 20 अंक

2– भास के स्थितिकाल, व्यक्तित्व, नाटकसंख्या, नाटकों का एक कर्तृत्व आदि बिन्दुओं पर प्रश्न 20 अंक

3– निम्न नाटकों से कथानक, पात्र–परिचय, नाट्य प्रकार आदि की दृष्टि से सामान्य अध्ययन पर आधारित प्रश्न – अभिषेक, मध्यमव्यायोग, दूतवाक्यम्, दूतघटोत्कच, कर्णभार, उरुभंग, अविमारक 40 अंक

4– भास की नाट्यकला तथा रचनात्मक सौन्दर्यानुभूति पर व्याख्या हेतु निर्धारित नाटकों से प्रश्न 20 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–व्याख्या हेतु प्रस्तावित नाटक	4 श्लोकों में से 2 की संप्रसंग व्याख्या (उसमें से एक संस्कृत में)	20 अंक (10+10)
2–भास का स्थितिकाल आदि	4 प्रश्न पूछ कर 2 का उत्तर	20 अंक (10+10)

3–सामान्य अध्ययन पर आधारित प्रश्न	4 प्रश्नों में से 2 का उत्तर	30 (15 + 15)
	2 प्रश्न पूछकर एक का उत्तर संस्कृत में	10 अंक
4– भास की नाट्यकला —	4 प्रश्न पूछ कर 2 का उत्तर	20 (10 + 10)
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें

1– भासनाटकचक्रम् – भाग एक व दो, व्याख्याकार डॉ० गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

2– दूतघटोत्कच – व्याख्याकार डॉ० गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

3– दूतवाक्यम् – व्याख्याकार डॉ० गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

4– मध्यमव्यायोग – व्याख्याकार डॉ० गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र–संहिता पाठ

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जानेवाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1. ऋग्वेद सप्तम मंडल सूक्त 1 से 10 तक 25 अंक

2. अथर्ववेद–अधोदत्त सूक्त मात्रा निर्धारित है– 30 अंक

काण्ड	सूक्त
1	5,6,14
2	28,33
3	12,16,17,30
4	30
8	9
9	9 (14 अस्य वामस्य)
18	8 (प्राण ब्रह्मचारी)
19	52,53

3. वाजसनेयी संहिता–अध्याय 1,32 एवं 36 20 अंक

टिप्पणी– परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वेद वेद के मंत्रों के विभिन्न भाष्य जिनमें सायण, कपाली शास्त्री, दयानन्द सरस्वती का नाम विशेषत: उल्लेखनीय है, पढ़ेंगे तथा आधुनिक अर्थों से भी परिचित होंगे।

4. संबद्ध व्याकरण 10 अंक

5. ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका–स्वामी दयानन्द 15 अंक

कुल अंक 100 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र–ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

ऐतरेय ब्राह्मण–पंचिका अध्याय 1 व 2 मात्र 20 अंक

शतपथ ब्राह्मण–माध्यंदिन काण्ड 1, अध्याय 1 15 अंक

यास्क निरुक्त 2, 7 अध्याय (निर्वचन व व्याख्या) 15 अंक

ऋक् प्रतिशाख्य 1,2 और 3 मात्र 15 अंक

ऋक् प्रतिशाख्य के पाठ्यक्रम में निर्धारित सूत्रों की व्याख्या प्रष्टव्य है।

छान्दोग्योपनिषद् अध्याय 7वां 20 अंक

कात्यायन श्रौतसूत्र–अध्याय प्रथक 1–2 कण्डिकाएं 15 अंक

कुल अंक 100 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र–वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रक्रिया

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

वैदिक धर्मों का तुलनात्मक एवं देवशास्त्र 40 अंक

वैदिकी प्रक्रिया–सिद्धान्त कौमुदी	40 अंक
महर्षि कुलवैभवम्–मधुसूदन ओझा (महर्षियों का सामान्य परिचय)	20 अंक
कुल अंक	100 अंक

वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र–न्याय और वैशेषिक दर्शन

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

न्याय सूत्र वात्स्यायन भाष्य सहित (प्रथम अध्याय)	30 अंक
विश्वनाथ–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष एवं शब्द खण्ड)	40 अंक
प्रशस्तपाद (गुणनिरूपणान्त)	30 अंक
कुल अंक	100 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

पाठ्यक्रम

1. न्यायसूत्रम् वात्स्यायन भाष्य सहित	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
	दो सूत्रों में से एक की व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक

2. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली

प्रत्यक्ष खण्ड में चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10= 20 अंक
शब्द खण्ड से चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10= 20 अंक

3. प्रशस्तपादभाष्य

चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10= 20 अंक
दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
कुलयोग	100 अंक

(134)

सहायक पुस्तकें–

1. न्यायसूत्र वात्स्यायन भाष्य, सं. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, प्र. बौद्ध भारती, वाराणसी
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली(प्रत्यक्षखण्ड), व्याख्याकार– डॉ0 श्री गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर,चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
3. कारिकावली– न्यायमुक्तावली संवलिता, व्याख्याकार– आत्माराम शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. प्रशस्तपादभाष्यम् व्याख्याकार– आचार्य दुण्ढिराजशास्त्री, प्र. चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

द्वितीयपत्र– शैवागम, सांख्यदर्शन और दर्शनशास्त्र

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी –वाचस्पतिमिश्र(एक से तीस कारिका पर्यन्त)	20 अंक
2. ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी(आगमाधिकार)	20 अंक
3. परमार्थसार– अभिनवगुप्त	20 अंक
4. भारतीय दर्शनशास्त्र	20 अंक
5. पाश्चात्य दर्शनशास्त्र	20 अंक

अवधेयम्–दर्शनशास्त्र के विकास की दृष्टि से निम्नांकित विषयों पर सामान्य अध्ययन अपेक्षित है–1. षड्दर्शन का विकास, 2. सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तू द्वारा प्रतिपादित नीतिशास्त्र, 3. स्पिनोजा का शून्यवाद तथा सर्वेश्वरवाद,4. बर्कलेकृत जडवाद की आलोचना 5. ह्यूम का कार्यकारणवाद तथा सन्देहवाद, 6. देकार्त प्रतिपादित ईश्वर एवं बाह्य जगत् तथा 7. काण्ट का नीतिशास्त्र।

विस्तृत अंक विभाजन

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी –	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
2. ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी	दो व्याख्याओं में से एक की व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में एक का उत्तर	10 अंक
3. परमार्थसार–	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक

4. भारतीय दर्शनशास्त्र	चार प्रश्नों में से दो का उत्तर	10+10= 20 अंक
5. पाश्चात्य दर्शनशास्त्र	चार प्रश्नों में से दो का उत्तर	10+10= 20 अंक
कुल योग		100 अंक

सहायक पुस्तकें

1. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन.गुप्त, अनु. बलानाथ शास्त्री, सुधीर कुमार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, अकादमी, जयपुर
2. पाश्चात्य आधुनिक दर्शन की समीक्षात्मक व्याख्या, या मसीह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. नीतिशास्त्रीय सिद्धान्त के पाँच प्रकार सी.डी. ब्रोड, अनु. डॉ0 श्यामनन्दन, प्रो0 केदारनाथ लाल, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
4. नीतिशास्त्र मीमांसा, जार्ज एडवर्ड, मू. अनु. अशोक कुमार वर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना

तृतीयप्रश्नपत्र–वेदान्त मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अध्येयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. ब्रह्मसूत्रचतुःसूत्री–शांकरभाष्यसहित	30 अंक
2. माण्डूक्योपनिषद्(गौडपादकारिका सहित)	25 अंक
3. अर्थसंग्रह– (विधिभाग को छोड़कर)	20 अंक
4. सर्वदर्शनसंग्रह– माधवाचार्य(जैन व बौद्धदर्शनमात्र)	25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. ब्रह्मसूत्रचतुःसूत्री	चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या जिसमें	
	एक का संस्कृत में संप्रसंग अनुवाद	10+10= 20 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
2. माण्डूक्योपनिषद्	चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें	
	एक की संस्कृत में	9+9= 18 अंक

	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	7 अंक
3. अर्थसंग्रह	चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या	7+7= 14 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	6 अंक
4. सर्वदर्शनसंग्रह	दोनों दर्शनों में दो दो कारिकाओं में से एक एक की व्याख्या	12+13= 25 अंक

सहायक पुस्तकें–

1. माण्डूक्यकारिका– गौडपद, आनन्द आश्रम पूना
2. आगमशास्त्र ऑफ गौडपाद, बी भट्टाचार्य, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता।
3. सर्वदर्शनसंग्रह– माधवाचार्य प्रो. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. अर्थसंग्रह–व्या. डॉ. कामेश्वरनाथ मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

वर्ग द धर्मशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र–धर्मसूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. गौतमधर्मसूत्राणि सम्पूर्ण 75 अंक
2. धर्मशास्त्र का इतिहास (प्रमुख सूत्रकार, स्मृतियां एवं निबन्धकारों का इतिहास) 25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. गौतमधर्मसूत्र	दस सूत्रों में से पाँच की व्याख्या	25 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर	20 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर व्यवहार सम्बन्धी	20 अंक
2. धर्मशास्त्र का इतिहास	किन्हीं चार ग्रन्थकारों अथवा धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों में से दो का परिचय	15 अंक
	धर्मशास्त्र के इतिहासकारों के विषय में दो प्रश्न में से एक का उत्तर	10 अंक
कुलयोग		100 अंक

संस्तुत पुस्तकें–

1. गौतमधर्मसूत्राणि हिन्दी व्याख्याकार– डॉ उमेशचन्द्र पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, वाराणसी
2. धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथमखण्ड, डॉ0 पी.वी.काणे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
3. धर्मकल्पद्रुम डॉ राजेन्द्रप्रसादशर्मा, वाराणसी

द्वितीयप्रश्नपत्र–स्मृतिशास्त्र

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. मनुस्मृति (3 से 6 अध्याय तक) 50 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय 1 से 7 प्रकरण) 25 अंक
3. विश्वेश्वरस्मृति 25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. मनुस्मृति	चार श्लोकों में से दो की संप्रसंग व्याख्या	10+10= 20 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर	20 अंक
	चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	10 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति	दो में से किसी एक की मिताक्षरा के अनुसार व्याख्या	10 अंक
	चार टिप्पणियों में दो का उत्तर	15 अंक
3. विश्वेश्वरस्मृति	चार श्लोकों में से दो की संप्रसंग व्याख्या–	15 अंक
	दो प्रश्नों में एक का उत्तर अथवा चार टिप्पणियों में दो का उत्तर	10 अंक
कुलयोग		100 अंक

संस्तुत पुस्तकें–

1. मनुस्मृति, हिन्दी व्याख्याकार पं. हरगोविन्दशास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. याज्ञवल्क्यस्मृति हिन्दी व्याख्याकार, डॉ0 उमेशचन्द पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. विश्वेश्वरस्मृति, राजस्थान संस्कृत अकादनी, जयपुर

तृतीयप्रश्नपत्र– निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित्त ज्ञान

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. धर्मसिन्धु, काशीनाथ उपाध्याय, प्रथम व द्वितीय परिच्छेद 50 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय अष्टम प्रकरण दायभाग) 25 अंक
3. याज्ञवल्क्यस्मृति(प्रायश्चित्ताध्याय) 25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. धर्मसिन्धु	चार बिन्दुओं में से 2 का संस्कृत विवेचन	10+10=	20 अंक
	चार बिन्दुओं में से दो का विवेचन		20 अंक
	चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर		10 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति	दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या		15 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर		10 अंक
3. याज्ञवल्क्यस्मृति	दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या		15 अंक
	दो टिप्पणियों में एक का उत्तर		10 अंक
कुलयोग			100 अंक

संस्तुत पुस्तकें–

1. धर्मसिन्धु, काशीनाथ, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. याज्ञवल्क्यस्मृति हिन्दी व्याख्याकार, डॉ० उमेशचन्द पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

वर्ग एक ज्योतिषशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र ज्योतिष विज्ञान, खगोल एवं ताजिकशास्त्र

प्रायोगिक परीक्षा 50 अंक
सैद्धान्तिक परीक्षा 50 अंक
समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100 अंक

अध्येयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. वर्षपत्र निर्माण के सामान्य सिद्धान्त एवं वर्षफल कथन 20 अंक
   (i) वर्ष लग्न निर्माण प्राचीन एवं नवीन पद्धति के आधार पर
   (ii) मुन्था निर्णय एवं फल
   (iii) षोडशयोग एवं फल
   (iv) त्रिपताकीचक्र निर्माण एवं फल
   (v) वर्षपति निर्णय

2. ज्योतिषविज्ञान सम्बन्धी अपेक्षित बिन्दु 20 अंक
   1. ज्येष्ठ मास की ज्योतिषीय महत्ता
   2. देवशयन मांगलिक कार्य में बाधक क्यों?
   3. नक्षत्रविज्ञान का जनक रहा है भारत
   4. ज्योतिषरोग एवं उपचार
   5. पुराणों में मंगल ग्रह की अवधारणा
   6. ग्रहों का मानवीकरण व फलादेश
   7. मांगलिक ग्रह अमांगलिक क्यों
   8. त्रिपताका चक्र और ग्रहवेध
   9. गोधूलि वेला विवाह के लिए श्रेष्ठ
   10. वर्षायोग के ज्योतिषीय सिद्धान्त
   11. भाग्यशालीयोग कन्या जन्म से भी होता है
   12. बन्दीगृह योग में भी है श्रेष्ठ राजयोग
   13. श्राद्धविज्ञान के मूलाधार सूर्यचन्द्र
   14. पूर्वजन्म पुनर्जन्म एवं ज्योतिष
   15. नक्षत्रों पर टिका है मुहूर्त व भविष्यफल
   16. वास्तुशास्त्र की वस्तुस्थिति

17. सृष्टिप्रक्रिया का आधार चन्द्रमा
18. वायुवारिणी पूर्णिमा एवं वर्षायोग
19. शरदपूर्णिमा की रात पाइए अमृतप्रसाद
20. ज्योतिष में श्रावणी और रक्षाबन्धन
21. रक्षाबन्धन का वैज्ञानिक आधार
22. हृदय का स्पंदन और ज्योतिषशास्त्र
23. जन्माष्टमी और पंचामृत का ज्योतिषीय महत्त्व
24. श्रीकृष्ण का ज्योतिषीय महत्त्व
25. वैवाहिक निर्णयों में ज्योतिषीय भूमिका
26. पर्यावरणपरिवर्तन और वर्षा के ज्योतिषीय अनुमान
27. व्यक्तित्व विकास में ज्योतिष
28. सूर्यचन्द्रस्वर कार्यसिद्धि में सहायक
29. चिकित्सा में भूमिका निभाते हैं ग्रहयोग
30. मधुमेह की ज्योतिषीय चिकित्सा
31. महामृत्युंजय मन्त्र का ज्योतिषीय स्वरूप
32. देवप्रबोधिनी एकादशी का वैज्ञानिक आधार
33. ज्योतिषज्ञान आज कल क्यों?
34. सार्थक ही है विवाह हेतु गुणमिलान
35. कुण्डलीमिलान के बावजूद शादी क्यों नहीं
36. बुधादित्ययोग में आपका जीवन
37. सूर्यग्रहण परिवेश का जनजीवन पर प्रभाव
38. कर्मवाद और ज्योतिषविज्ञान
39. ब्रह्माण्ड रहता है आपकी हथेली में
40. खगोल को भूगोल से जोड़ता है स्वस्तिमंत्र
41. ऊँनाद के साथ ही ग्रहनक्षत्रों की उत्पत्ति
42. इस्लामीतन्त्र एवं ज्योतिष
43. चेहरा आपके स्वभाव का दर्पण है
44. कब मिलती है चोरी गई वस्तु
45. ज्योतिषविज्ञान में प्रश्नतन्त्र
46. पौधारोपण करने से घर में लक्ष्मीनिवास

3. गोल परिभाषा 10 अंक

खनाध्य,नाड़ीवलय, सनवृत्त, उन्मण्डलवृत्त, उर्ध्वखस्वस्तिक, कदम्बधान, कदम्बप्रोतवृत्त, अयनप्रोतवृत्त,दृग्वृत्त, उन्नतांश, नतांश, अक्षांश, दिगंश, शर, विमण्डलवृत्त अहोरात्रवृत्त आदि की परिभाषा ही मृष्टव्य है।

4. प्रायोगिक परीक्षा 50 अंक

प्रायोगिक परीक्षा में जयपुर स्थित ज्योतिष यन्त्रालय, जंतर मंतर सिटी पैलेस के पास में विद्यमान यन्त्रों में से शंकुयन्त्र, लघुसम्राटयन्त्र, बृहद् सम्राटयन्त्र, चक्रयन्त्र, षष्ठ्यंश यन्त्र, भित्तियन्त्र, रामयन्त्र, दिगंशयन्त्र, नाड़ीवलय न्त्र, आदि से ग्रह नक्षत्रों एवं सूर्य की वेध प्रक्रिया क्रान्ति आदि की जानकारी के साथ महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा निर्मित दिल्ली, वाराणसी, उज्जैन, मथुरा, जयपुर के यन्त्रालयों की ऐतिहासिक जानकारी मापदण्ड रहेगी।

सहायक ग्रन्थ

1. गोलीय रेखागणितम्– श्री मीहालाल ओझा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. गोलपरिभाषा, श्री गणपति लाल शर्मा
3. यन्त्रालयपरिचय पं. गोकुलचन्द भावन

द्वितीय प्रश्नपत्र– वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. वास्तुशास्त्र के सामान्य सिद्धान्त (निम्नशीर्षकों के आधार पर) 50 अंक
   1. वास्तु एक वैज्ञानिक अवधारणा
   2. वास्तुपुरुष विधान
   3. कांकिणी / ग्रामवास विचार
   4. भूमि परीक्षण
   5. भूमिशोधन

5. प्राचीन एवं आधुनिक माप प्रणाली
7. भूमि का ढलान
8. भूखण्ड की आकृति
9. आयादि लक्षण
10. विविध वास्तुचक्र
11. वास्तुपुरुष विधान एवं मर्मस्थान
12. गृहारम्भ मुहूर्त
13. भूमि का अधिग्रहण, बलिकर्म व गर्भविन्यास
14. विविधगृह
15. मुख्यद्वार
16. गृहके समीप वृक्ष
17. भवन के विभिन्न भाग
18. द्वारवेध
19. भवन के विभिन्न कक्षों की स्थिति
20. गृहप्रवेश मुहूर्त
21. औद्योगिक वास्तु
22. देववास्तु
23. व्यावसायिकवास्तु
24. ज्योतिष, वास्तु एवं आधुनिक वास्तुशास्त्र
25. वास्तुसूत्र
26. पिरामिडशक्ति
27. फेंगशुई
28. वास्तुदोष निवारण

2. मुहूर्त चिन्तामणि– श्रीरामदैवज्ञ विरचित 50 अंक

शुभाशुभ प्रकरण से– तिथि स्वामी, तिथिसंज्ञा, सिद्धियोग, चैत्रादि मासों में शून्य तिथि, शून्य नक्षत्र, शून्य राशि, आनन्दादि अदृष्टाइस योग, सर्वार्थसिद्धियोग, शुभकार्य में वर्ज्यपदार्थ, भद्राविचार, गुरु–शुक्रास्त में वर्जित कार्य सिंहस्थ गुरु में वर्ज्यावर्ज्य का विचार एवं वार प्रवृत्ति मात्र

नक्षत्र प्रकरण से – नक्षत्रों के स्वामी, ध्रुव–चर, उग्र, मिश्र, लघु, मृदु, तीक्ष्ण, संज्ञाक नक्षत्र एवं कूप, दुकान खोलने का मुहूर्त, वाहन (हाथी–घोड़ा, कार, स्कूटर आदि) खरीदने का मुहूर्त, अन्धादि नक्षत्र एवं फल, नौकरी करने का मुहूर्त, होमाहुति एवं अग्निवास ज्ञान।

संस्कार प्रकरण – सीमन्त संस्कार मुहूर्त, प्रसूति स्त्री के स्नान का मुहूर्त, जलपूजन मुहूर्त, अन्नप्राशन मुहूर्त, शुभकर्मों का विधिकाल, मुंडन मुहूर्त, अक्षरारम्भ मुहूर्त, विद्यारम्भ मुहूर्त, यज्ञोपवीत मुहूर्त, गुरुशुद्धि एवं अपवाद

विवाह प्रकरण – वरवरण–कन्यावरण मुहूर्त, अष्टकूट गुण का मिलान (सारणी द्वारा) सामान्य परिचय मात्र दिन + रात्रि के मुहूर्त, अभिजितकाल निर्धारण

सहायक ग्रन्थ

1– मुहूर्त चिन्तामणि – श्रीराम दैवज्ञ विरचित मास्टर बिहारीलाल समताप्रसाद, वाराणसी, प्रकाशक राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

तृतीय पत्र – जन्मपत्र निर्माण एवं फलादेश के सिद्धांत

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अवधेयम् – 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1– जन्मपत्र निर्माण पद्धति 60 अंक

क–जन्मांगचक्र निर्माण प्रकार गृहस्पष्ट, भाव स्पष्ट (इंडियन एफेमेरीज या परम्परागत प्राचीन पद्धति के आधार पर) 20 अंक

ख–होरा, द्रेष्काण, सप्तनाश, नवमांश, द्वादशांश, त्रिंशांश चक्र निर्माण मात्र एवं सामान्य फल कथन 20 अंक

ग–विंशोत्तरी, अष्टोत्तरी एवं योगिनी दशा, अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर्दशा निर्माण 20 अंक

2– हस्तरेखा विज्ञान सम्पूर्ण गोपेश कुमार ओझा 20 अंक
द्वितीय खंड – हस्तरेखा विचार एवं चतुर्थ खंड शरीर लक्षण मात्र

3– लघुपाराशरी (महर्षि पाराशर प्रणीत) उडूदायप्रदीप योगाध्याय, 20 अंक आयुर्विचाराध्याय एवं दशाफलाध्याय मात्र

सहायक ग्रन्थ–

1. बृहद् भारतीय कुण्डली विज्ञान, सत्यदेवशर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
2. ज्यौतिषसर्वस्व, पं. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. हस्तरेखाविज्ञान, ले. गोपेश कुमार ओझा, प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
4. लघुपाराशरी समीक्षा, डॉ० शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य प्रश्नपत्र

चतुर्थ प्रश्नपत्र– व्याकरण एवं निबन्ध

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. व्याकरण लघु सिद्धान्त कौमुदी
   1. कृत्यप्रक्रिया एवं पूर्वकृदन्त 20 अंक
   2. तद्धित–शैषिक प्रकरणपर्यन्त 10 अंक
   3. समास(तत्पुरुष, बहुव्रीहि, अव्ययीभाव, द्वन्द्व) 20 अंक
   4. कारक प्रकरण सिद्धान्तकौमुदी से 15 अंक

2. निबन्ध(संस्कृत में) 20 अंक
   कम से कम 12 निबन्ध के विषय दिये जाने चाहिए, जिनमें से सभी वर्गों अ, ब, स, द, इ, एक पर प्रत्येक से कम से कम दो विषयों में निबन्ध पूछा जायेगा। उनमें से विद्यार्थी को यथेष्ट एक ही विषय पर निबन्ध लिखना अपेक्षित है।
3. व्याकरण महाभाष्य(पस्पशाह्निक) 15 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1.	कृत्यप्रक्रिया व पूर्वकृदन्त	10 पद पूछकर 5 की सिद्धि	20 अंक
2.	तद्धित	8 पद पूछकर 4 की सिद्धि	10 अंक
3.	समास	10 पद पूछकर 5 की सिद्धि	20 अंक
4.	कारक	6 सूत्रों में से 3 की सोदाहरण व्याख्या	15 अंक

5. महाभाष्य	दो में से एक प्रश्न	15 अंक
6. निबन्ध	प्रत्येक युग के दो दो विषयों अर्थात् 10 विषयों में से एक निबन्ध	20 अंक
कुल योग		100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री
2– लघुसिद्धान्तकौमुदी – महेशसिंह कुशवाहा
3– डॉ0 मंगलादेव शास्त्री, प्रबन्ध प्रकाश, इलाहाबाद
4– ऋषिकेश भट्टाचार्य, प्रबन्ध मंजरी
5– पं0 गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी – निबन्ध मंजरी, शारदा मंदिर, दिल्ली
6– वी0एस0 आप्टे – गाइड (संस्कृत कम्पोजीशन)
7– हंसराज अग्रवाल – प्रबन्धप्रदीप
8– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी – प्रौढरचनानुवादकौमुदी
9– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, संस्कृत व्याकरण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
10– माधवीय धातुवृत्ति – माधवाचार्य
11 – श्री तरंगिणी – गुणरत्न महादधिः
12– डॉ0 नारायणशास्त्री खांकर – व्याकरण साहित्य, अजमेरा बुक कं0, जयपुर
13– कारकदीपिका – श्री मोहनबल्लभ पंत, रामनारायणलाल बेनीमाधव, प्रयाग

निम्नलिखित शोध–पत्रिकाएं भी पठनार्थ अनुमोदित है–

1– सागरिका – संस्कृत विभाग, सागर विश्वविद्यालय, सागर
2– संस्कृतप्रतिभा – साहित्य अकादमी, दिल्ली
3– सारस्वतीसुषमा – वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
4– भारती (त्रैमासिक), भारती कार्यालय, जयपुर
5– स्वरमंगला (त्रैमासिक), राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
6– मागधम् – एच0डी0 जैन कालेज, मगध विश्वविद्यालय, आरा, बिहार

पंचम प्रश्नपत्र – प्राचीन संस्कृत साहित्य

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

प्राचीन संस्कृत साहित्य

1– विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग) – बिल्हण 20 अंक

2– अर्थशास्त्र (कौटिल्य) विनयाधिकरण से प्रथम व तृतीय अधिकरण 20 अंक

3– शिशुपालवध प्रथम सर्ग – माघ 20 अंक

4– बुद्धचरित अश्वघोष (तृतीय सर्ग) 20 अंक

5– सामान्य प्रश्न 20 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1– विक्रमांकदेवचरितम्	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या जिनमें से एक संस्कृत में	20 अंक (10+10)
2– अर्थशास्त्र (कौटिल्य)	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	20 अंक (10+10)
3– शिशुपालवध	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या जिनमें से एक संस्कृत में	20 अंक (10+10)
4– बुद्धचरित	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	20 अंक (10+10)
5– उपर्युक्त 1 व 2 में से सामान्य प्रश्न	दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर	10 अंक
6– उपर्युक्त 3 व 4 में से सामान्य प्रश्न	दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर	10 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– विक्रमांकदेवचरित (प्रथम सर्ग), साहित्य निकेतन, कानपुर

2– शिशुपालवध – मल्लिनाथकृत 'सर्वंकषा' व्याख्या श्रीहरगोविन्द शास्त्री कृत मणिप्रभा हिन्दी व्याख्या सहित

3– बुद्धचरित– अश्वघोष चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

4– अर्थशास्त्र (कौटिल्य) चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

अथवा

आधुनिक संस्कृत साहित्य

1– विवेकानन्दविजयम् – डॉ0 श्रीधरभास्कर वर्णेकर 35 अंक

क– नाटक के अंशों की व्याख्या हेतु – 25 अंक

ख– आलोचनात्मक प्रश्न – 10 अंक

2– कथानकवल्ली – श्री कलानाथ शास्त्री (राजस्थान संस्कृत अकादमी प्रकाशन, जयपुर 25अंक

क) व्याख्या – 15 अंक

ख) समालोचनात्मक प्रश्न – 10 अंक

3– (1)मधुरच्छन्दा डॉ हरीराम आचार्य 15 अंक
चार में से दो व्याख्या

(2)पद्मिनि –पण्डित मोहन लाल शर्मा पाण्डेय 10 अंक
दो में से एक समालोचनात्मक प्रश्न

4 राजस्थान के आधुनिक संस्कृत विद्वान् (गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, भट्ट मथुरानाथ शास्त्री, पं. मधुसूदन ओझा, मोतीलाल शास्त्री, ब्रह्मानन्द शर्मा, पद्म शास्त्री, कलानाथ शास्त्री, प्रभाकर शास्त्री, हरिराम आचार्य, नवलकिशोर कांकर, आचार्य रामचन्द्र द्विवेदी, डॉ. चन्द्रकिशोर गोस्वामी, डॉ. गंगाधर भट्ट) व्यक्तित्व व कृतित्व संबधी चार में से दो प्रश्न अपेक्षित है। 15 अंक

कुल अंक 100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1. विवेकानन्द विजयम् – श्री भास्कर वर्णेकर
2. मधुरच्छन्दा – डॉ हरिराम आचार्य, जगदीश पुस्तक भण्डार, जयपुर
3. कथानकवल्ली– डॉ कलानाथ शास्त्री
4. पदमिनी – मोहन लाल शर्मा पाण्डेय, राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर
5. आधुनिक राजस्थान के संस्कृत का इतिहास, राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर

अथवा

लघुशोधप्रबन्ध – नियम यथावत